THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 263 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.14 2079 बुधवार, 7 दिसंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

डॉ. अंबेडकर को राष्ट्रपति व पीएम ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। संसद भवन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे व सोनिया गांधी समेत अन्य नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा, महापरिनिर्वाण दिवस पर मैं बाबासाहेब अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं हमारे राष्ट्र के लिए उनकी अनुकरणीय सेवा को याद करता हूं। उनके संघर्षों ने लाखों लोगों को उम्मीद दी और भारत को इतना व्यापक संविधान देने के उनके प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

56 पंडित आतंकियों के निशाने पर

सरकारी विभागों में काम करने वाले पंडितों की सूची आतंकियों के हाथ लगी

श्रीनगर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में सरकारी विभागों में काम करने वाले 56 कश्मीरी पंडितों की सूची लीक हो गई है और आतंकियों के हाथ लग गई है। इस सूची को आतंकी संगठन से जुड़े ब्लॉग पर शेयर किया जा रहा है और कश्मीरी पंडितों को धमकाया जा रहा है। भाजपा ने इस मामले में जांच करवाने की मांग की है।

2010 से पीएम पुनर्वास पैकेज के तहत 5000 पंडितों की भर्ती की जा चुकी है। पहले से ही घाटी में निशाना बनाकर कश्मीरी पंडितों की हत्या की जा रही है। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के ब्लॉग लिंक पर कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सूची साझा की गई।

इस लिस्ट में 56 कश्मीरी पंडितों के नाम हैं जो कि प्रधानमंत्री पुनर्वास पैकेज के तहत काम कर रहे हैं। टीआरएफ के ब्लॉग कश्मीर फाइट में कहा गया है कि कश्मीरी पंडितों के लिए जो 6 हजार फ्लैट बनाए जा रहे हैं, यह उन्हें बर्दाश्त नहीं हैं। भाजपा प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने सूची के लीक होने को लेकर चिंता जताई है। ठाकुर ने पुलिस से कहा है कि इस मामले की जांच की जाए कि आखिर यह लिस्ट कैसे लीक हुई।

कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा के लिए जांच जरूरी है। इसी बीच पुलिस ने अपने जवानों के लिए नई एसओपी जारी की है जिसमें कहा गया है कि उन्हें ड्यूटी से बाहर रहते हुए भी सतर्क रहना है।

महबूबा मुफ्ती ने केंद्र पर जानकारी लीक करने का आरोप लगाया :

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने ही कश्मीरी पंडितों की जानकारी लीक की है। महबूबा ने कहा, सरकार को लोगों को जवाब देना चाहिए कि कश्मीरी पंडितों का विवरण कैसे लीक हो गया और जिसके कारण उन्हें धमकियां मिल रही हैं। कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा में सरकार पूरी तरह से विफल रही है। वे केवल उनका शोषण कर रहे हैं। वे उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं हैं।

एक साल में 24 हिंदुओं की हो चुकी है हत्या

कश्मीरी पंडितों के विभिन्न संगठनों ने पिछले एक साल के दौरान घाटी में आतंकवादियों द्वारा 24 कश्मीरी और गैर कश्मीरी हिंदुओं की हत्या की है। भाजपा प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने पुलिस से सूची के लीक होने की जांच करने का अनुरोध किया है। ठाकुर ने कहा कि आतंकवादियों को स्पष्ट पता है कि कौन कहां तैनात है। सरकार को इस पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए। यह पता करना चाहिए कि ऐसे समय में किसने सूची लीक की है जब घाटी में लक्षित हत्याएं हो रही हैं।

इस साल मारे गए 176 आतंकी :

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों को खत्म करने के लिए पुलिस और सेना की तरफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान एनकाउंटर में कई आतंकियों को ढेर भी किया गया। इस साल अक्टूबर तक 176 आतंकी मारे गए हैं। इनमें 126 लोकल आतंकी थे। जम्मू और कश्मीर में अभी कुल 134 एक्टिव आतंकी मौजूद हैं। इनमें से 83 विदेशी और 51 लोकल आतंकी हैं।

इस साल अब तक 21 टारगेट किलिंग हो चुकी हैं। इनमें कश्मीरी पंडित, राज्य के बाहर से आए मजदूर और सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। इस साल अलग-अलग आतंकी हमलों में 9 हिंदुओं की जान जा चुकी है।

सीएम विजयन के आवास पर सुरक्षा अधिकारी से चली गोली

तिरुवनंतपुरम, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री सीएम विजयन के सरकारी आवास क्लिफ हाउस पर मंगलवार को एक दुर्घटना हो गई। यहां तैनात एक सुरक्षा अधिकारी की सर्विस रिवाल्वर से गलती से गोली चल गई। यह घटना तब हुई जब वह पिस्तौल को साफ कर रहे थे।

म्यूजियम पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा अधिकारी से सुबह करीब सवा नौ बजे गोली चली थी। गनीमत रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। जिस समय यह घटना हुई, सीएम विजयन भी क्लिफ हाउस में मौजूद नहीं थे। हालांकि, अधिकारियों ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

इंजीनियर प्रेमी ने डेंटल गर्लफ्रेंड की हत्या की

सर्जिकल चाकू से रेता गला, लड़की के इग्नोर करने से नाराज था युवक

गुंटूर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी। आरोपी ने लड़की का सर्जिकल चाकू से गला काट दिया। इसके बाद खुद भी आत्महत्या की कोशिश की, लेकिन लोगों ने उसे काबू में कर लिया। पुलिस ने बताया कि युवक लड़की के बात नहीं करने से नाराज था।

लड़की की पहचान तपस्वी (20) के रूप में हुई है, जो डेंटल स्टूडेंट थी। वह दो साल पहले सोशल मीडिया पर आरोपी गनेश्वर (24) के संपर्क में आई थी। उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई, लेकिन पिछले कुछ महीनों में उनके बीच मतभेद चल रहे थे। इसके बाद आरोपी ने लड़की से बात करना चाही, लेकिन लड़की मना करती रही।

कुछ महीने पहले, लड़की ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज करवाई थी, जिसके बाद लड़की को परेशान न करने के लिए लड़के की काउंसलिंग की गई। तपस्वी पिछले एक हफ्ते से गुंटूर के पास तक्केल्लापडू में अपनी सहेली के साथ रह रही थी। लड़की का पता जानने के बाद गनेश्वर सोमवार को वहां गया और लड़की से बात करने की कोशिश की। इस बीच दोनों में बहस हो गई। गुस्से में लड़के ने एक सर्जिकल चाकू निकाला और उसका गला काट दिया। इसे देख तपस्वी की दोस्त पड़ोसियों को बुलाने के लिए घर से बाहर भाग गई। गनेश्वर खून से लथपथ तपस्वी को घसीटकर बगल के कमरे में ले गया और स्थानीय लोगों के आने से पहले दरवाजा बंद कर लिया।

पड़ोसियों ने जैसा ही दरवाजा खोला तो उसने अपना हाथ काटने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने उसे काबू कर लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इसके बाद लड़की को गुंटूर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आतंकवाद ग्लोबल चैलेंज : भारत

लड़ने के लिए दुनिया को एकजुट होना होगा, जीरो टॉलरेंस अप्रोच जरूरी

न्यूयॉर्क, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद यानी यूएनएससी में भारत ने आतंकवाद को एक बार फिर दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। सयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा, आतंकवाद को जीरो टॉलरेंस अप्रोच से खत्म किया जा सकता है।

इराक के मुद्दे पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, इराक में सरकार और लोग इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड लेवेंट (आईएसआईएल) आतंकी समूह से लड़ रहे हैं। टेररिज्म ग्लोबल चैलेंज है। टेररिज्म का खतरा बहुत तेजी से बढ़ रहा है और इससे दुनिया का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं रहा। इसे रोकने के लिए हमें जीरो टॉलरेंस अप्रोच अपनानी होगी। रुचिरा कंबोज ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा, आतंक के खिलाफ लड़ाई

रुचिरा कंबोज

को मजबूती तभी मिल सकती है जब जिम्मेदारों को सजा होगी। दुनिया के एक हिस्से में आतंकवाद पूरी दुनिया की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है और इसलिए इस अंतर्राष्ट्रीय चुनौती के लिए हमारी प्रतिक्रिया इंटीग्रेटेड, कोऑर्डिनेटेड और सबसे महत्वपूर्ण रूप से प्रभावी होनी चाहिए। अगस्त में हुई यूएनएससी की बैठक में भी रुचिरा कंबोज ने आतंक को सबसे बड़ा खतरा बताया था। उन्होंने कहा था, आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड नहीं अपनाए जा सकते। अगर हमने आतंकवाद को सिर्फ आतंकवाद नहीं माना, इसे अलग-अलग देखना बंद नहीं किया तो इससे खतरा बढ़ता जाएगा। अपनी सुविधा के हिसाब से इस समस्या को देखना खतरनाक साबित होगा। दिसंबर महीने में भारत यूनाइटिड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल (यूएनएससी) की अध्यक्षता कर रहा है। यानी इस पूरे महीने रूचिरा कंबोड यूएनएससी की प्रेसिडेंट रहेंगी। इसी के साथ महीने के अंत में गैर-स्थायी सदस्य के रूप में भारत के दो साल का कार्यकाल का खत्म हो जाएगा। इस दौरान टेररिज्म और अन्य वैश्विक चुनौतियों के मुद्दे पर चर्चाएं होंगी। भारत काफी समय से सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने का प्रयास कर रहा है, लेकिन भारत की राह में सबसे बड़ा रोड़ा चीन है।

बेलगावी में महाराष्ट्र के ट्रकों को रोका, पथराव

बेलगावी, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक व महाराष्ट्र के बीच सीमा विवाद उग्र रूप लेने लगा है। मंगलवार को कर्नाटक के बेलगावी के हीरे बागेवाड़ी में प्रदर्शन के दौरान कर्नाटक रक्षण वेदिके के कार्यकर्ताओं ने महाराष्ट्र के ट्रकों पर पथराव किया।

इस मामले में पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। उधर, तनाव की आशंका के चलते महाराष्ट्र के दो मंत्रियों ने बेलगावी दौरा निरस्त कर दिया। इस बीच, कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा है कि राज्य और उसके लोगों के हितों की पूरी रक्षा की जाएगी। बागेवाड़ी में कर्नाटक रक्षण वेदिके के कार्यकर्ताओं ने उन ट्रकों को रोका जिन पर महाराष्ट्र की नंबर प्लेट लगी थी। एक ट्रक पर पथराव किया गया।

आतंकी नेटवर्क चिंता का विषय : अजीत डोभाल

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत पहली बार मंगलवार को कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के एक सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इस सम्मेलन में अफगानिस्तान में उभरती सुरक्षा स्थिति और उस देश से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खतरे से निपटने के तरीकों पर चर्चा की गई।

इस मौके पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा कि अफगानिस्तान में आतंकवादी नेटवर्क का बना रहना चिंता का विषय है। दिल्ली में आयोजित पहली भारत-मध्य एशिया एनएसए स्तर के सम्मेलन की शुरूआत अजीत डोभाल ने संबंधित देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों, सुरक्षा परिषदों के सचिवों का स्वागत कर की। इस मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए डोभाल ने कहा कि अफगानिस्तान में आतंकवादी नेटवर्क का बना रहना चिंता का

विषय है। वित्त पोषण आतंकवाद की जीवनदायिनी है और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करना हम सभी के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल संस्थाओं को सहायता प्रदान करने से बचना चाहिए।

एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि अफगानिस्तान हम सबके लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। तत्काल प्राथमिकताओं और आगे के रास्ते के संबंध में भारत की चिंताएं और उद्देश्य हम में से कई लोगों के एक समान हैं। डोभाल ने कहा कि हम महान मंथन और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और भविष्य के बारे में अनिश्चितता के समय मिले हैं। शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध मध्य एशिया हमारे साझा हित में है। अजीत डोभाल ने आगे कहा कि मध्य एशियाई देशों के साथ कनेक्टिविटी भारत के लिए प्रमुख प्राथमिकता बनी हुई है। हम इस क्षेत्र में सहयोग, निवेश और कनेक्टिविटी बनाने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी का विस्तार करते समय यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि पहल परामर्शी, पारदर्शी और सहभागी हो। डोभाल ने कहा कि मध्य एशिया हमारा विस्तारित पड़ोस है। हम इस क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। जानकारी के मुताबिक अफगानिस्तान में सुरक्षा की स्थिति पर बढ़ती चिंताओं के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के इस बैठक से इतर अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है।

शिंदे व ठाकरे गुट की याचिकाओं पर 13 जनवरी को सुनवाई

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुटों द्वारा महाराष्ट्र राजनीतिक संकट को लेकर दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 13 जनवरी को सुनवाई करेगा। इसी दिन सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस मामले में कुछ दिशा-निर्देश जारी करने की संभावना है।

बता दें, 23 अगस्त को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कानून से संबंधित कई प्रश्न तैयार किए थे। उन्होंने इस मामले को पांच-न्यायाधीशों की पीठ को दल-बदल, विलय और अयोग्यता से संबंधित कई संवैधानिक प्रश्न उठाने वाले गुटों द्वारा दायर याचिकाओं को सुनने के लिए भेजा था। शीर्ष अदालत ने संविधान पीठ के समक्ष याचिकाओं को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया था और चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि वह शिंदे गुट की याचिका पर कोई आदेश पारित न करे कि उसे असली शिवसेना माना जाए और उसे पार्टी का चुनाव चिन्ह दिया जाए।

फर्जी सोशल मीडिया पोस्ट निष्पक्ष चुनाव के लिए बन रहे चुनौती : सीईसी

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को कहा कि फर्जी सोशल मीडिया पोस्ट स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों को प्रभावित कर रहे हैं और ये सभी चुनाव प्रबंधन निकायों के लिए एक आम चुनौती बनते जा रहे हैं। दरअसल, सीईसी राजीव कुमार ने यह बात आज दिल्ली में जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कही।

राजीव कुमार ने कहा कि लोकतंत्र, भारत की परंपराओं में गहराई से निहित है। उन्होंने कहा कि भारत में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी चुनाव कराने के लिए एक मजबूत चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित की गई है। इसके लिए एक करोड़ से अधिक मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है, उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग हर चरण में राजनीतिक दलों की भागीदारी सुनिश्चित करता है।

आम चुनौती बन रहा सोशल मीडिया नैरेटिव :

मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस दौरान कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों को संभावित रूप से प्रभावित करने वाले फर्जी सोशल मीडिया नैरेटिव का अधिकांश चुनाव प्रबंधन निकायों के लिए एक आम चुनौती के रूप में उभर रहे हैं।

जर्मन विदेश मंत्री ने की सराहना :

इस दौरान जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में विविध भौगोलिक, सांस्कृतिक और मतदाताओं की चुनौतियों के बावजूद चुनावी प्रबंधन के लिए चुनाव आयोग की सराहना की। इस दौरान चुनाव आयोग ने जर्मन प्रतिनिधिमंडल को मतदाताओं की भागीदारी और चुनावी प्रक्रिया की जानकारी दी।

टीएमसी प्रवक्ता गोखले गिरफ्तार

जयपुर 6 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले को सोमवार रात जयपुर एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। टीएमसी ने आरोप लगाया कि भाजपा बदले की राजनीति में इस स्तर तक उतर आई है। पार्टी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि साकेत गोखले को गुजरात पुलिस ने इसलिए गिरफ्तार किया क्योंकि उन्होंने मोरबी पुल हादसे पर ट्वीट किया था। तृणमूल ने गोखले के ट्वीट के बारे में जानकारी नहीं दी है।

टीएमसी के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट किया कि साकेत गोखले ने सोमवार रात नई दिल्ली से राजस्थान के जयपुर के लिए उड़ान भरी थी। जयपुर एयरपोर्ट पर उन्हें गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ब्रायन ने बताया कि मंगलवार सुबह 2 बजे, उन्होंने अपनी मां को फोन किया और बताया कि पुलिस उसे अहमदाबाद ले जा रही है और वह आज दोपहर तक अहमदाबाद पहुंच जाएंगे। पुलिस ने उसे दो मिनट का फोन करने दिया और फिर उनका फोन और सामान जब्त कर लिया। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद की साइबर सेल पुलिस ने गोखले के मोरबी पुल ढहने पर किए ट्वीट को लेकर फर्जी मामला बनाया है।

रफत वारसी बने एमपी हज कमेटी के अध्यक्ष

निर्विरोध चुने गए; बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष हैं वारसी

भोपाल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी का अध्यक्ष रफत वारसी को चुना गया। वे निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। वारसी बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष हैं। 3 घंटे चली प्रोसेस में कमेटी के अध्यक्ष का फैसला हुआ। कमेटी में शामिल किए गए 12 सदस्यों में भोपाल से विधायक आरिफ मसूद भी शामिल हुए। मसूद ने पहले ही साफ कर दिया था कि वे दावेदारी नहीं करेंगे। मसूद भोपाल मध्य विधानसभा से कांग्रेस विधायक हैं। उनके अलावा भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रतलाम, छतरपुर, भिंड, कटनी, श्योपुर, सिंगरौली और सीहोर से भी एक-एक सदस्य बनाए गए। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने उप संचालक डॉ. नीलेश देसाई को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया। मीटिंग और चुनावी प्रक्रिया हज हाउस ग्राम सिंगारचोली गुलमोहर गार्डन के पीछे एयरपोर्ट रोड स्थित हज हाउस में हुई।सरकार ने मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी में सदस्यों की नियुक्ति की है।

शिंदे सरकार के खिलाफ एमवीए करेगी प्रदर्शन

शिवाजी के अपमान के खिलाफ 17 दिसंबर को विरोध मार्च

मुंबई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विपक्षी एमवीए ने राज्य सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन का फैसला किया है. महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) ने छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करने और महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर एकनाथ शिंदे सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध मार्च की घोषणा की. 17 दिसंबर को मुंबई में विरोध मार्च निकाला जाएगा. एमवीए ने छत्रपति शिवाजी महाराज पर विवादित टिप्पणी को लेकर महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को हटाने की भी मांग की है. सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उद्धव ठाकरे ने कहा कि 17 दिसंबर को हम मौजूदा राज्य सरकार के खिलाफ मुंबई में जीजामाता उद्यान से आजाद मैदान तक 'मोर्चा' निकालेंगे और महाराष्ट्र के राज्यपाल को हटाने की मांग करेंगे.

महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा को लेकर खिंचाई

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि जो प्रदेश से प्यार करते हैं, उन्हें महाराष्ट्र का अपमान करने वालों के खिलाफ एकजुट होने की जरूरत है. उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा के मसले पर भी राज्य सरकार की खिंचाई की. सरकार पर हमला तेज करते हुए ठाकरे ने कहा, कर्नाटक हमारे क्षेत्रों, गांवों और यहां तक कि जाठ, सोलापुर के लिए भी पूछ रहा है. क्या वे हमारे पंडरपुर विठोबा से भी पूछेंगे? इससे एक सवाल उठता है- क्या महाराष्ट्र में कोई सरकार है?

अजीत पवार का शिंदे सरकार पर हमला

उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि गुजरात से पहले की तरह चुनाव, कुछ व्यापार वहां स्थानांतरित कर दिए गए. उन्होंने सवाल किया कि क्या कर्नाटक चुनाव से पहले हमारे गांव कर्नाटक को दे दिए जाएंगे? वहीं विपक्षी दल के नेता अजीत पवार ने कहा कि हमारे नेताओं और महाराष्ट्र के आइकन का अपमान करने की कोशिश हो रही है, इसलिए हम यह आंदोलन करने जा रहे हैं.

कांग्रेस ने क्या कहा?

कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट ने कहा कि उन्होंने शिवाजी महाराज, ज्योतिबा फुले का अपमान किया है और अपमान करते रहते हैं और यहां तक कि महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा मुद्दे और कर्नाटक के सीएम की ओर से दिए गए बयान पर महाराष्ट्र सरकार कोई जवाब नहीं दे रही है. इन मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है और इसलिए हमने बड़ा मोर्चा निकालने का फैसला किया है.

'पुराने आइकन' कहे जाने पर विवाद

19 नवंबर को औरंगाबाद में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी में एक समारोह के दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की ओर से छत्रपति शिवाजी महाराज को पुराने आइकन कहे जाने के बाद राज्य में विवाद छिड़ गया. इस बयान के बाद बड़े पैमाने पर हंगामा खड़ा कर दिया और मराठा संगठनों और विपक्षी नेताओं की ओर से काफी निंदा की गई. उधर, सीमा के मसले पर कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा था कि उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से सीमा विवाद के मुद्दे को कानूनी रूप से लड़ने की अपील की है क्योंकि यह अभी अदालत में है.

अस्पताल से बच्चा चोरी मामला

आरोपी महिलाओं ने पहले एक्टिवा सवार से ली लिफ्ट, फिर ऑटो कर पहुंची अपने ठिकाने पर

बठिंडा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बठिंडा में रविवार को सरकारी वुमन एंड चिल्ड्रन अस्पताल से चोरी हुए चार दिन के बच्चे के मामले में पुलिस जांच के दौरान नया खुलासा हुआ है। सूत्रों ने बताया कि दोनों महिलाओं ने बच्चा चोरी करने के बाद सिविल अस्पताल से ही एक एक्टिवा सवार व्यक्ति से लिफ्ट ली थी, जो उन्हें थाना कोतवाली के पास उतार कर चला गया था। इसके बाद दोनों महिलाएं बच्चे को लेकर ऑटो के जरिए अपने ठिकाने पर चली गई थी। सूत्रों ने बताया कि जांच कर रही पुलिस टीम ने पहले एक्टिवा सवार को ढूंढ कर उससे पूछताछ की, उसके बाद पुलिस ऑटो चालक को देर रात तक ढूंढ लिया। जिससे अब पुलिस पार्टी पूछताछ कर पता लगाएगी कि वह दोनों महिलाओं को कहां पर छोड़ कर आया है। सूत्रों ने बताया कि उक्त बच्चा चोरी करने वाली दोनों महिलाएं किसी बच्चा चोर गिरोह की सदस्य लगती हैं जो बच्चा चोरी करके आगे बेचती है। इस मामले में भी ऐसा हुआ लगता है कि उक्त दोनों महिलाओं ने बच्चे को आगे बेच दिया होगा। यूपी निवासी बबली पत्नी प्रमोद कुमार ने सरकारी वुमन एंड चिल्ड्रन अस्पताल में एक दिसंबर को बच्चे को जन्म दिया था। उसके बाद से वह वहीं अस्पताल में दाखिल थी। रविवार को दो महिलाएं बबली के पास गई और उसके बच्चे को अस्पताल में नीचे दिखाने का बहाना बनाकर साथ ले गई थी। जिसके बाद से बच्चा गायब हो गया था। अब तक चोरी हुए बच्चे और दोनों महिलाओं के बारे में पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा है।

दरिंदे 'मामा' को फांसी, बच्ची को अगवा कर किया था दुष्कर्म

दतिया, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के दतिया जिले में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला दिया है। नाबालिक बच्ची से दुष्कर्म करने वाले मामा को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। पोस्को विशेष कोर्ट की जज रमाजयंत मित्तल ने छत्रपाल रावत (29) को फांसी की सजा सुनाते हुए 18000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। दरअसल, बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना जिले की गोराघाट थाना इलाके के एक गांव की है। 8 मई को पीड़ित नाबालिक बच्ची अपने मौसा के यहां शादी में शामिल होने के लिए आई थी। इस शादी में पीड़िता का मुंह बोला मामा छत्रपाल रावत भी आया हुआ था। शादी की रात छत्रपाल 9 साल की बच्ची को अगवा कर पास के जंगल में ले गया, जहां उसने मासूम के साथ दुष्कर्म किया। बाद में पुलिस से बचने के लिए मासूम की हत्या भी कर दी। बच्ची के लापता होने की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की और आरोपी छत्रपाल को गिरफ्तार किया था।

'चैरिटी' का उद्देश्य धर्मांतरण नहीं होना चाहिए, लालच देना खतरनाक: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। धर्मार्थ कार्य (चैरिटी) का उद्देश्य धर्मांतरण नहीं होने पर बल देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर सोमवार को कहा कि जबरन धर्मांतरण एक 'गंभीर मुद्दा' है और यह संविधान के खिलाफ है. सुप्रीम कोर्ट ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर सुनवाई करने के दौरान ये बात कही है. याचिकाकर्ता ने 'डरा-धमकाकर, उपहार या पैसे के लाभ का लालच देकर' किए जाने वाले कपटपूर्ण धर्मांतरण को रोकने के लिए कठोर कदम उठाने का केंद्र सरकार को निर्देश देने का अनुरोध किया है. सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि वह ऐसे तरीकों से होने वाले धर्मांतरण पर राज्यों से सूचनाएं जुटाई जा रही है. केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ से इस मुद्दे पर विस्तृत सूचना दाखिल करने के लिए समय मांगा. उन्होंने एक सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूर कर लिया. सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि ' चैरिटी का उद्देश्य धर्मांतरण नहीं होना चाहिए. लालच खतरनाक है.' सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार किया कि जबरन धर्मांतरण बहुत ही गंभीर मामला है. जब एक वकील ने इस याचिका की योग्यता पर सवाल उठाया तो पीठ ने कहा कि 'इतना तकनीकी मत बनिए. हम यहां हल ढूंढ़ने के लिए बैठे हैं. हम चीजों को सही करने के लिए बैठे हैं. अगर किसी चैरिटी (धर्मार्थ कार्य या धर्मार्थ संगठन) का उद्देश्य नेक है तो वह स्वागत योग्य है लेकिन जिस बात की यहां जरूरत है, वह नीयत है.' पीठ ने कहा कि ' इसे विरोध के रूप में मत लीजिए. यह बहुत गंभीर मुद्दा है. आखिरकार यह हमारे संविधान के खिलाफ है. जो व्यक्ति भारत में रह रहा है, उसे भारत की संस्कृति के अनुसार चलना होगा.'

सुप्रीम कोर्ट इस मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर को करेगी. उसने हाल में कहा था कि जबरन धर्मांतरण राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है और नागरिकों की धार्मिक आजादी का हनन कर सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से इस 'गंभीर' मुद्दे से निपटने के लिए ईमानदार कोशिश करने को कहा था. सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी थी कि अगर धोखाधड़ी, लालच या डरा-धमकाकर किए जा रहे धर्मांतरण पर रोक नहीं लगी, तो 'बहुत कठिन स्थिति' पैदा हो जाएगी. इससे पहले गुजरात सरकार ने उच्चतम न्यायालय से राज्य के एक कानून के उस प्रावधान पर हाई कोर्ट के स्थगन को हटाने का अनुरोध किया था, जिसमें शादी के माध्यम से धर्मांतरण के लिए जिलाधिकारी की पूर्वानुमति लेने को जरूरी किया गया था.

लातवियाई पर्यटक की दुष्कर्म के बाद हत्या के दोषियों को उम्रकैद

तिरुवनंतपुरम, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में चार साल पहले हुई लातविया की महिला पर्यटक की दुष्कर्म के बाद हत्या के दो दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। 2018 में 33 साल की एक विदेशी पर्यटक के साथ यह जघन्य वारदात हुई थी। तिरुवनंतपुरम के अतिरिक्त प्रधान सत्र न्यायाधीश की कोर्ट ने आज आरोपी उमेश और उदयकुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। लातवियाई पर्यटक 14 मार्च, 2018 को केरल के वर्कला से लापता हो गई थी।

20 अप्रैल 2018 को तिरुवनंतपुरम जिले के तटीय कस्बे वर्कला में उसका शव मिला था। कोर्ट ने दो दिसंबर को दोनों आरोपियों को दोषी करार दिया था। सजा का एलान आज किया गया। पुलिस के मुताबिक विदेशी महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई थी। दोनों आरोपी उसे दुष्कर्म के इरादे से बहला फुसलाकर साथ ले गए थे। फिर कुछ दूर जाने के बाद धोखे से गांजा भरी बीड़ी पीने को दे दी। इसके बाद उसे एक सुनसान जगह पर ले गए जहां उसका शारीरिक शोषण किया। जब उसे होश आया तो अपने कपड़े उतारे देख वह आग बबूला हो गई। जैसे ही उसने वहां से जाने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

मृतका अपनी बहन के साथ आयुर्वेद इलाज के लिए लातविया से केरल पहुंची थी। वह 14 मार्च, 2018 को कोवलम बीच के पास से लापता हो गई थी। 20 अप्रैल 2018 में पनाथुरा के पास उसका सिर कटा हुआ शव बरामद किया गया था। पुलिस ने हत्या के सिलसिले में पनाथुरा निवासी उमेश (28) और उदयकुमार (24) को गिरफ्तार किया था।

दिल्ली रवाना होने से पहले बोलीं सीएम ममता

जी20 लोगो कोई मुद्दा नहीं, सरकार को दिया यह सुझाव

कोलकाता, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जी-20 के लोगो में कमल के इस्तेमाल को मुद्दा बनाए जाने से इनकार किया है। तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता का कहना है कि वह इस मुद्दे को उठाने से परहेज करेंगी क्योंकि अगर इस मुद्दे पर बाहर चर्चा होती है तो यह देश के लिए शुभ संकेत नहीं होगा। साथ ही सीएम ममता ने तर्क दिया कि केंद्र सरकार जी20 शिखर सम्मेलन के लोगो में कमल के अलावा किसी अन्य राष्ट्रीय प्रतीक को चुन सकती है, क्योंकि कमल का फूल एक राजनीतिक दल का भी चुनाव चिन्ह है। सोमवार को नई दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले कोलकाता हवाईअड्डे पर मीडिया से बात करते हुए टीएमसी प्रमुख ममता ने कहा कि जी20 का मामला हमारे देश से जुड़ा है, इसलिए इसे मुद्दा बनाना उचित नहीं है। अगर इस मुद्दे पर देश के बाहर चर्चा होती है तो यह देश की छवि के लिए ठीक नहीं है।

जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारी पर चर्चा को लेकर बैठक

बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारी प्रक्रिया पर चर्चा करने के लिए दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। दिल्ली की यात्रा के दौरान टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी बैठक में भाग लेंगी। सीएम ममता ने कहा कि वह बैठक में जी20 लोगो का मुद्दा नहीं उठाएंगी, लेकिन अन्य दल इस मुद्दे को उठा सकते हैं। टीएमसी प्रमुख सुप्रीमो ने कहा कि यह कोई मुद्दा नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि केंद्र सरकार को इस मामले पर विचार करना चाहिए। वहीं, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ने भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए जी20 लोगो में कमल का इस्तेमाल किया। हालांकि, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस के इस आरोप को खारिज कर दिया है. उनका कहना है कि कमल का फूल देश की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है।

पीएम मोदी के रोड शो पर सवाल

साथ ही टीएमसी प्रमुख ममता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग के दिन 'रोड शो' करने पर सवाल उठाया. ममता ने कहा कि मतदान के दिन रोड शो की इजाजत नहीं होती है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी पार्टी वीवीआईपी हैं, वे कुछ भी कर सकते हैं और उन्हें माफ कर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अपने काफिले के साथ अहमदाबाद में वोट डालने पहुंचे।

विपक्ष ने इसे रोड शो करार देते हुए चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बताया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक दिसंबर को गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए लंबा रोड शो किया था। इसे लेकर विपक्षी दलों ने सवाल उठाए थे, क्योंकि उसी दिन गुजरात में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान हो रहा था।

जाली नोट और काला धन जरासंध की तरह

उसके टुकड़े-टुकड़े कर देने चाहिए- सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र ने 2016 की नोटबंदी को चुनौती देने वाली याचिकाओं का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट से कहा कि 'जाली नोट आतंकवाद का वित्तपोषण और काला धन' तीन बुराइयां हैं. ये जरासंध की तरह है जिनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाने चाहिए. केंद्र की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने न्यायमूर्ति एस ए नज़ीर के नेतृत्व वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष कहा कि सरकार इन तीन बुराइयों को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है. वेंकटरमणी ने कहा, उन्होंने (याचिकाकर्ताओं) कहा है कि हमें नोटबंदी से पहले अध्ययन करना चाहिए था. एक दशक से अधिक समय से, केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक तीन समस्याओं (जाली नोट, आतंकवाद का वित्तपोषण, काला धन) को देख रहे हैं. वे जरासंध की तरह हैं. आपको इसके टुकड़े-टुकड़े करने हैं. यदि आप इसके टुकड़े नहीं करते हैं, तो यह हमेशा अस्तित्व में रहेगी. संविधान पीठ नोटबंदी को चुनौती देने वाली 58 याचिकाओं पर सुनवाई की. केंद्र ने हाल में एक हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि नोटबंदी की कवायद एक 'सुविचारित' निर्णय था और यह जाली मुद्रा, आतंकवाद के धन का प्रबंध करना, काला धन तथा कर चोरी के खतरे से निपटने के लिए एक बड़ी रणनीति का हिस्सा थी. दरअसल, 500 और 1,000 रुपये मूल्य के नोट को चलन से बाहर करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए, केंद्र ने शीर्ष अदालत को बताया था कि भारतीय रिजर्व बैंक के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद यह कदम उठाया गया था और नोटबंदी लागू करने से पहले अग्रिम तैयारी की गई थी.

चक्रवाती तूफान 'मैंडूस' इन राज्यों का बिगाड़ेगा मौसम

आईएमडी ने जारी किया अलर्ट, होगी भयंकर बारिश

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। 'मैंडूस' नाम ने भारत के कुछ हिस्सों के लिए चिंता बढ़ा दी है. इस सप्ताह एक चक्रवात के बंगाल की खाड़ी के ऊपर बनने और तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश के आस-पास के तटों तक पहुंचने की संभावना है. यह मानसून के बाद का दूसरा चक्रवात होगा और एक बार बन जाने के बाद इसे 'मैंडूस' के नाम से जाना जाएगा. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कहा कि दक्षिण अंडमान सागर और पड़ोस में कम दबाव

का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और शाम तक दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी पर एक दवाब बन सकता है. एचटी के अनुसार कम दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और 8 दिसंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के पास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी तक पहुंच सकता है. आईएमडी ने कहा कि इस कारण अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मंगलवार को हल्की या मध्यम बारिश होने की संभावना है. आईएमडी ने यह भी कहा कि 7 दिसंबर की मध्यरात्रि से उत्तरी तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी संभावना है.

वहीं 8 दिसंबर को उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी और अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और 9 दिसंबर को तमिलनाडु में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है. मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 55-65 किमी प्रति घंटे हो जाएगी, जो 7 दिसंबर को 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी. वहीं 8 दिसंबर को इसी क्षेत्र में 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी, हवा की रफ्तार यहां 8 दिसंबर को 90 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है. मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि 8 दिसंबर तक बंगाल की खाड़ी के पश्चिम मध्य के दक्षिण-पश्चिम और आस-पास के क्षेत्रों में समुद्र की स्थिति बहुत खराब रहने की संभावना है. 7 और 9 दिसंबर को दक्षिण आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और श्रीलंका के तटों पर समुद्र की स्थिति खराब रहने वाली है. वहीं 8 दिसंबर को इन तटों पर समुद्र की स्थिति बहुत खराब रहने की संभावना है.

सूने घर से 27 लाख से ज्यादा का सोना चोरी, 95 हजार नगदी भी ले गए चोर

बुरहानपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले के लालबाग थाना क्षेत्र के लोनी गांव में एक सूने मकान में चोरों ने धावा बोल दिया। चोर घर से 95 हजार रुपये की नकदी और करीब 50 तोले सोने के जेवरात चोरी कर फरार हो गए। घटना के समय मकान मालिक का परिवार पुणे गया था। पुलिस अब इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों से चोरों की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार रात को बुरहानपुर जिले के लोनी गांव में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाया। चोरों ने घर में लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। वे यहां से करीब 95 हजार रुपये की नगदी और 50 तोले सोना-चांदी के जेवरात चुराकर ले गए। पुणे गया परिवार जब वापस लौटा तो उन्हें घटना का पता चला, जिसके बाद उन्होंने लालबाग थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। मकान मालिक शैला चौधरी ने बताया हम तीन-चार दिन के लिए पुणे गए थे। वहां हमारा बेटा भी रहता है।

चिनाब दरिया में गिरी मिनी बस, सात लोग घायल

जम्मू, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला रियासी में मिनी बस हादसे का शिकार हो गई है। अरनस-रियासी मार्ग पर बाबा मोड़ के पास एक मिनी बस अनियंत्रित होकर चिनाब नदी में जा गिरी। इस हादसे में सात लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल दाखिल कराया गया है। दुर्घटना का पता चलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी सूचित किया गया। पुलिस और लोगों ने मिल कर मिनी बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को पीएचसी अरनस ले जाया गया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चार घायलों को आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल रियासी रेफर कर दिया गया है। हादसे में माशूक अहमद (28), सौरव (28), रौनक कुमार (15), हरदेव सिंह (19), खजूर सिंह(43), रुखसाना अख्तर (18), अनुज सिंह (18) के तौर पर हुई है। वहीं, पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

'क्रिसमस को देखते हुए संसद के शीतकालीन सत्र की तारीख तय की जानी चाहिए'- अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद अधीर रंजन चौधरी ने केंद्र सरकार को निशाने पर लिया है. उन्होंने कहा है कि आज देश में महंगाई बढ़ती जा रही है और देश का माहौल खराब हो रहा है. सरकार हर मोर्चे पर फेल नजर रही है, सुप्रीम कोर्ट के साथ भी सरकार का टकराव चल रहा है. अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आज चीन के साथ भी सीमा पर विवाद चल रहा है. इसके अलावा, कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने एक बार फिर किसानों और न्यूनतम समर्थन मूल्य का मुद्दा उठाया. शीतकालन सत्र की तारीख

को लेकर भी प्रतिक्रिया दी.

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार से मांग है कि क्रिसमस को देखते हुए संसद सत्र की तारीख तय की जानी चाहिए. उन्होंने वर्तमान सत्र की तारीखों में बदलाव के सवाल पर कहा कि जैसे हिंदू और मुसलमानों का त्यौहार होता है वैसे ही क्रिसमस का भी ध्यान रखना चाहिए. बता दें कि शीतकालीन सत्र सात दिसंबर से शुरू होगा और यह 29 दिसंबर को समाप्त होगा. इस सत्र में 17 बैठकें होंगी.

'कश्मीर पंडितों पर जुल्म हो रहा है'

अधीर रंजन चौधरी ने कश्मीर पंडितों के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया. कश्मीर में हिंदू पंडितों के ऊपर जुल्म हो रहा है और वो भागने की तैयारी में हैं. कांग्रेस सांसद ने कहा कि वहां स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है.

'सीएए अब तक लागू क्यों नहीं हुआ?'

एक हफ्ते पहले भी कांग्रेस सांसद ने केंद्र को निशाने पर लिया था. उन्होंने दावा किया था कि नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी सीएए हिंदुओं के लिए सही नहीं है. तीन साल पहले सीएए को पारित किया गया, लेकिन अगर इसे लागू किया गया तो यह खुद हिंदुओं के लिए सही नहीं होगा. इस दौरान उन्होंने सरकार से यह भी पूछा कि अभी तक इसे लागू क्यों नहीं गया? कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह सिर्फ राजनीति के लिए है.

'सपना देखना बंद कर देना चाहिए'

इसके बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी बयान सामने आया था. उन्होंने कहा था कि सीएए को पहले ही सरकार से मंजूरी मिल चुकी है और आलोचकों को अब यह सपना देखना बंद कर देना चाहिए कि कानून वापस लिया जाएगा या लागू नहीं किया जाएगा. नई दिल्ली में टाइम्स नाउ समिट को संबोधित करते हुए शाह ने याद दिलाया कि एनआरसी और सीएए को ठंडे बस्ते में नहीं डाला गया है.

सुविचार
अपनी गलतियाँ स्वीकार करना लगभग निर्दोष होना है।

लगातार विकास के पथ पर बढ़ रहा है तेलंगाना : केटीआर

मंत्री ने एलबी नगर में विकास कार्यों का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एमए एंड यूडी मंत्री के टी रामा राव ने कहा कि तेलंगाना मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में प्रगति और विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और यह गति आने वाले वर्षों में भी जारी रहेगी क्योंकि टीआरएस (अब बीआरएस) का अगले चुनावों में फिर से चुना जाना निश्चित है। मंगलवार को एलबी नगर निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों की एक श्रृंखला का उद्घाटन करते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी दृष्टिकोण के कारण कम समय में तेलंगाना का प्रभावशाली विकास संभव है। तेलंगाना का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडी) पिछले आठ वर्षों में दोगुना से अधिक हो गया है और राज्य के गठन के समय 5.06 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 11.55 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना ने देश को प्रशासन का एक एकीकृत समग्र मॉडल दिखाया है जहां कृषि, आईटी, पर्यावरण, स्वास्थ्य आदि सहित सभी क्षेत्रों को एक साथ व्यवस्थित रूप से विकसित किया जाता है। मंत्री ने यह भी कहा कि भविष्य में एलबी नगर से हयातनगर तक मेट्रो रेल का विस्तार किया जाएगा। एलबी नगर निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 54 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन मंत्री द्वारा किया गया, जिन्होंने बताया कि आज उद्घाटन किया गया पालतू पशु श्मशान देश में अपनी तरह का पहला है। कार्यक्रम में श्रम मंत्री सीएच मल्ला रेड्डी, एलबी नगर विधायक सुधीर रेड्डी, जीएचएमसी की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, एमएलसी नवीन कुमार, सुरभि वानीदेवी, बुगारपू योगनाथ, शांबीपुर राजू, नागरकुर्नूल सांसद रामुलु, इब्राहिमपटनम विधायक मनचिरेड्डी किशन रेड्डी, कंजर्वेटिव निगम के अध्यक्ष उप्पू नागेश्वर राव गुप्ता, टीएसआईडीसी अध्यक्ष अमरावती लक्ष्मीनारायण, नगरपालिका व शहरी विकास विभाग के विशेष प्रधान सचिव अरविंद कुमार, जीएचएमसी कमिश्नर लोकेश कुमार, जीएचएमसी ईएनसी जियाउद्दीन, जोनल कमिश्नर पंकजा, नागोल नगरसेवक अरुणा, पार्षद, पूर्व पार्षदों ने भाग लिया।

वैकल्पिक तारीखों के प्रस्ताव पर कविता को सीबीआई का जवाब

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस एमएलसी के कविता को सीबीआई से एक नया नोटिस मिला है, जिसमें उन्हें 11 दिसंबर को हैदराबाद में दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। सीबीआई ने मंगलवार को उनके ईमेल के जवाब में कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों की एक टीम 11 दिसंबर को सुबह 11 बजे टीआरएस एमएलसी के हैदराबाद स्थित घर का दौरा करेगी। ऐसा माना जाता है कि एजेंसी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी से पूछताछ की तारीख मंगलवार से बदलकर 11 से 15 दिसंबर के बीच किसी भी दिन करने का अनुरोध किया था।

बैरिकेड्स पर सोलर वार्निंग लाइट वितरित किए गए

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा, सर्वोपरि प्राथमिकता होने के नाते, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने मोटर वाहन टक्करों से होने वाली मौतों को कम करने के लिए कई हस्तक्षेप शुरू किए और रात के घंटों के दौरान "स्पीड कैलमिंग" पहल को अपनाया। सड़क दुर्घटना के आँकड़ों का मूल्यांकन करके घटना की अवधि पर एक गहन और मिनट का अध्ययन किया गया और देखा गया कि अधिकांश दुर्घटनाएँ यातायात के नॉन पीक घंटों में हो रही हैं, विशेष रूप से रात के घंटों में और देखा गया है कि अधिकांश टक्कर अधिक गति के कारण होती हैं। हैदराबाद यातायात पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं के स्थानों का विश्लेषण करने के बाद "दुर्घटना प्रवण" क्षेत्रों की पहचान की, और "गति शांत" उपायों द्वारा घटना को कम करने के उपाय करने का निर्णय लिया। पूरे हैदराबाद शहर में ट्रैफिक अधिकारियों ने उचित प्रकाश व्यवस्था के तहत ज़िग-ज़ैग तरीके से बैरिकेड्स की व्यवस्था की, जिसमें साइनेज "धीमी गति से चलें" सावधानी का संकेत देते हैं। इस पहल से वांछित परिणाम आए और रात 11 बजे से सुबह 6 बजे के बीच मृत्यु दर 121 से घटकर 97 हो गई। नगर पुलिस ऑयुक्त सी.वी. आनंद ने यह पहल की और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सोलर वार्निंग लाइट ब्लिंकिंग यूनिफॉर्म बैरिकेड्स लगाकर अधिक दृश्यता में सुधार के उपाय सुझाए। आज ए. आर., श्रीनिवास, अतिरिक्त सीपी, क्राइम एंड एसआईटी, हैदराबाद आई/सी ट्रैफिक, हैदराबाद सिटी ने बैरिकेड्स वितरित सोलर वार्निंग लाइट वितरित किए। टीटीआई गोशामहल में थाना प्रभारी और सभी यातायात अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए बैरिकेड्स का उचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

किशन रेड्डी ने बीआर अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज बीआर अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर यहां टैंकबंड पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बोलते हुए, किशन रेड्डी ने कुछ मुख्यमंत्रियों की टिप्पणियों पर निराशा व्यक्त की, जिसमें केंद्र सरकार से भारतीय संविधान को बदलने की मांग की गई थी। सीएम केसीआर की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कि भारतीय संविधान देश की वर्तमान जरूरतों के लिए उपयोगी नहीं होगा, उन्होंने कहा कि वह सीएम की टिप्पणियों की निंदा कर रहे हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय संविधान के अनुसार देश पर शासन कर रहे हैं और कहा कि केंद्र सरकार अंबेडकर से संबंधित सभी स्थानों को पंच तीर्थों के नाम पर विकसित कर रही है।

अंबेडकर के आदर्शों पर चलकर रही है भाजपा सरकार : संजय

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज टीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर पर निशाना साधते हुए उन पर कई संगीन आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि हैदराबाद और बेंगलुरु के ड्रग्स मामले को राज्य सरकार ने बंद कर दिया क्योंकि इसमें राज्य सरकार के एक मंत्री के दो मामलों में बेनकाब होने का डर था। उन्होंने जांच एजेंसियों द्वारा दोनों मामलों को फिर से खोलने की अपनी मांग दोहराई। निर्मल जिले के ममदा मंडल के दिम्मदुर्थी गांव में एक सभा को संबोधित करते हुए बंडी संजय ने बीआर अंबेडकर की 66वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की. उन्होंने मांग की कि सीएम केसीआर अगले साल अप्रैल में बीआर अंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम आयोजित करें। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष ने अंबेडकर की जयंती और पुण्यतिथि मनाने के लिए एक घंटे का भी समय नहीं दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार अंबेडकर के आदर्शों पर चलकर देश पर शासन कर रही है। उन्होंने कहा कि वे तेलंगाना में सत्ता में आने के बाद एक सप्ताह तक अंबेडकर जयंती समारोह आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि वह अंबेडकर के कारण सांसद बने। उन्होंने कहा कि एक दलित नेता रामनाथ कोविंद को भारत का राष्ट्रपति बनाने का श्रेय भाजपा को जाता है और कहा कि उनकी पार्टी ने संसद में अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की थी। उन्होंने कहा कि दुनिया को अंबेडकर का इतिहास बताने के लिए वे पंच तीर्थ विकसित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी को पार्टी के 12 एससी सांसदों को केंद्रीय मंत्री बनाकर भी श्रेय मिला है। उन्होंने कहा कि कई अनुसूचित जातियों को राज्यपाल और राज्यों का मुख्यमंत्री बनाकर उनकी पार्टी को श्रेय मिला है।

महाप्रबंधक ने कैरिज वर्कशॉप, लालागुडा का वार्षिक निरीक्षण किया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कैरिज वर्कशॉप, लालागुडा, सिकंदराबाद का वार्षिक निरीक्षण मंगलवार को किया। उनके साथ जे.के. जैन, प्रिंसिपल चीफ मैकेनिकल इंजीनियर, बीरेंद्र सिंकू, कैरिज वर्कशॉप मैनेजर लालागुडा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे। महाप्रबंधक ने कैरिज वर्कशॉप का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने पुनर्निर्मित कार्यशाला भवन में एक विरासत संग्रहालय का उद्घाटन किया। उन्होंने महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने सेंटर बफर कपलर सेक्शन, एलएचबी बोगी शॉप और व्हील शॉप का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने पावर कार शॉप में हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग एंड टैपिंग मशीन, फिएट बोगी मेंटेनेंस शॉप, प्रेशराइज्ड फ्लशिंग सिस्टम और ईएमयू (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) टेस्ट बेंच का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने रूफ माउंटेड पैकेज यूनिट (आरएमपीयू) ओवरहालिंग सेक्शन का निरीक्षण किया और हेडस्टॉक मॉड्यूल और विफलता मदों के प्रदर्शन की समीक्षा की। उन्होंने बोगी कंपोनेंट क्लीनिंग प्लांट का उद्घाटन किया और पेंट शॉप में कोचों का गहन निरीक्षण किया। बाद में, महाप्रबंधक ने न्यू एडमिनिस्ट्रेशन बिल्डिंग में वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने इमारत में बूम बैरियर और नई सीसीटीवी निगरानी का भी उद्घाटन किया। बाद में, महाप्रबंधक ने कैरिज वर्कशॉप, लालागुडा में अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। उन्होंने कार्यशाला द्वारा शुरू की गई विभिन्न नई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों के साथ आगे की विकास योजनाओं पर चर्चा की। महाप्रबंधक ने बैठक के दौरान छुट्टी प्रबंधन के लिए नए सॉफ्टवेयर और कार्मिक विभाग के लिए एक हैंडआउट बुक का भी उद्घाटन किया। उन्होंने काम की उत्कृष्ट गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम की सराहना की और कार्य कौशल को उन्नत करने के लिए नई तकनीक को अपनाने में अपनी प्रशंसा व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान कार्यशाला के ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर कर्मचारी कल्याण गतिविधियों पर चर्चा की।

राम सिंह पूरा में गीत चाँदनी का पूर्णिमा कवि सम्मेलन कल

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय संस्था गीत चाँदनी काव्य यात्रा के तत्वावधान में गीत चाँदनी का 41वें वर्ष का द्वितीय पूर्णिमा कवि सम्मेलन गुरुवार, 8 दिसंबर को दिन में 2 बजे से कवि गोविंद अक्षय के निवास स्थान राम सिंह पुरा, कारवान, हैदराबाद में संपन्न होगा। इस कवि सम्मेलन में नगरद्वय के गणमानय व्यक्ति मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि व विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए गीत चाँदनी के सह-कार्यदर्शी कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस कवि सम्मेलन नगरद्वय के कवि और कवयित्रियाँ अपने भक्तिमय गीत, ग़ज़ल और नयी कविताएँ प्रस्तुत कर समाँ बाँधेंगे।

एसीबी ने भूमि सर्वेक्षण विभाग के अधिकारी को रंगे हाथ पकड़ा

आसिफाबाद 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला केंद्र में रेब्बन्ना मंडल तुंगेडा गांव के रहने वाले किसान से 15 हजार रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में एसीबी ने भूमि सर्वेक्षण विभाग में कार्यरत गुणवंत राव और चैनमैन अधिकारी गणपति को रंगे हाथों पकड़ा। मंगलवार के दिन शाम के समय में रेबेना मंडल तुंगेड़ा गांव के उपनगर तुंगेड़ा गांव के भूमि सर्वेक्षण विभाग में कार्यरत मंडल सर्वेक्षण गुनावंथुराव के प्रभारी चैनमैन गणपति जब भूमि सर्वेक्षण विभाग के अधिकारियों ने पंचनामा की नकल के लिए गंडला शंकरैया नाम के किसान को 15000 रुपये देने की मांग की। तुंगेड़ा गांव के उपनगर में सर्वेक्षण संख्या 128/सी की भूमि का। जब किसान ने एसीबी के अधिकारियों से संपर्क किया, तो एसीबी के जाल में फंसने वाले मंडल सर्वेक्षण गुनावंथुराव के प्रभारी चेन मैन गणपति को हिरासत में लिया गया और एसीबी द्वारा पूछताछ कर रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Mohammad Muqtar S/o.Mohammad Vazir Uddin H.No.17-3A-387 1st Flr F.No.4, SRT Cly, Yakuthpura, Hyd Changed My Name As Mohd Muqtar Uddin S/o.Mohd Vazeer Uddin.

I, MOHAMMED SALEEM UDDIN, R/o, 20-4-501/3/A, HIMMATPURA, KHILWATH, Hyd, T.S, CHANGE NAME AS MOHAMMED SALEEM S/o.ABDUL KHADER.

I, HURRON BEGUM, R/o.10-3-66/51/1/3, Vijay Nagar Cly, Humayun Nagar, Hyd, T.S, Changed My Name As HURRON UNNISA BEGUM W/o.MOHAMED MOINUDDIN.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिसाद करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

माउस हिरण को सफल प्रजनन की कहानी के पीछे है कई राज

सीएसआईआर-सीसीएमबी में प्रजाति की पुनः वापसी पर हुआ काम

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। माउस हिरण (मूषक हिरण) तंत्र में बीज फैलाने वाले के रूप में एक प्रमुख भूमिका निभाता है और कई छोटे और बड़े मांसाहारी जीवों के लिए महत्वपूर्ण शिकार बनता है। हालाँकि यह आमतौर पर अधिकांश वन क्षेत्रों में पाया जाता है, और उनका जंगली मांस (बुशमीट) पाने के लिए लगातार उनका शिकार किया जाता है, जिसके कारण वे लुप्तप्राय हो चले हैं और इस वजह से इन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (1972) की अनुसूची में सूचीबद्ध किया गया है। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के समर्थन से नेहरू जूलॉजिकल पार्क द्वारा सीएसआईआर-सीसीएमबी में लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण के लिए प्रयोगशाला (लैकॉन्स) के सहयोग से वर्ष 2010 के दौरान माउस हिरण का संरक्षण प्रजनन और प्रजातियों की पुन: वापसी कार्यक्रम शुरू किया गया था। यह कार्यक्रम 06 जानवरों (02 नर और 04 मादा) के साथ शुरू हुआ, और इसका उद्देश्य संरक्षित क्षेत्र में उनकी संख्या बढ़ाने और उन्हें जंगल में फिर से लाना था। संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, सीसीएमबी-लैकॉन्स के डॉ जी उमापति के समूह ने संरक्षित क्षेत्र में माउस हिरण के प्रजनन व्यवहार का अध्ययन किया। उन्होंने नए पोस्ट-पार्टम एस्ट्रस (वह चरण जहाँ जानवर संभोग के लिए तैयार है) की उपस्थिति का पता लगाया। उन्होंने पाया कि मादा माउस हिरण प्रसव के 4-6 घंटे के भीतर एस्ट्रस दिखाती है और संभोग करती है। यह बड़े स्तनधारियों के बीच अब तक का सबसे छोटा पोस्ट-पार्टम एस्ट्रस देखा गया है। इस खोज ने गैर-इनवेसिव तरीकों का उपयोग करके माउस हिरण के प्रजनन शरीर क्रिया विज्ञान (फिज़ियोलॉजी) को समझने के लिए प्रगामी अध्ययन का एक और मार्ग खोला है। हार्मोन प्रोफाइल का विश्लेषण करते हुए, उन्होंने माउस हिरण में 16 सेक्स फेरोमोन की खोज की, जो पहले सूअरों के प्रजनन में एक प्रमुख भूमिका निभाते हुए पाए गए थे। वैज्ञानिकों ने इन फेरोमोनों की आणविक विशेषताओं, उनके संश्लेषण मार्ग और माउस हिरण प्रजनन में कार्यों की जाँच की। डॉ उमापति ने कहा कि हमने पाया कि डिलीवरी, पोस्ट-पार्टम एस्ट्रस और संभोग के दौरान मादा माउस हिरण में फेरोमोन का स्तर काफी बढ़ा हुआ होता है। हमने पोस्ट-पार्टम एस्ट्रस और मेटिंग से एक सप्ताह पहले फेरोमोन और एस्ट्रोजेन के बीच एक सकारात्मक पारस्परिक संबंध देखा। इन निष्कर्षों से पता चलता है कि ये फेरोमोन एकांत जीवन में रह रहे विपरीत लिंगों को संभोग के लिए एक साथ लाकर माउस हिरण के प्रजनन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारे निष्कर्षों ने पहले ही नेहरू जूलॉजिकल पार्क में माउस हिरण के प्रजनन में मदद की है, और साथ ही भारतीय चिड़ियाघरों और अन्य जगहों पर भी इससे मदद मिलेगी। सीसीएमबी के मुताबिक ये निष्कर्ष हाल ही में जर्नल सेल्स में प्रकाशित किए गए थे, और पेपर के लेखकों में विनोद कुमार, मनु शिवकुमार, कैरोलीन करुणाकरन, अनुपमा शेखर, ममता सजवान-खत्री, संदीप मुश्कम, वसीमुद्दीन, सेंथिलकुमारन बालासुब्रमण्यन और गोविंदस्वामी उमापति शामिल है।

श्री राम कॉलोनी स्थित राधाकृष्ण मंदिर में साप्ताहिक कीर्तन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गणपति चिंचोले का सम्मान करते हुए मंदिर के सदस्य भीम, गोरक महाराज, उमाकांत महाराज, लक्ष्मण कूलड़े, संतोष पाटिल, अशोक महाराज,अम्बादास पोठोले व अन्य।

बाबरी विध्वंस की बरसी, मथुरा में अलर्ट

हिंदूवादी संगठन के 7 कार्यकर्ता हिरासत में, हनुमान चालीसा पाठ करने जा रहे थे, आरएएफ तैनात

मथुरा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। 6 दिसंबर को बाबरी विध्वंस की बरसी पर मथुरा में अलर्ट जारी किया गया है। अखिल भारत हिंदू महासभा ने ऐलान किया कि वे मंगलवार को शाही ईदगाह मस्जिद के भीतर हनुमान चालीसा पढ़ेंगे। महासभा ने कहा कि चालीसा श्री कृष्ण जन्मभूमि के मूल गर्भ गृह में पढ़ा जाएगा। सभा ने मथुरा चलो का नारा दिया, जिसके बाद जिले में अलर्ट है।

हिंदूवादी संगठन के 7 कार्यकर्ता हिरासत में

शाही मस्जिद में हनुमान चालीस का पाठ करने जा रहे हिंदूवादी संगठन के 7 कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इनमें चार श्री कृष्ण जन्मस्थान परिसर के गेट पर पहुंचे थे तभी पुलिस ने पकड़ लिया। पोतरा कुंड के पास से दिल्ली से आए तीन को पकड़ा गया है। सभी से पूछताछ की जा रही है।

पकड़े गए कार्यकर्ता दिल्ली, पश्चिम बंगाल के रहने वाले

बताए जा रहे हैं। दिल्ली से आए देवदत्त ने बताया कि वह अखिल भारत हिंदू महासभा की अध्यक्ष राज श्री चौधरी के कहने पर श्री कृष्ण जन्मस्थान आए थे। ईदगाह मस्जिद की सुरक्षा को देखते हुए आरएएफ तैनात की गई है।

वहीं पुलिस ने मस्जिद के रास्ते पर बैरिकेड्स लगा दिए हैं। गाड़ियों की चेकिंग की जा रही है। ईदगाह मस्जिद के पास रेल लाइन बंद कर दी गई है। सुबह शाही ईदगाह पर लड्डू गोपाल का जलाभिषेक करने आ रहे हिंदू महासभा के कार्यकर्ता सौरभ शर्मा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

हिंदू महासभा पदाधिकारी ने दी आत्मदाह की धमकी

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने एक वीडियो जारी किया है। जिसमें कहा है कि अगर उनको हनुमान चालीसा पढ़ने से रोका गया तो वह आत्मदाह कर लेंगे। सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री चौधरी मथुरा पहुंच गई हैं। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रपौत्री और महासभा की अध्यक्ष राजश्री चौधरी 16 नवंबर को वाराणसी गई थीं। उन्होंने 6 दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मस्थली मथुरा चलो का नारा दिया था। शाही ईदगाह को असली भगवान श्री कृष्ण का जन्म स्थल बताते हुए हनुमान चालीसा का पाठ करने और लड्डू गोपाल का जलाभिषेक का ऐलान भी किया है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी हिंदू वादी नेताओं के मथुरा पहुंचने की अपील की थी।

मथुरा में सोमवार शाम को सीओ सिटी और रात में एसएसपी शैलेश पांडे ने फोर्स के साथ फ्लैग मार्च किया। पुलिस कर्मियों से कहा गया है कि हर आने जाने वाले व्यक्ति पर नजर रखें। कोई भी व्यक्ति अगर संदिग्ध लगता है तो उससे पूछताछ करें। श्री कृष्ण जन्मस्थान और शाही ईदगाह के आसपास के क्षेत्र को 2 सुपर जोन, 4 जोन और 8 सेक्टर में बांटा गया है।

आगरा जोन के करीब 1260 पुलिसकर्मियों को यहां पर तैनात किया गया है। फिरोजाबाद, मैनपुरी, अलीगढ़ और आगरा से फोर्स बुलाई गई है। 2 कंपनी पीएसी और खुफिया एजेंसियों की तैनाती की गई है। संवेदनशील एरिया में ड्रोन कैमरे से नजर रखी जा रही है।

एसएसपी शैलेश पांडे ने बताया कि बिना अनुमति के कोई कार्यक्रम नहीं होने दिया जाएगा। इंटेलिजेंस लगातार नजर बनाए हुए है। अयोध्या में 30 साल पहले आज ही के दिन बाबरी मस्जिद का ढांचा गिराया गया था। इसके बाद हिंसक घटनाएं हुईं। बाद में विवादित मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

राम मंदिर निर्माण की ड्रोन से ली गई तस्वीर जारी

गर्भगृह व फाउंडेशन तैयार अब खड़े किए जा रहे खंभे

अयोध्या, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अयोध्या में बन रहे भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर तीव्र गति से आकार ले रहा है। मंदिर का प्रथम तल दिसंबर 2023 तक बनकर तैयार हो जाएगा और जनवरी 2024 में रामलला अपने स्थान पर विराजमान हो जाएंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने 3 दिसंबर को ड्रोन कैमरे से ली गई एक तस्वीर शेयर कर श्रद्धालुओं को मंदिर निर्माण की प्रगति से अवगत कराया।

तस्वीर में दिख रहा है कि राम मंदिर का गर्भगृह व फाउंडेशन बन कर तैयार हो चुका है और अब उस पर तराशे गए खंभे खड़े किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि जनवरी 2024 से श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकेंगे। इसी टाइमलाइन को ध्यान में रखकर निर्माण कार्य किया जा रहा है। कुछ तस्वीरें 25 नवंबर को जारी की गई थीं। जिसमें दिखाया जा रहा है कि मंदिर निर्माण के लिए तराशे गए खंभों

को लगाया जा रहा है। इन तस्वीरों को चंपत राय ने 25 नवंबर को अपने ट्विटर अकाउंट से शेयर किया था। मंदिर निर्माण के लिए खंभों को तराशने का काम 1992 से ही किया जा रहा है। अब उनका इस्तेमाल हो जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सोशल मीडिया अकाउंट से समय-समय पर मंदिर निर्माण की तस्वीरें जारी की जाती रही हैं।

बेटे की हत्या करनेवाली मां अरेस्ट

घर के आंगन में ही शव दफनाया, वजह स्पष्ट नहीं, पुलिस कर रही जांच

औरंगाबाद, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। एक महिला ने खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है जिसमें उस पर अपने ही पुत्र की हत्या का आरोप लगाया गया है। इसके बाद उस कलयुगी मां को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना अंतर्गत शिवगंज की है। 3 दिसंबर को माया बिगहा स्थित अर्ध निर्मित मकान की एक गड्ढे से सड़े गले अवस्था में एक युवक का शव बरामद किया गया है। युवक की पहचान शिवगंज गांव निवासी स्व. विनय सिंह के पुत्र मारूति नंदन कुमार के रूप में की गई है।

इस घटना को लेकर सदर एसडीपीओ स्वीटी सहरावत ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि मृतक के चाचा उदय सिंह ने प्राथमिकी दर्ज करवाया था तथा घटना में मृतक की मां को आरोपित बनाया था। इसके बाद मामले की छानबीन को लेकर पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी स्वीटी सहरावत के नेतृत्व में मदनपुर थानाध्यक्ष शशि राणा एवं शस्त्र बलों द्वारा कार्रवाई की गई जिसमें उस अर्ध निर्मित मकान से सड़े-गले अवस्था में उस युवक का शव बरामद किया गया है।

मामले की खुलासा करते हुए सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी स्वीटी सहरावत ने बताया कि उदय सिंह के द्वारा मदनपुर थाना में अपने भतीजे मारुति नंदन की गुमसुदगी का रिपोर्ट दर्ज करवाया था जिसमें उन्होंने बताया कि उनका भतीजा पिछले कुछ दिनों से लापता हैं। इसी सिलसिले में छानबीन के दौरान ग्रामीणों व चाचा की सूचना पर एक माया बिगहा स्थित अर्ध निर्मित मकान से एक गड्ढे से युवक का सड़े गले अवस्था में शव बरामद किया गया था। इसके बाद मामले की छानबीन में युवक मां की मां को गिरफ्तार कर लिया गया है। तथा उसका एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

इंडो-नेपाल बॉर्डर पर जमकर विरोध

ट्रेड्स संचालकों ने कस्टम विभाग के खिलाफ की नारेबाजी, 5-10 हजार रुपए लेने का आरोप

सीतामढ़ी, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सीतामढ़ी जिले के भारत-नेपाल सीमा पर स्थित इंटरनेशनल बॉर्डर भिठ्ठामोर पर दर्जनों ट्रेडर्स के संचालक के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। संचालकों ने जमकर कस्टम विभाग के पदाधिकारी और कर्मियों के विरुद्ध में विरोध प्रदर्शन किया। वही नारेबाजी भी की। सभी ट्रेडर्स संचालकों का आरोप है कि अवैध तरीके से पैसा मांगा जा रहा है। पैसा नहीं देने पर सैंपल के नाम पर परेशान किया जाता है, और टरचर भी की जा रही है। इस संबंध में अलग-अलग ट्रेडर्स के संचालक ने कस्टम विभाग के विरुद्ध सैंपल चेकिंग के दौरान अवैध पैसे लेने के आरोप लगाते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया है। और उच्च स्तरीय जांच व कार्रवाई करने की मांग की। सभी का आरोप है कि आयात निर्यात को बाधित किया जाता है। कस्टम विभाग के भिठ्ठामोर सुप्रिडेंट कपिल देव प्रसाद व शोभा कांत झा पर आरोप लगाते हुए कहा कि इस दोनो अधिकारियों के द्वारा प्रत्येक गाड़ी पर 5हजार से 10हजार मांगा जाता है।

बिहार पुलिस में निकली 62 हजार पदों पर बंपर बहाली

पटना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार पुलिस में 62 हजार पदों को भरने की तैयारी चल रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस विभाग में ये भर्ती कई चरणों में की जाएगी। पहले चरण में 6500 रिक्त पदों सिपाही की बहाली की जाएगी। इस प्रक्रिया एक से दो महीने में शुरू होने की संभावना है। ऐसे ही, बाकि के 55 हजार सीटों को चरणवार तरीके से भरा जाएगा। इसके लिए पदों के सृजन का प्रस्ताव राज्य कैबिनेट को भेजा जाएगा। कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव के पास होने के बाद भर्ती की प्रक्रिया को तुरंत शुरू कर दिया जाएगा। बता दें कि बिहार पुलिस में बड़ी संख्या में कर्मचारियों और अधिकारियों के पद रिक्त हैं। इसमें दारोगा, एएसआई, हवलदार, सिपाही और चालक सिपाही के करीब 74 हजार पदों का सृजन किया जाना है। वहीं बताया जा रहा है कि 56 हजार के आसपास ऐसे पद हैं जिन्हें सीधे बहाली से भरा जाएगा। दारोगा के लिए सृजित होने वाले आधे पदों को एएसआई और हवलदार के प्रोन्नति से भरा जाएगा।

दूसरे दिन भी जीएसटी टीम की छापेमारी जारी

बैटरी के शोरूम में पड़ा छापा, मचा हड़कंप

आजमगढ़, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। स्टेट जीएसटी की टीम द्वारा मंगलवार को छापामारी की कार्रवाई की गई। सोमवार को शहर के गुलामी का पुरा स्थित एक फर्नीचर की दुकान पर छापा मारा गया था वहीं मंगलवार को टीम ने पहाड़पुर स्थित एक्साइड बैटरी के शोरूम के अभिलेख को खंगाला। जीएसटी छापेमारी की जानकारी होते ही लोगों की भीड़ भी दुकान के बाहर जुट गई थी।

सोमवार को शहर के गुलामी का पुरा मुहल्ले में नेहा फर्नीचर पर स्टेट जीएसटी की टीम द्वारा डिप्टी कमिश्नर राजनाथ तिवारी के नेतृत्व में छापा मारा गया था। वहीं मंगलवार को टीम ने पहाड़पुर स्थित एक्साइड बैटरी के शोरूम अमर मोटर्स पर छापामारी की। इस फर्म द्वारा रिकार्ड में हेराफेरी किए जाने व जीएसटी की चोरी की शिकायत स्टेट जीएसटी को मिली थी। इस शिकायत व उच्चाधिकारियों के निर्देश पर डिप्टी कमिश्नर जीएसटी राजनाथ तिवारी के नेतृत्व में टीम मंगलवार को लगभग 11 बजे अमर मोटर्स शोरूम पर पहुंच गई। टीम के पहुंचते ही फर्म पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। टीम एक-एक कर फर्म के रिकार्ड खंगालना शुरू कर दिया। डिप्टी कमिश्नर राजनाथ तिवारी ने बताया कि गोपनीय सूचना व उच्चाधिकारियों के निर्देश पर टीम ने फर्म पर छापेमारी किया है। फिलहाल रिकार्डो की जांच पड़ताल की जा रही है। यदि फर्म के रिकार्ड में कहीं भी किसी तरह की गड़बड़ी पायी गई तो निश्चित तौर पर जीएसटी एक्ट के तहत फर्म व फर्म संचालक पर कार्रवाई की जाएगी। लगभग दो घंटे तक कार्रवाई के दौरान शोरूम के बाहर भारी मात्रा में फोर्स तैनात रही। इस दौरान मौके पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ भी जमा थी।

आशीष मिश्रा समेत 13 आरोपियों पर आरोप तय

चलेगा किसानों की हत्या का केस

लखीमपुर खीरी, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के तिकुनिया इलाके में हुई हिंसा के मामले में मुख्य आरोपी और केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' के बेटे आशीष मिश्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आशीष मिश्रा समेत 13 आरोपियों पर किसानों की हत्या का केस चलेगा। मामले में 16 दिसंबर से मामले का ट्रायल शुरू होगा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के विरोध में किसानों के प्रदर्शन के दौरान अक्टूबर, 2021 को हुई इस हिंसा में आठ लोगों की मौत हुई थी। पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, घटना में चार किसानों की एक एसयूवी से कुचल कर मौत हो गई थी, जिसमें आशीष मिश्रा बैठे हुए थे। दुर्घटना के बाद गुस्से से भरे किसानों ने वाहन चालक और भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की कथित रूप से पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों और विपक्षी दलों के प्रदर्शनों के बाद हुई हिंसा में एक पत्रकार की भी मौत हुई थी। हिंसा में मारे गए प्रदर्शनकारी केंद्र के उन तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, जिन्हें बाद में सरकार ने वापस ले लिया था।

मायावती ने भीमराव अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

कहा- बेहतरीन संविधान देकर देश-दुनिया में भारत का नाम किया रौशन

लखनऊ, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ में आज भीमराव अंबेडकर को उनकी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने पार्टी के संस्थापक कांशीराम को भी श्रद्धांजलि दी।

मंगलवार की सुबह मायावती ने ट्वीट करते हुए लिखा कि देश को पूर्ण जनहितैषी, कल्याणकारी व समतामूलक संविधान देकर धन्य करने वाले परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को उनके परिनिर्वाण दिवस पर शत-शत नमन। उन्होंने हर मामले में बेहतरीन संविधान देकर भारत का नाम देश-दुनिया में जो रौशन किया है वह अनमोल। देश उनका सदा आभारी।

उन्होंने लिखा कि देश की सरकारें काश उस संविधान के पवित्र उसूलों के तहत कार्य करती तो यहां करोड़ों गरीब और मेहनतकशों को काफी मुसीबतों से कुछ मुक्ति मिल गई होती।

संविधान के आदर्श को ज़मीनी हकीकत में बदलकर लोगों के अच्छे दिन लाने की ज़िम्मेदारी में विमुखता व विफलता दुखद, चिन्तनीय।

मायावती ने लिखा कि बाबा साहेब डा. अम्बेडकर का नाम आते ही संवैधानिक हक के तहत लोगों के हित, कल्याण, उनके जान-माल-मज़हब की सुरक्षा तथा आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के साथ जीने की गारंटी की याद आती है। अतः रोज़ी-रोटी, न्याय, सुख-शान्ति व समृद्धि से वंचित लोगों की सही चिन्ता ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि।

नगर निगम का घेराव

नाइट बाजार की दुकानों के आवंटन में धांधली का आरोप, खूब हुआ हंगामा

वाराणसी, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति ने आज वाराणसी में प्रदर्शन किया। समिति ने विभिन्न मांगों को लेकर नगर निगम कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान जमकर नारेबाजी की। नेतृत्व कर रहे समिति के सचिव अभिषेक निगम ने कहा कि नाईट बाजार के लिए दुकान आवंटन में गड़बड़ी की जा रही है। जिसके विरोध में धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से फेरी पटरी ठेला वालों को निष्पक्षता के साथ दुकान आवंटन की बात कही। मांगों से जुड़ा ज्ञापन नगर आयुक्त कार्यालय को सौंपा।

बता दें कि नवंबर में भी वाराणसी के चौकाघाट फ्लाईओवर के नीचे खुलने वाले नाइट बाजार की दुकानों के आवंटन में धांधली का आरोप लगाया गया था। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति की ओर से स्मार्ट सिटी कार्यालय का घेराव किया गया था। नारेबाजी और हंगामा बढ़ता देख कार्यालय बंद कर स्मार्ट सिटी के अधिकारी निकल गए थे। इसके बाद विरोध प्रदर्शन समाप्त हुआ था।

लगातार दूसरी डकैती से हड़कंप

आभूषण दुकान में दिनदहाड़े लूटपाट के बाद बदमाश फरार

पटना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर जिले में फिर एकबार लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। हथियारों से लैश अपराधियों ने दिनदहाड़े एक आभूषण के दुकान में लूटपाट की घटना को अंजाम दिया। अपराधियों ने मंगलवार को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मोहनपुर में हीरा ज्वेलर्स को निशाना बनाया और नकदी व ज्वेलरी लूटकर फरार हो गये। समस्तीपुर में अपराधी बेखौफ होने का परिचय दे रहे हैं। पहले अहले सुबह एक सिनेमाहॉल संचालिका के घर में घुसकर भीषण डकैती को अंजाम दिया गया और अब आभूषण दुकान में घुसकर दिनदहाड़े लूटपाट करके फरार हुए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना मंगलवार की है जब करीब आधा दर्जन बदमाश एकसाथ दुकान में प्रवेश कर गये और कर्मियों को बंधक बना लिया।

ससुर ने बहू के लिए रिश्ता तलाशा

शादी का पूरा जिम्मा उठाया, फिर बेटी बनाकर किया विदा

सहारनपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में बड़गांव क्षेत्र में एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां विधवा पुत्रवधू का पुनर्विवाह कर बहु को नई जिंदगी देने वाले क्षेत्र के गांव सांवत खेड़ी निवासी सॉस उषा व ससुर पूर्व प्रधान जंगपाल सिंह विधवा बहु को बेटी मानकर उसका कन्यादान करके खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। पूर्व प्रधान ने बेटे की मौत के बाद भी विधवा हुई बहु का धूमधाम से पुनर्विवाह किया बल्कि लग्जरी गाड़ी सहित दान-दहेज देकर खुद कन्यादान करके मिसाल कायम की है। पूर्व प्रधान के कार्य की समाज में सराहना हो रही है।

सांवत खेड़ी के पूर्व प्रधान जंगपाल सिंह के पुत्र शुभम (23) की शादी के पिछले नवंबर माह में मेरठ के सलावा निवासी मोना के साथ हुआ था। शादी के तीन माह

बाद ही 15 जनवरी को शुभम की एक दुखद दुर्घटना में मौत हो गई थी। शुभम की मौत के बाद में परिजनों में कोहराम मच गया था। बेटे की मौत के बाद भी पूर्व प्रधान ने नवविवाहिता बहु के विधवा होने पर उसके भविष्य को लेकर चिंता सताने लगी।

बहु को बेटी मानकर पूर्व प्रधान ने पहले तो अपने भाई के बेटे से बहु के पुनर्विवाह करने का फैसला लिया लेकिन भाई के मना करने के बाद में पूर्व प्रधान ने अपने ही हरियाणा के गोलनी निवासी भांजे सागर के साथ उसका रिश्ता तय कर दिया।

रविवार को कस्बे के एक रायल बैंकट हाल में पूर्व प्रधान ने बड़े ही धूमधाम से भव्य समारोह आयोजित कर पुत्रवधू का भांजे से पुनर्विवाह विवाह कराया। बल्कि पूत्रवधू को बेटी मान चुके प्रधान व उनकी पत्नी उषा ने उसका कन्यादान कर समाज में एक अनौखी मिसाल पेश की है।

प्रधान जंगपाल सिंह ने बताया कि उन्होंने बहु को हमेशा से बेटी माना था। उसके भविष्य को देखते हुए अपने ही भांजे के साथ पुनर्विवाह किया है। भांजा सागर पढ़ा लिखा व संपन्न परिवार से हैं। पूर्व प्रधान ने पुत्रवधू के पुनर्विवाह में लग्जरी गाड़ी ब्रेजा कार व 1.51लाख नगद सहित काफी दान दहेज भी दिया। पूर्व प्रधान के कार्य की चारों तरफ सराहना हो रही है।

ललन को ही बनना था जदयू अध्यक्ष

लव-कुश साध चुकी पार्टी की नजर अब भाजपा के 'भू' बैंक पर

पटना, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। लालू प्रसाद यादव ने पिछली शताब्दी में एक नारा दिया था- भूरा बाल...! देश की राजनीति से रत्ती भर इत्तफाक रखने वालों को भी यह नारा पूरा याद होगा। यह नारा देने वाले भी समय के साथ इसपर ठिठके, लेकिन इसके शुरुआती चार संक्षेपाक्षर- 'भू' 'रा' 'बा' 'ल' बिहार की राजनीति में कील ठोक कर बैठ गए। हां, 20 साल में अंतर जरूर आया है। अंतर यह कि 'साफ करो' की जगह 'माफ करो' चल रहा है अब। गहन विश्लेषण करें तो कारण है केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का बढ़ा ग्राफ। बिहार में उस ग्राफ को गिराने के लिए 'बा' (ब्राह्मण) और 'ल' (लाला-कायस्थ) में संभावना नहीं देख अब

राज्य की पूरी जातीय राजनीति 'भू' (भूमिहार) और 'रा' (राजपूत) के आसपास ठहरी दिख रही है। राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह का जनता दल यूनाईटेड (जदयू) का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्विरोध चुना जाना कहीं न कहीं उसी का फलाफल कह सकते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रस्तावक बनने के बाद ललन सिंह के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा सोमवार को भले की गई, 26 नवंबर को ही साफ कर दिया था कि जदयू में कुछ बदलाव नहीं होना है। ललन ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के पहले और अंतिम विकल्प हैं।

भाजपा की 'भू-शक्ति' है जदयू का लक्ष्य, इसलिए ललन

भूमिहार जाति की बिहार की राजनीति में बड़ी दखल है। वोटों के हिसाब से जितनी है, उससे अधिक नेतृत्व के हिसाब से भी है। यह जाति जागरूक भी बहुत है।

राष्ट्रवादी भी कम नहीं। जागरूक इसलिए क्योंकि चारों अगड़ी जातियों- भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और कायस्थ में भूमिहार ही एक है, जिसे सम्मानजनक प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर ठीक से बगावत करने आता है। इस जाति पर भाजपा का वर्चस्व माना जाता है और जब-जब पार्टी के कुछ नेताओं ने बिहार में भूमिहार विरोधी स्टैंड लिया तो खामियाजा तत्काल दिखा है। राष्ट्रवादी कहने के पीछे भी तर्क है, क्योंकि भाजपा अभी इस शब्द पर खूब चल रही है। यह जाति खास तौर पर राष्ट्रवादी इतनी है कि बेगूसराय में पूरे देश के मोदी विरोधी धुरंधर जुट गए, तब भी गिरिराज सिंह के सामने जेएनयू के हीरो कन्हैया कुमार नहीं चले।

भूमिहार वोटरों ने ज्यादातर बार दिखाया है कि वह मन-कर्म-वचन से भाजपा के साथ हैं, लेकिन कई बार उसने खुद को किनारे लगाए जाने पर भाजपा को भी बगावत का प्रमाण सौंपा है। वह भी खुलकर। ऐसे में भाजपा के इस एकमुश्त वोट पर जदयू की नजर अस्वाभाविक नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी ने चर्चा में दिया जवाब, बताया क्यों लाना पड़ा अनुपूरक बजट

लखनऊ, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेताओं के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज निवेश का सर्वश्रेष्ठ गंतव्य बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप प्रदेश को विकसित करने के लिए बजट की जरूरत थी। पीएम मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर की बनाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य में यूपी अपना बड़ा योगदान दे सकता है। प्रदेश आज तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वेब सीरीज के नाम पर अश्लील फिल्म की शूटिंग, एक्टर गिरफ्तार

मुंबई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में एक बार फिर अश्लील शूटिंग का मामला सामने आया है. इस मामले में मुंबई के चारकोप पुलिस ने एक एक्टर को गिरफ़्तार किया है. एक्टर पर आरोप है कि वो मॉडल्स को वेब सीरीज़ में काम दिलाने के बहाने बुलाता है और फिर उनका अश्लील वीडियो बनाता है. इस मामले में पुलिस 3 और आरोपियों की तलाश में है. पुलिस ने बताया है कि गिरफ़्तार एक्टर का नाम अनिरुद्ध प्रसाद जंगडे है. मुंबई पुलिस सूत्रों ने बताया कि चारकोप इलाक़े में यह काम एक बिल्डिंग के फ्लैट में चला रहा था, जहां आरोपी अश्लील फिल्म बना रहे थे. 29 वर्षीय मॉडल ने ये मामला दर्ज कराया है, जिसमें उसने आरोप लगाया है कि वो जॉब के लिए बहुत परेशान थी और हर तरफ लोगों से संपर्क कर एक अच्छे मौक़े की तलाश में थी.

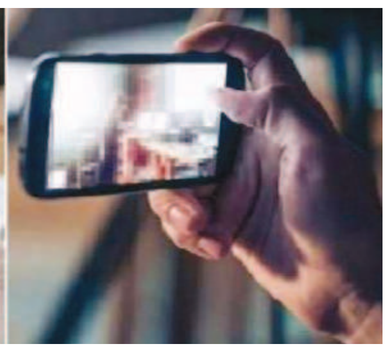

वेब सीरीज के नाम पर धोखा

इसी दौरान शिकायतकर्ता (मॉडल) एक शख़्स से मिली, जिसने दावा किया कि वो वेब सीरीज़ बनाने वाली एक प्रोडक्शन कंपनी का हिस्सा है और वो उसे अच्छा मौका दिलवा सकता है. शिकायतकर्ता को एक उम्मीद नज़र आई और महिला ने उस शख़्स से प्रोडक्शन कंपनी की जानकारी ली और पूछा कि वे लोग उसे क्या काम दे सकते हैं.

अश्लील वीडियो शूट के लिए बनाया दबाव

जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने महिला से कहा कि वे लोग एक वेब सीरिज़ बना रहे हैं जो कि ख़ास तौर से विदेशी ग्राहकों के लिए है और उस महिला को इस वेब सीरीज में बोल्ड सीन करना पड़ेगा. महिला ने यह भी आरोप लगाया कि जब वह शूट के लिए गई तो उसे एक फ़्लैट में ले जाया गया और उससे धोखे से अश्लील शूट करने को कहा गया.

चार लोगों पर दर्ज है केस

महिला के साथ हुई इस हरकत के बाद इस बात की शिकायत पुलिस से की. मुंबई पुलिस के जोन 11 के डीसीपी अजय कुमार बंसल ने बताया कि यह घटना 5-6 महीने पुरानी है और महिला ने पहली बार शिकायत भांडुप पुलिस स्टेशन में की थी, जहां चार लोगों के ख़िलाफ़ आईपीसी की धारा 354 और आईटी सेक्शन की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर यास्मीन, अनिरुद्ध प्रसाद जंगडे, अमित पासवान और आदित्य के खिलाफ दर्ज हुई थी.

कॉन्ट्रैक्ट भी कराया गया था साइन

डीसीपी बंसल में बताया कि इस मामले में एफआईआर के बाद चारकोप पुलिस स्टेशन में केस ट्रांसफ़र हुआ और फिर महिला के बयान के आधार पर आईपीसी की धारा 376 भी जोड़ा गया. महिला ने बताया कि उससे एक कांट्रेक्ट भी साइन कराया गया था. उसके मुताबिक़ उसे राहुल ठाकुर नामक एक शख़्स ने फिल्म में काम करने के लिए संपर्क किया था और केशव नामक शख़्स से संपर्क करने को कहा था. केशव ने मॉडल से उसका बायो डाटा, फोटो मांगे और राहुल पांडेय नामक शख़्स से संपर्क करने के लिए कहा.

कैसे तैयार हुई पीड़िता?

पीड़ित मॉडल ने जब राहुल पांडेय से संपर्क किया तो बताया कि उसे वेब सीरीज में काम करना होगा, जिसमें कुछ बोल्ड सीन भी होंगे. वेब सीरीज भारत में रिलीज होनी थी, इसलिए पीड़िता ने मना कर दिया था. महिला ने आरोप लगाया कि राहुल पांडेय ने उसे अक्टूबर में दोबारा से संपर्क किया और कहा कि वह मोबाइल एप के लिए एक वेब सीरीज बना रहा है जो विदेश में रिलीज होगी और उसमें भी कुछ बोल्ड सीन होंगे. इसके बाद पीड़ित मॉडल तैयार हो गई. मॉडल ने आगे बताया कि बाद में उसे अनिरुद्ध से मिलने को कहा गया जो उसे मलाड वेस्ट में भाबरेकर नगर में स्थित एक टावर के फ्लैट में ले गया, वहां एक महिला मेकअप आर्टिस्ट, यास्मीन, अनिरुद्ध और आदित्य थे. वहां यास्मीन ने खुद को कैमरापर्सन, अनिरुद्ध और आदित्य को एक्टर बताया.

मानहानि की दी थी धमकी

शूटिंग के दौरान यास्मीन ने पीड़ित मॉडल से कपड़े उतारने के लिए कहा. कपड़े उतारने से मना करने पर यास्मीन ने 15 लाख रुपए के मानहानि मामले की धमकी दी, जिस पर पीड़ित मॉडल ने डरकर यास्मीन के कहने पर शूटिंग की. महिला ने पुलिस को बताया कि इसके बाद 22 अक्टूबर को पीड़ित मॉडल के किसी रिश्तेदार ने अश्लील साइटों पर उसके वीडियो होने की बात बताई तो उसने यास्मीन को फोन किया और उन्हें वहां से हटाने के लिए कहा, लेकिन आरोपी महिला ने मॉडल से पैसे की मांग की और उसके अगले दिन से फोन उठाना बंद कर दिया जिसके बाद पीड़ित मॉडल भांडुप पुलिस स्टेशन पहुंच मामला दर्ज कराया. सूत्रों ने बताया कि इस मामले में फ़रार चल रही आरोपी महिला यास्मीन को पिछले साल मुंबई क्राइम ब्रांच की सीआईयू ने इसी तरह के एक मामले में गिरफ्तार किया था.

छात्र संगठनों के बीच हिंसा में एसएफआई नेत्री गंभीर रूप से घायल

वायनाड, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में एक बार फिर छात्र संगठनों के बीच जमकर हिंसा हुई है. इस हिंसा में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की छात्र इकाई स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की वायनाड जिले की संयुक्त सचिव अपर्णा गौरी घायल हो गईं. पुलिस के अनुसार 2 दिसंबर को वायनाड के मेप्पदी में छात्रों के एक समूह ने अपर्णा पर हमला किया था. हमले के बाद घायल अपर्णा को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया. घटना की जानकारी देते हुए मेप्पडी पुलिस ने बताया कि इस हमले में एक पुलिस अधिकारी भी घायल हो गया है. वहीं पुलिस द्वारा हमले के आरोप में 5 छात्रों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया है. साथ ही पुलिस ने आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है. अपर्णा पर हमला बीते शुक्रवार को मेप्पडी राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास हुआ था. अपर्णा को हिंसक समूह से बचाने की कोशिश में पुलिस अधिकारी भी घायल हो गया.

टाइम्स नाउ के अनुसार अपर्णा छात्रसंघ चुनाव के लिए एसएफआई के प्रयासों को तेज करने के लिए मेप्पडी पॉलीटेक्निक कॉलेज पहुंची थीं. उन पर स्थानीय ड्रग माफिया के समर्थन से प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक संगठनों के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर हमला किया गया था. छात्रों को नशीले पदार्थों की आपूर्ति पर आपत्ति जताने के बाद अपर्णा सहित एसएफआई नेतृत्व नशा करने वालों के साथ भिड़ गया था.

इस झड़प और हमले का वीडियो सोशल पर भी वायरल हो रहा है. वीडियो में स्पष्ट नहीं है कि किसके साथ या कितने लोगों पर हमला किया गया. हालांकि कैमरे के पीछे एक व्यक्ति को अपर्णा की पहचान करते हुए सुना जा सकता है. वीडियो में आवाज आ रही है, 'उन्हें उस लड़की को पीटने से बचना चाहिए था!' हालांकि वीडियो में एक अन्य व्यक्ति को पहले व्यक्ति का खंडन करते हुए सुना जा सकता है. अन्य व्यक्ति ने कहा, 'सभी को पीटा जाना चाहिए, कोई अपवाद नहीं है.'

चार महीने में बना दीं एक करोड़ रुपये की नकली दवाएं, पूछताछ में हुआ बड़ा खुलासा

शिमला, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिला के बद्दी में नकली दवाइयां बनाने का काला कारोबार करीब चार महीने से चल रहा था। इस दौरान करीब एक करोड़ रुपये की नकली दवाएं बनाई गईं। इन्हें उत्तर प्रदेश में बेचा गया। आगरा के मुख्य आरोपी मोहित बंसल के घर से बरामद की गईं दवाओं की अभी पैकिंग होनी थी। इससे पहले ही इन्हें बरामद कर लिया गया। आरोपियों से अब तक हुई पूछताछ में यह खुलासा हुआ है। उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में भी नकली दवाओं की सप्लाई की आशंका है। आरोपियों से यूएसवी लिमिटेड की हाई कोलेस्ट्रोल, स्ट्रोक के उपचार की दवा रोजी डे, सिपला कंपनी की एलर्जी की दवा मोंटेयर और इफ्का कंपनी की दर्द निवारक दवा जीरोडोल बरामद की गई हैं। दवा नियंत्रक प्राधिकरण के अधिकारियों ने दावा किया है कि पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह चार महीनों से नकली दवाओं का कारोबार कर रहा था। इस मामले में सरकार भी प्राधिकरण के अधिकारियों से लगातार जांच रिपोर्ट ले रही है। प्रधान सचिव स्वास्थ्य सुभाशीष पंडा ने बताया कि मामले की जांच गहनता से आगे बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने बद्दी में नकली दवाएं बनाने पर कड़ा संज्ञान लिया है। सोमवार को सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने मुख्य सचिव सहित अन्य प्रतिवादियों से तीन हफ्ते में जवाब तलब किया है। मामले में प्रधान सचिव गृह, स्वास्थ्य सचिव, ड्रग कंट्रोलर, निदेशक स्वास्थ्य, उपायुक्त एसपी सोलन को बनाया प्रतिवादी बनाया है। मुख्य न्यायाधीश एए सैयद और न्यायाधीश ज्योत्सना रिवाल दुआ की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई तीन हफ्ते बाद निर्धारित की है। प्रदेश हाईकोर्ट ने बद्दी में नकली दवाएं बनाने पर कड़ा संज्ञान लिया है। सोमवार को सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने मुख्य सचिव सहित अन्य प्रतिवादियों से तीन हफ्ते में जवाब तलब किया है।

पाकिस्तान से फिर आया ड्रोन

बीएसएफ ने की फायरिंग तो लौटा, एक पैकेट हेरोइन बरामद

तरनतारन, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बैठे तस्करों ने फिर भारतीय सीमा में ड्रोन भेजा। जिला तरनतारन में पाकिस्तान की तरफ से भारतीय सीमा में ड्रोन आया और वापस जाने में सफल भी हो गया। हालांकि सीमा सुरक्षा बल के सतर्क जवानों ने सर्च के दौरान ड्रोन द्वारा फेंकी हेरोइन की खेप को जब्त कर लिया है। जब्त की गई खेप की कीमत तकरीबन 17 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। भारतीय सीमा सुरक्षा बल की तरफ से सांझा की गई जानकारी के अनुसार यह ड्रोन मूवमेंट तरनतारन के सरहदी गांव कालिया में देखने को मिली। रात के समय जब सीमा सुरक्षा बल के जवान सरहद पर थे, उसी वक्त ड्रोन की आवाज सुनाई दी। ड्रोन की आवाज की तरफ फायर तो किया गया, लेकिन ड्रोन भागने में सफल रहा। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने इसकी जानकारी अपने सीनियर अधिकारियों को दे दी। अंधेरे के बावजूद सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों ने सर्च अभियान चलाने का फैसला किया। इसी दौरान गांव कालिया के खेत में उन्हें एक पीला पैकेट मिला। जिस पर रस्सी का हुक बनाया गया था, ताकि ड्रोन से उसे फेंकने में आसानी हो। जब पैकेट को जांच के बाद खोला गया तो उसमें से 2.470 किलो हेरोइन की खेप बरामद की गई। बरामद की गई हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय कीमत 17 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। अमृतसर में बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा अटारी सीमांत गांव रोड़ांवाला के पास रविवार रात एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था। ड्रोन से दो किलो हेरोइन और 100 ग्राम अफीम बरामद हुई। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि बीएसएफ के जवान रविवार की रात अटारी के सीमांत गांव रोड़ांवाली के पास गश्त कर रहे थे। इस दौरान 2.35 बजे जवानों ने पाकिस्तान एक ड्रोन की आवाज सुनी। जवानों ने फायर कर ड्रोन को रोकने का प्रयास किया। सुबह चलाए गए सर्च अभियान में गांव रोड़ांवाली के एक खेत से क्षतिग्रस्त एक क्वाडकॉप्टर ड्रोन बरामद हुआ, जिसके साथ दो किलो हेरोइन और 100 ग्राम अफीम मिली।

फतेहाबाद में आर्मी हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

धागड़ गांव में दोपहर को गोदान गढ़ क्षेत्र में उतरा; ग्रामीणों की भारी भीड़ लगी

फतेहाबाद, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के फतेहाबाद के गांव धागड में मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे आर्मी के एक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। लैंडिंग किन हालात और क्यों हुई, इसका अभी पता नहीं चला है। हेलिकॉप्टर में क्या तकनीकी खामी आई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हेलिकॉप्टर को उतरते देख भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। हालांकि 10 मिनट बाद हेलिकॉप्टर ने दोबारा उड़ान भरी। जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 12:30 बजे के बाद आर्मी का एक हेलिकॉप्टर धागड एरिया में दिखा। हेलिकॉप्टर धीरे-धीरे जमीन की तरफ नीचे आ रहा था। इसको देखकर वहां खड़े कुछ छात्रों ने मोबाइल फोन से वीडियो बनाई। फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डाल दिए। इसके बाद धागड के ग्रामीण मौके पर जमा होने शुरू हो गए। करीब 10 मिनट तक हेलिकॉप्टर गोदान गढ़ के क्षेत्र में खड़ा रहा।

मां का फैसला ही सर्वोपरि

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, 8 माह से अधिक के गर्भ को गिराने की अनुमति दी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। 33 माह की प्रेग्नेंट महिला की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है. दिल्ली हाईकोर्ट ने 26 वर्षीय विवाहित महिला के 33 सप्ताह यानी करीब 8 माह से अधिक के गर्भ को गिराने की अनुमति दे दी. कोर्ट ने डॉक्टरों की सलाह के आधार पर यह मंजूरी दी है. इस दौरान कोर्ट ने कहा कि इस मामले में मां का फैसला ही सर्वोपरि होगा. हालांकि, दिल्ली हाइकोर्ट के आदेश के बाद लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के डॉक्टरों की कमेटी ने कहा था कि भ्रूण हटाना सही नहीं है, जिसके बाद हाइकोर्ट ने कुछ डॉक्टरों से बातचीत के बाद हाइकोर्ट ने भ्रूण हटाने का आदेश दिया है. दरअसल, याचिकाकर्ता महिला ने अपने 33 हफ्ते के भ्रूण को हटाने की अनुमति मांगी थी. याचिका में कहा गया था कि गर्भधारण के बाद से याचिकाकर्ता ने कई अल्ट्रासाउंड कराए.

12 नवंबर के अल्ट्रासाउंड की जांच में पता चला कि महिला के गर्भ में पल रहे भ्रूण में सेरेब्रल विकार है. याचिकाकर्ता महिला ने अल्ट्रासाउंड टेस्ट की पुष्टि के लिए 14 नवंबर को एक निजी अल्ट्रासाउंड में जांच कराई. उसमें भी भ्रूण में सेरेब्रल विकार का पता चला. याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने बांबे हाईकोर्ट और कलकत्ता हाईकोर्ट के एक फैसले को उद्धृत करते हुए कहा था कि एमटीपी एक्ट की धारा 3(2)(बी) और 3(2)(डी) के तहत भ्रूण को हटाने की अनुमति दी जा सकती है.

बता दें कि इससे एक दिन पहले हाईकोर्ट ने 26 वर्षीय महिला की याचिका पर सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. इसमें महिला ने भ्रूण में मस्तिष्क संबंधी कुछ असामान्यताएं (विकार) होने के कारण 33 सप्ताह के अपने गर्भ को गिराने की अनुमति मांगी थी. इस दौरान न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने कहा था, 'इसमें एक नैतिक चिंता है, जिसपर अदालत सोच रही है और वह प्रौद्योगिकी के साथ है. आज की तारीख में कई असामान्यताओं का पता लगाना वाकई आसान है. हम (इस मामले में) गर्भ की करीब- करीब पूर्णावधि बात कर रहे हैं.' न्यायमूर्ति सिंह ने सवालिया लहजे में कहा था, 'मैं इस विषय पर कोई दृष्टिकोण नहीं रख रही हूं, लेकिन मैं बस यह कह रही हूं कि हम एक ऐसा समाज देख रहे हैं जिसे बस स्वस्थ बच्चे चाहिए?..... यदि साधन उपलब्ध हो, तब क्या माता-पिता के पास ऐसा विकल्प होना चाहिए कि वे बच्चे नहीं चाहते हैं.' महिला ने पिछले सप्ताह अदालत का रुख किया था. उससे पहले जीटीबी अस्पताल ने इस आधार पर गर्भपात करने से इनकार कर दिया था कि इसमें न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है, क्योंकि (गर्भपात के लिए) याचिकाकर्ता की गर्भावधि मान्य सीमा से बाहर है और यह मान्य सीमा 24 हफ्ते है.3

त्रिपुरा में आदिवासी लड़की से बलात्कार, तीन आरोपी गिरफ्तार

त्रिपुरा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा के गोमती जिले में एक नाबालिग आदिवासी लड़की से कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधिकारी ने यह बताया रेप करने वाले एक लड़के से लड़की के एक साल से संबंध थे. पुलिस अधिकारी ने बताया कि सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज कराए जाने के बाद तीनों को रायबाड़ी इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है. वहीं लड़की की हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है. पुलिस के मुताबिक, उदयपुर अनुमंडल की 15 वर्षीय लड़की के एक आरोपी के साथ करीब एक साल से संबंध थे. किल्ला पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी लक्ष्यबीर जमातिया ने कहा कि युवक ने युवती को रायबाड़ी इलाके में आने को कहा था और उसी के अनुसार वह शनिवार को वहां गई थी. लड़का उस लड़की को किसी सुनसान जगह पर ले गया, जहां उसके दो दोस्त पहले से उसका इंतजार कर रहे थे. इसके बाद उन्होंने लड़की के साथ बलात्कार किया और उसे बेहोशी की हालत में छोड़ कर चले गए.

जब बच्चों ने सीएम शिवराज सिंह चौहान को बता दिया पीएम तो खूब लगे ठहाके, अधिकारी बोले- बाद में बनेंगे

भोपाल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। जिसमें वह स्कूल में बच्चों के बीच मौजूद हैं और खूब ठहाके लगा रहे हैं। उनके साथ कई अधिकारी भी दिखाई दे रहे हैं। वह आजकल अचानक विभिन्न जिलों के दौरे कर रहे हैं। सीएम शिवराज सिंह चौहान इस बार सीहोर जिले के नसरुल्लागंज के एक सरकारी स्कूल में चले गए। वहां उन्होंने बच्चों के साथ बातें कीं। इसी दौरान एक टीचर ने बच्चों से पूछ लिया कि आप पहचानते हो न इनको? तो बच्चे हां में जवाब देते हैं। फिर बच्चे कहते हैं कि वह प्रधानमंत्री हैं। जिसके बाद सीएम जोर-जोर से ठहाके मारकर हंसने लगते हैं।

इस वीडियो को सीएम ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर शेयर भी किया है। उन्होंने वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है,। तपः

स्वधर्मवर्तित्वं।। मध्य प्रदेश की 8.50 करोड़ जनता की सेवा ही मेरा धर्म है। आज सीहोर में सीएम राइज विद्यालय का निरीक्षण कर नौनिहालों से संवाद किया। इन बच्चों के चेहरे पर मुस्कुराहट ही मेरा पारितोषिक है। इनसे ही मुझे और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा और शक्ति प्राप्त होती है। सीएम शिवराज ने ये भी कहा, यह पहल पूरे मध्य प्रदेश में अनुकरणीय है कि शिक्षक और जनता मिलकर अब अपने स्कूल को स्मार्ट स्कूल में परिवर्तित कर दें। इन सभी शिक्षकों का सम्मान करने मैं कार्यक्रम में भाग लूंगा। सीहोर के सभी शिक्षकों और कलेक्टर को भी इस पहल के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने स्कूली बच्चों से ढेर सारी बात की। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई लिखाई से लेकर खेलकूद तक पर बातचीत की है। बच्चों से बात करते हुए मुख्यमंत्री काफी खुश दिखाई दे रहे थे। बच्चों ने जब सीएम को प्रधानमंत्री कहा तो उनके पास खड़े एक अधिकारी ने कहा कि बाद में पीएम बनेंगे। अभी मामाजी हैं। जिसके बाद बच्चों ने भी हां में हां मिलाया।

दिग्गी पर मानहानि का केस, कांग्रेस बोली बीजेपी वापस लेगी

नरोत्तम बोले- ऐसा बोलते ही क्यों हैं कि मानहानि की नौबत आए

भोपाल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मप्र के पूर्व सीएम और कांग्रेस के सीनियर लीडर दिग्विजय सिंह पर एमपी-एमएलए कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज किया गया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की ओर से साल 2014 में दिग्विजय सिंह द्वारा दिए गए एक बयान को लेकर मानहानि का परिवाद दायर किया गया था। इस मामले में आठ साल बाद मामला दर्ज हुआ है। दिग्गी पर केस दर्ज होते ही बीजेपी और कांग्रेस में जंग छिड़ी हुई है। दिग्विजय सिंह पर मानहानि का मामला दर्ज होने के मामले पर पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा दिग्विजय सिंह जब भी कुछ कहते हैं उनके पास उसके प्रूफ होते हैं। ये अच्छा हुआ कि मामला न्यायालय में आ गया है। वहां प्रूफ देकर वो साबित कर देंगे कि किस तरह से बीजेपी के अध्यक्ष ने उस समय काम किया था। इसके पहले भी सीएम ने दिग्विजय सिंह पर मानहानि का दावा लगाया था उस समय उसे वापस लेने की स्थिति बन गई थी। मैं

समझता हूं कि कोर्ट में इसका दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। असल में इस समय भारत जोड़ो यात्रा में दिग्विजय सिंह के हाथ में पूरे देश की कमान है। जिस तरह से मप्र में 370 किलोमीटर की पदयात्रा में सफलता मिली है उससे बीजेपी ड़री हुई है। इसलिए वो सोच रहे हैं इन्हें डरा दें, कोर्ट में घसीट लें, इससे कुछ नहीं होना है। इनको कोर्ट में ये मामला वापस लेना पड़ेगा। ये ड़र के मारे वापस ले लेंगे। बीजेपी और वीड़ी शर्मा की मुश्किलें बढ़ेंगी।

गृहमंत्री बोले- दिग्विजय ऐसा बोलते ही क्यों हैं? दिग्विजय सिंह ने 04 जुलाई 2014 को मीडिया को दिए बयान में विष्णुदत्त शर्मा के खिलाफ यह आरोप लगाए थे कि विष्णु दत्त शर्मा जो एबीवीपी के महामंत्री रहे हैं, उनके द्वारा आरएसएस और व्यापम के बीच में बिचौलिए का काम किया है | मीडिया में आई खबरों के बाद विष्णु दत्त शर्मा ने दिग्विजय सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर कोर्ट में मानहानि का परिवाद दायर किया था। दिग्गी के आरोपों से व्यथित होकर विष्णु दत्त शर्मा ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भोपाल के समक्ष मानहानि का मुकदमा दायर कर सबूत पेश किए थे। बीजेपी नेताओं के मुताबिक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इसको लेकर सोमवार यानि 5 दिसंबर को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए भोपाल विधान महेश्वरी ने धारा 500 भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत दिग्विजय सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है |

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा के बाद

महिलाओं को लुभाने के लिए अब प्रियंका करेंगी महिला जोड़ो यात्रा

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा के अब तक ठीक तरह से निकल जाने और उससे कांग्रेसियों में पैदा हो रहे उत्साह को देखते हुए अब कांग्रेस महिला जोड़ो यात्रा निकालने की तैयारी में है. पार्टी के सूत्रों का कहना है कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले इसके जरिये महिला मतदाताओं तक पहुंच बनाने की योजना है. कांग्रेस की इस महिला जोड़ो यात्रा का नेतृत्व कई कांग्रेसी नेता करेंगे लेकिन केंद्र में प्रियंका ही रहेंगी. वह हर राज्य में महिला मोर्चा का नेतृत्व करेंगी और स्थानीय जरूरतों के अनुसार महिला घोषणापत्र भी जारी करेंगी. सूत्रों का कहना है कि पार्टी महिला कांग्रेस और प्रियंका की स्टार छवि पर केंद्रित होकर महिला अध्यक्ष के नहीं होने वाले नुकसान की भरपाई करना चाहती है. अगर 2019 में हुए चुनाव में महिला मतदाताओं के आंकड़ों पर नजर डालें तो बात साफ हो जाती है कि आखिर महिलाओं तक पहुंच बनाना क्यों जरूरी हो गया है. पिछले चुनाव में महिलाओं की वोटिंग 68 फीसद रही जबकि पुरुषों का आंकड़ा 64 फीसद था. अन्य राज्यों के बीच में उत्तराखंड, गोवा, बिहार और उत्तरप्रदेश में चुनावी नतीजे बताते हैं कि यह महिलाओं के ही वोट थे, जिसने भारतीय जनता पार्टी को एकतरफा जीत दिलाई. यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा महिला सशक्तिकरण पर इतना जोर दे रहे हैं. कांग्रेस को महिला समर्थक पार्टी होने पर गर्व है. जिसकी अध्यक्षता दो दशक तक एक महिला ने की थी और राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने पर जोर भी दिया था. लेकिन साफ है कि पार्टी यहीं पर रुकना नहीं चाहती है. इसलिए अब महिलाओं के दिल में जगह बनाने के लिए वह प्रियंका गांधी वाड्रा कार्ड का इस्तेमाल करना चाहती है. उत्तर प्रदेश में इसके इस्तेमाल से थोड़ी सफलता हासिल हुई थी, लेकिन हिमाचल प्रदेश में ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है.

भारत जोड़ो यात्रा के गणतंत्र दिवस तक समाप्त होने के साथ ही दो महीने लंबे 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान की शुरुआत करने की भी कांग्रेस की योजना है. जो 26 जनवरी से शुरू होकर 26 मार्च तक चलेगा. इसके तहत होने वाले कार्यक्रमों के जरिये देश भर के राज्यों, जिलों और ग्राम पंचायत स्तर पर भारत जोड़ो यात्रा के एकता के संदेश को पहुंचाने का काम किया जाएगा. यही नहीं इस दौरान राहुल गांधी का लिखा पत्र भी बांटा जाएगा, जो भारत जोड़ो यात्रा के मकसद को बयान करेगा.

यह संयोग की बात है कि एक तरफ कांग्रेस महिला जोड़ो यात्रा की तैयारी में जुटी है, वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान लगातार भाजपा और संघ पर 'हे राम'और 'जय सिया राम' के बजाए 'जय श्री राम ' का नारा लगाकर सीता जी को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते रहे हैं. जबकि उनके मुताबिक जय सियाराम में राम और सीता दोनों का महत्व बराबर शामिल है. राहुल ने हाल ही में कहा कि 'वे कभी भी जय सियाराम नहीं बोलते हैं, सीता हटा दी गई हैं. और वे कभी हे राम का जाप नहीं करते हैं, क्योंकि वे भगवान राम के आदर्शों पर विश्वास ही नहीं करते हैं.'

महिलाओं के हिम्मत की जीत

कट्टरपन से जूझ रहे ईरान के शासकों की हिम्मत महिलाओं का संघर्ष के सामने आखिरकार उस समय पस्त हो गया, जब वहां 'नैतिक पुलिस' की इकाइयों को भंग करने के लिए उसे मजबूर होना पडा। बहरहाल, ईरान का यह फैसला निश्चित रूप से वहां की उन तमाम महिलाओं के जीवट और हिम्मत की जीत है, जिन्होंने दमन की एक घटना की अनदेखी नहीं की। इसके बजाय उसी दमन को समूचे ईरान में एक ऐसा बडा मुद्दा बना दिया कि वहां के शासकों को इसके आगे घुटने टेकने को मजबूर होना पडा। इस तरह अबला समझी जाने वाली नारी शक्ति ने अपनी हिम्मत और ताकत से वहां के लोगों को भी इस पर विचार करने के लिए मजबूर कर दिया। कुछ महीने पहले ईरान में महसा अमीनी नाम की एक युवती का बलिदान ऐसा रंग दिखाएगा ऐसा तो शायद किसी ने सोचा भी नहीं होगा। बता दें कि महसा अमीनी को वहां सिर्फ इसलिए गिरफ्तार कर लिया गया था कि उसने हिजाब नहीं पहना था। उसके बाद हिरासत में ही उसकी ऐसी प्रताडना की गई कि उसकी मौत हो गई। मगर महसा अमीनी के साथ हुए अत्याचार से इस बार ईरान में एक खास प्रतिक्रिया देखने में आई। इस घटना को चुपचाप सह लेने की बजाय वहां की महिलाओं ने बडी संख्या में इकट्ठा हो कर इसके खिलाफ आवाज उठाई। इस मसले पर लगातार प्रदर्शन करती रहीं। यहां तक कि इस घटना के विरोध में कुछ महिलाओं ने अपने हिजाब तक जला डाले और खुले आम अपने ही हाथों से बाल काट लिए। हालत यह हो गई कि ईरान में चले इस प्रदर्शन ने अन्य जनपक्षीय मुद्दों को भी अपने में समाहित कर लिया और उसमें शामिल महिलाओं को वैश्विक स्तर पर जबर्दस्त समर्थन मिला। ईरान सरकार सख्ती और दमन के जरिए इस अभियान से निपटने की कोशिश की। लेकिन ईरान की सरकार के सामने एक मुश्किल यह खड़ी हुई कि वैश्विक स्तर पर उसके खिलाफ उठते सवालों ने उसे बेचैन कर दिया। बहरहाल, वहां की सरकार ने विवेक से काम नहीं लिया। जैसे ही हिरासत में महसा अमीनी की मौत हुई उसके बाद सरकार ने आंदोलनकारियों के खिलाफ जुर्म ढाना शुरू कर दिया। इसके बाद खास बात यह रही कि दुनिया ने देखा कि ईरान में महिलाओं ने हिजाब की वजह से एक महिला की मौत के बाद इस समूची जड़ परंपरा के खिलाफ बिगुल बजा दिया। ईरान के शासन में धार्मिक नियम-कायदों के प्रभाव की अब तक जैसी छवि रही है, उसमें यह उम्मीद कम थी कि सरकार झुकेगी। लेकिन अब 'नैतिक पुलिस' की इकाइयों को भंग किए जाने का फैसला उन महिलाओं और आम लोगों की जीत के रूप में देखा जाने लगा है, जिन्होंने अपनी इच्छा से हिजाब नहीं पहनने के अधिकार के समर्थन में लड़ना जरूरी समझा और लंबे समय से चली आ रही इस व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई। देखा जाए तो कोई भी जड़ परंपरा तब तक कायम रहती है, जब तक उस पर कोई सवाल न उठे। सत्ता के दमनात्मक रवैये के बावजूद जब आम लोग किसी दमघोंटू चलन के विरुद्ध मोर्चा लेने का फैसला कर लेते हैं, तब जाकर सरकारों को झुकना ही पडता है। उसी के बाद वह राहत या आजादी का रास्ता खोलने को तैयार होती है। ईरान की महिलाओं और उनके साथ खड़े भारी संख्या में लोगों ने इसी का उदाहरण सामने रखा। बता दें कि ईरान में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद 'नैतिक पुलिस' के कई रूप देखने को मिले। लेकिन 2006 में गठित 'गश्त-ए-इरशाद' सबसे ज्यादा चर्चा में रहा, जो महिलाओं के हिजाब पहनने के अलावा अन्य इस्लामी कानूनों को सख्ती से लागू कराना सुनिश्चित कर रहा था। यह न्यायपालिका और इस्लामी रिवाल्यूशनरी गार्ड्स कार्प्स से जुड़े बल 'बासिज' के साथ मिलकर काम करता था। बता दें कि इस तंत्र को भंग करने की खबर के बाद यह कहना मुश्किल होगा कि महिलाओं को संकीर्ण घेरों में कैद करने और उदार मूल्यों के खिलाफ माहौल अचानक ही पूरी तरह खत्म हो जाएगा। फिर भी हिजाब के मसले पर महिलाओं के आंदोलन को जैसी जीत मिली है, उसने दुनिया के किसी भी हिस्से में दमघोंटू रीति-रिवाजों को हिम्मत के साथ खारिज करने का रास्ता देख लिया है। इसलिए अब किसी भी शासक को महिलाओं पर अपना कट्टरपन थोपने से पहले हजार बार सोचने को मजबूर होना पडेगा।

शाबास रोहिणी आचार्य

रोहिणी आचार्या की राजनीति अलग और उनका पुत्री रूप अलग। रोहिणी आचार्या ने जब अपने पिता लालू प्रसाद यादव को किडनी देने की घोषणा की, तभी से बिहार में उनकी लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से बढ़ा। सोमवार को जब सिंगापुर में रोहिणी की किडनी निकाल कर लालू प्रसाद के शरीर में डाली गई तो लोगों ने रोहिणी के बारे में लिखा- बेटी ने मां की भूमिका अदा की।

बिहार के यूजर्स के बीच सोशल मीडिया में रोहिणी से ज्यादा किसी की चर्चा नहीं। यहां तक कि मुख्य विपक्षी दल और बिहार में अरसे से लालू प्रसाद के खिलाफ राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी के भी नेताओं ने एक सुर में रोहिणी की बड़ाई की। कुछ नेताओं ने यह भी लिखा कि बेटा भले लालू प्रसाद जैसा न हो, लेकिन बेटी रोहिणी जैसी जरूर हो।

बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का कभी भी लालू प्रसाद यादव से अच्छा नहीं रहा। लालू प्रसाद उन्हें मौका-बेमौका बहुत कुछ बोलते रहे हैं। रोहिणी भी छोड़ती नहीं हैं। लेकिन, गिरिराज ने सोशल मीडिया पर लिखा- "बेटी हो तो रोहिणी आचार्या जैसी। गर्व है आप पर...आप उदाहरण होंगी आने वाली पीढ़ियों के लिए।" गिरिराज सिंह का यह बयान चर्चा में है। वैसे, केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, राज्यसभा के पूर्व सांसद आर. के. सिन्हा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पाटलिपुत्रा के भाजपा सांसद रामकृपाल यादव समेत भाजपा के कई दिग्गजों ने लालू प्रसाद के स्वास्थ्य के साथ बेटी रोहिणी आचार्या को शुभकामनाओं सहित आशीर्वाद दिया। इन्होंने कहा कि आज के युग में एक शादीशुदा बेटी का इस तरह पिता को जीवनदान देना अनुकरणीय है।

रोहिणी आचार्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी समेत भाजपा के तमाम प्रमुख नेताओं के खिलाफ लिखती-बोलती रही हैं, लेकिन पिता के लिए किडनी दान देने के साथ ही लोग उन्हें राजनीति से अलग अब बेटी के रूप में प्रचारित कर रहे हैं। राजद समर्थकों ने रोहिणी के सोशल मीडिया अपडेट्स पर पिता-पुत्री के प्रेम को बेमिसाल बताने वाले कमेंट किए हैं तो आम आदमी, सोशल मीडिया पर एक्टिव समाजसेवियों और तमाम दलों के छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं-प्रवक्ता रोहिणी..रोहिणी की गूंज सुना रहे हैं। दधिचि देहदान समिति बिहार के सदस्य और भाजपा पटना महानगर के प्रवक्ता शैलेश महाजन ने कहा कि नेत्रदान समेत अंगदान से लेकर देहदान तक की मुहिम को रोहिणी आचार्या के किडनी दान से बल मिला है।

रक्तदान को मुहिम के रूप में खड़ा करने के कारण ब्लड-मैन के रूप में प्रसिद्ध मुकेश हिसारिया ने कहा कि रोहिणी आज मिसाल बन गई हैं। अब उन लोगों की भी आंखें खुलनी चाहिए, जो गर्भ में ही बेटियों की हत्या कर डालते हैं।

धार्मिक कट्टरता, हिंसा से छिन्न-भिन्न होती लोकतांत्रिक परंपराएं

संजीव ठाकुर

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्रता के बाद से भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि स्थान दिया गया है। देश की भौगोलिक तथा जनसंख्यात्मक विशालता में कुछ तत्व सांप्रदायिक हिंसा एवं अराजकता के परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकतें हैं, पर भारतीय लोकतंत्र की महानता एवं विशालता है कि इससे संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, पर यह तय है कि सांप्रदायिक हिंसा एवं धार्मिक कट्टरता से लोकतंत्र की अवधारणा थोड़ी दिग्भ्रमित जरूर होती है पर इसकी मजबूती ना तो पहले कम हुई है और ना ही भविष्य में होने की कोई गुंजाइश ही है। हिंसा ,विवाद किसी भी बात का कोई हल नहीं। यह लोकतंत्र के लिए एक धब्बे के समान है। किसी भी देश में लोकतंत्र की आम धारणा आपसी सद्भाव और समभाव को लेकर आधारभूत रचनात्मक रूप से की गई है। विश्व के शांति प्रस्तावक भारत देश में हिंसा और हिंसक आंदोलन की कोई जगह नहीं एवं यह किसी धार्मिक, सामाजिक अथवा आर्थिक असहमति का परिणाम तो कतई नहीं हो सकती है।भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक,प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है।वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव

खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू ,मुस्लिम,सिक्ख,इसाई जातीय संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं।

जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए।

स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो।

समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी ,बेरोजगारी ,नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता,भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

किनारे खड़े हो कर देखते रहना भी ठीक नहीं

स्नेहा सिंह

यार आरुषी तो बहुत सवाल करती है? अपना फ्यूचर क्या, हमें आगे क्या करना है और न जाने क्या... क्या... आखिर वह क्यों इतना दिमाग पर बोझ डालती है? 'सभी के विचार और बातों को समझो। इस समय हमें एक-दूसरे का साथ बहुत अच्छा लगता है। दोनों ही एक-दूसरे को अच्छे लगते हैं। स्ट्रांग बाइंडिंग है, ऐसा लग रहा है न? बस तो Go with the flow, don't stress much. इस समय हम जहां हैं, वहां आनंद लें। आगे कि यानी भविष्य की सोच कर परेशान न हों।' पार्थ ने आरुषि के अनेक सवालों से चिढ़ कर उसे इस समय के युवाधन के सूत्र को गले उतारने का प्रयास किया। खैर, यह Go with flow बहुत अधिक लोगों से सुना है। आप जिस प्रवाह में बह रहे हैं, उसमें बहते जाएं, भविष्य की चिंता न करें। प्रजेंट में जो प्रवाह आप को जिस दिशा की ओर ले जा रहा है, उसी दिशा की ओर बहते रहो। दूसरी ओर कुछ युवा ऐसे भी हैं, जो अपने गोल्स को बहुत छोटी उम्र से ही सेट कर लेते हैं और उस गोल्स को अचीव करने के लिए मेहनत मी करने लगते हैं। अब जब Go with flow वाले लोगों का Achieve your goal any-how वाले लोगों का आमना-सामना कराएं तो एक कहेगा कि यार तुमने अपना गोल्स अचीव करने में अपना वर्तमान खराब किया, जीना तो तुम भूल ही गए। जबकि जिसने अपना गोल्स अचीव कर लिया, वह कहेगा कि फ्लो के साथ बह कर तुम ने इमोनशली, फाइनेंशियली कितना खर्च किया, इसका हिसाब तुम्हारे पास है? तुम ने शायद इतने साल फ्लो में बहने में खराब किए, इसकी अपेक्षा अपने सपने साकार किए होते तो कुछ बन गए होते? तो सामने वाला कह सकता है कि मैं ने अपना जो वर्तमान एंज्वाय किया, उसका क्या? आप समझ लीजिए कि इन दोनों वाक्यो में बहुत ही कोंट्राडिक्शन है। एक आप को कुछ पाने के लिए उत्तेजित करता है तो दूसरा आप को जीवन को जीने के लिए उत्तेजित करता है। दोनों ही अपनी जगह सही वाक्य हैं। अब सवाल यह है कि आप को किस वाक्य का कब अनुसरण करना है, यह आप की समझदारी पर निर्भर करता है।

कब क्या करना है, इसकी समझदारी जरूरी है

Go with flow and Achieve your goal any-how इन दोनों वाक्यों में कोंट्राडिक्शन है। दोनों ही युवाओं के लिए पूरी तरह लागू होते हैं। पर इन दोनों वाक्यों का जीवन में कब अनुसरण किया जाए, इसकी समझ होनी जरूरी है। अक्सर ऐसा होता है कि मौज-मस्ती में समय हाथ से निकल जाता है और आगे चल कर पछताना पड़ता है कि समय पर मेहनत की होती तो अच्छा होता। कभी ऐसा भी होता है कि गोल तय करने के बाद भी उचित मेहनत न होने पर लक्ष्य नहीं मिलता। जिस समय मेहनत करनी चाहिए थी, उस समय मेहनत नहीं की, केवल मौज-मस्ती की तो तय किया गया सपना कैसे साकार होगा। उसी तरह सपना साकार करने के लिए मात्र मेहनत कर के सुनहरा समय बिगाड़ने वाले लोगों को भी मौज-मस्ती के लिए थोड़ा समय जरूर निकाल लेना चाहिए। यहां समझदारी की बात इसलिए की गई है कि आप को समझदार बन कर तय करना है कि किस चीज में कितना समय गुजारना है, क्योंकि जिस तरह प्रवाह में अंधाधुंध बहना जरूरी नहीं है, उसी तरह किनारे बैठ कर प्रवाह को देखते रहना भी ठीक नहीं है। कब प्रवाह के साथ बहना है और कब प्रवाह से बाहर निकल कर अपना रास्ता बनाना है, इसकी समझ होना जरूरी है। अगर यह समझ नहीं हुई तो तय है कि जीवन में पीछे रह जाओगे।

Go with flow का गलत लाभ न उठाएं

आज का युवा Go with flow का बहुत ही गलत मतलब निकालने लगा है। आप के हाथ में जो चीज नहीं है उसे पकड़ने का निरर्थक प्रयास करने के बजाय जिस समय जो चल रहा है, उसी में बह जाना चाहिए। अलबत्त, आप को जानकारी होनी चाहिए कि जो चल रहा है, उसे बदला नहीं जा सकता। पर जब आप को लगे कि जो चल रहा है, वह आप के प्रोग्रेस को रोक रहा या दबा रहा है तो उस प्रवाह के साथ बहने की जरूरत नहीं है। और हां, आज का युवाधन संबंधों में Go with flow की मार चला रहा है। संबंधों में कोई कमिटमेंट न देना पड़े, बंधना न पड़े और फिर भी हर लाभ मिलता रहे, इस हेतु से यह सूत्र अपनाता है। शुरुआत में तो यह चीज अच्छी लगती है, पर दोनों में से जब एक व्यक्ति को लगाव (चाहत) हो जाता है तो यह Go with flow का सूत्र खतम हो कर शत्रु बन जाता है। लगाव के प्रवाह में बहता व्यक्ति इस सूत्र के कारण और अपने पार्टनर के लगाव को समझेगा इस अपेक्षा को रख कर इमोशनली और दूसरी सभी तरह से खर्च हो जाता है। इसलिए संबंधों में जहां तक हो सके, इस सूत्र का उपयोग न करें। क्योंकि यह चाहने वाले पार्टनर के धोखा देने और कष्टदायी होगा।

सब कुछ हिसाब से करें

जवानी का समय मात्र मौज-शौक करने के लिए नहीं है, उसी तरह केवल मेहनत करने के लिए भी नहीं है। तमाम लोग पहले मेहनत कर लें, फिर मौज करेंगे, यह मान कर चलते हैं। पर जीवन में अमुक साल मात्र खूब मेहनत में गुजारे हों तो उसके बाद मौज-शौक का समय नहीं रह जाता। अमुक उम्र के बाद तमाम जिम्मेदारियां मौज-शौक का विचार ही नहीं आने देतीं। कभी इस तरह की उम्र ही नहीं बचती कि मन में युवकों की तरह मौज-शौक का विचार मन में आए। इसलिए जो कुछ भी करो, हिसाब से करो। समय का थोड़ा मैनेजमेंट कर लेंगी तो Achieve your goal anyhow and Go with flow इन दोनों वाक्यों के कोंट्राडिक्शन का हल निकाल सकोगे। यह हल हो गया तो जीवन पाने लायक हो जाएगा। कब कितनी मेहनत करनी है और कब कितनी मौज-शौक करनी है, इसका भान होने लगेगा तो सारी समस्या अपने आप दूर हो जाएगी। इसलिए हर चीज हिसाब से करें और हां जवानी के जोश में किसी के लगाव या चाहत को ठेस न पहुंचे, इसका खास ख्याल रखें।

फूड फोर्टिफिकेशन, पोषण की कमी का रामबाण इलाज है ?

डॉ सत्यवान सौरभ

फूड फोर्टिफिकेशन से तात्पर्य खाद्य पदार्थों में एक या अधिक सूक्ष्म पोषक तत्वों की जानबूझकर की जाने वाली वृद्धि से है जिससे इन पोषक तत्वों की न्यूनता में सुधार या निवारण किया जा सके तथा स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया जा सके.पर इसके माध्यम से केवल एक सूक्ष्म पोषक तत्त्व के संकेन्द्रण में वृद्धि हो सकती है (उदाहरण के लिए नमक का आयोडीकरण) अथवा खाद्य-सूक्ष्म पोषक तत्वों के संयोजन की एक पूरी श्रृंखला हो सकती है. यह कुपोषण की समस्या का समाधान करने के लिए संतुलित और विविधतापूर्ण आहार का प्रतिस्थापन नहीं है. ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2021 में भारत 116 देशों में से 101वें स्थान पर है, जिसमें 15.3% कुपोषित आबादी, स्टंटेड बच्चों (30%), और वेस्टेड बच्चों (17.3%) का उच्चतम अनुपात है। चावल, दूध और नमक जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों में आयरन, आयोडीन, जिंक, विटामिन ए और डी जैसे प्रमुख विटामिन और खनिजों को शामिल करना फोर्टिफिकेशन है, ताकि उनकी पोषण सामग्री में सुधार हो सके। कुछ पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ महंगे हो सकते हैं। उदा. मछली ओमेगा-3 फैटी एसिड का एक बड़ा स्रोत है, लेकिन नियमित रूप से खरीदना बहुत महंगा हो सकता है। अंडे, दूध और अन्य उत्पादों को ओमेगा-3 फैटी एसिड से फोर्टिफाइड किया जा सकता है। इन उत्पादों की कीमत अक्सर कम होती है और फिर भी इनका समान पोषण मूल्य होता है। जैसा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों में है, हर दूसरी भारतीय महिला एनीमिक है, हर तीसरा बच्चा नाटा और कुपोषित है, और हर पांचवां बच्चा कमजोर है। फोलिक एसिड कई गढ़वाली उत्पादों में जोड़ा जाता है। गर्भावस्था के दौरान यह जन्म दोषों के जोखिम को कम करता है। यह भोजन की विशेषताओं जैसे स्वाद, सुगंध या भोजन की बनावट को नहीं बदलता है। इसे जल्दी से लागू किया जा सकता है और साथ ही अपेक्षाकृत कम समय में स्वास्थ्य में सुधार के परिणाम भी दिखा सकते हैं। चूँकि पोषक तत्वों को व्यापक रूप से खाए जाने वाले मुख्य खाद्य पदार्थों में जोड़ा जाता है, इसलिए फोर्टिफिकेशन आबादी के एक बड़े हिस्से के स्वास्थ्य में सुधार करने का एक शानदार तरीका है, जो आर्थिक रूप से वंचित लोगों के लिए सुरक्षित और पौष्टिक भोजन तक पहुंच नहीं है। यह लोगों को पोषक तत्व पहुंचाने का एक सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य तरीका है क्योंकि इसमें खाने की आदतों या व्यवहार में किसी बदलाव की आवश्यकता नहीं होती है। पोषण के दिग्गजों के अनुसार, फूड फोर्टिफिकेशन, कई सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए एक लागत प्रभावी पूरक रणनीति है। सावधानियों के साथ किया गया हस्तक्षेप, कुपोषण के मुद्दे की कुंजी है जिससे देश लगातार जूझ रहा है। सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी का नियंत्रण भूख और कुपोषण से लड़ने के समग्र प्रयास का एक जरूरी हिस्सा है. भारत एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए कई तरह की रणनीतियों को लागू कर रहा है जिसमें आयरन-फोलिक एसिड पूरकता, विटामिन ए पूरकता, डायटरी डायवर्सिटी को प्रोत्साहित करने के लिए न्यूट्रिशनल हेल्थ एजुकेशन और अन्य शामिल हैं. हालांकि, एनीमिया का लेवल उच्च बना हुआ है. इसलिए, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के कंट्री डायरेक्टर बिशो परजुली ने बताया कि इसके लिए फूड फोर्टिफिकेशन जैसी रणनीतियों की शुरूआत की जरूरत है जो दुनिया के अन्य हिस्सों में साक्ष्य आधारित, आजमाई और परखी गई हैं. फोर्टिफाइड फूड्स कई कमियों के जोखिम को कम करने में भी बेहतर होते हैं जो फूड सप्लाई में मौसमी कमी या खराब गुणवत्ता वाली डाइट के परिणामस्वरूप हो सकते हैं. ये बच्चों की वृद्धि और विकास के लिए के साथ फर्टिलाइज उम्र की महिलाओं के लिए भी जरूरी होते हैं, जिनकी पर्याप्त पोषक तत्वों के साथ गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान जरूरत होती है. फोर्टीफिकेशन स्तन के दूध में विटामिन की मात्रा बढ़ाने और इस प्रकार प्रसवोत्तर महिलाओं और शिशुओं में सप्लीमेंटेशन की जरूरत को कम करने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है. इसका उद्देश्य आपूर्ति किए जाने वाले खाद्यान्न की पोषण गुणवत्ता में सुधार करना तथा न्यूनतम जोखिम के साथ उपभोक्ताओं को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करना है। यह आहार में सुधार और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी का निवारण करने हेतु एक सिद्ध, सुरक्षित और लागत प्रभावी रणनीति है।

भारत में धार्मिक स्वतंत्रता

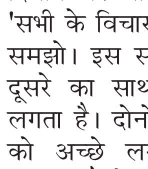

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अमेरिका ने एक रिपोर्ट जारी की है। उसके अनुसार दुनिया के 14 देशों में धार्मिक स्वतंत्रता को खतरा है। यह खुशी की बात है कि 14 देशों में भारत का आगे-पीछे कहीं भी नाम नहीं है। हमारे तथाकथित अल्पसंख्यक संप्रदायों के नेता, कांग्रेसी और कम्युनिस्ट लोग इसे अमेरिका की लापरवाही कहेंगे या वे यह मानकर चलेंगे कि अमेरिका ने इन देशों के साथ भारत का नाम इसलिए नहीं जोड़ा है कि वह उसे चीन के विरुद्ध इस्तेमाल करना चाहता है। इस रपट में रूस, चीन और पाकिस्तान के नामों पर विशेष जोर दिया गया है। यदि अमेरिका ने भारत को चीन के खिलाफ डटाए रखने की इच्छा के कारण ही इस सूची में भारत का नाम नहीं जोड़ा है तो मैं पूछता हूं कि उसमें सउदी अरब का नाम क्यों जोड़ा गया है? सउदी अरब से तो अमेरिका के संबंध काफी घनिष्ट हैं।

इसी प्रकार अब वह पाकिस्तान से भी उत्तम संबंध बनाने के अवसर नहीं छोड़ रहा है। जहां तक रूस और चीन का सवाल है, इन दोनों देशों से उसके संबंध तनावपूर्ण हैं लेकिन वहां धार्मिक आजादी के दावों पर सच में अमल नहीं हो रहा है। 'जिहोवाज़ विटनेस' संप्रदाय के लोगों पर रूस में कड़ा प्रतिबंध है। उन्हें कठोर सजाएं भी मिलती रहती हैं जबकि रूस अपने आप को कम्युनिस्ट नहीं, धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र कहता है। चीन भी धार्मिक स्वतंत्रता का दावा करता है। उसने बौद्ध, इस्लाम, ताओ, केथोलिक और प्रोटेस्टेंट ईसाई धर्मों को मान्यता दे रखी है लेकिन दस लाख उइगर मुसलमानों को यातना-शिविरों में पटक रखा है और तिब्बती बौद्धों को वहां सदा शक की नजर से देखा जाता है। जहां तक ईरान का सवाल है, वहां कट्टरपंथी शिया आयतुल्लाहों का बोलबाला है। ईरान में सुन्नी, बहाई और पारसी लोगों का जीवन दूभर है। पाकिस्तान में हिंदू, बहाई, सिख, यहूदी और ईसाइयों का जीना हराम है। सरकारें तो उनके साथ न्याय करना चाहती हैं लेकिन समाज इसके लिए तैयार नहीं है। कई अफ्रीकी और एशियाई देशों में तो अनेकानेक नरम और सख्त धार्मिक प्रतिबंध जारी हैं। दुनिया के लगभग 40-45 देश ऐसे हैं, जिनमें भारत या अमेरिका की तरह धार्मिक स्वतंत्रता नहीं है। भारत में इस धार्मिक स्वतंत्रता का भयंकर दुरुपयोग भी होता है। हमारे नेता मजहब और धर्म के नाम पर हमेशा थोक वोट कबाड़ने की फिराक में रहते हैं। इसके अलावा लालच और भय के आधार पर भारत में बड़े पैमाने पर धर्म-परिवर्तन का धंधा भी चला हुआ है।

श्रीकृष्ण ने जरासंध वध की कैसे की तैयारी?

महाभारत की घटना है। उस समय जरासंध जीवित था और वह श्रीकृष्ण के विरोधियों का प्रमुख बन गया था। एक दिन श्रीकृष्ण युधिष्ठिर से बात कर रहे थे। श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि जब आप चक्रवर्ती राजा बनेंगे तो अधिकतर राजा आपके अधीन रहेंगे, लेकिन जब तक जरासंध जीवित है, वह हमारे लिए परेशानियां पैदा करता रहेगा।

श्रीकृष्ण आगे बोले कि जरासंध ने शिशुपाल को सेनापति बनाया है। दंतवक्र, हंस और डिंबक, करभ, मेघवाहन जैसे शक्तिशाली राजा भी जरासंध की शरण में हैं। इस तरह जरासंध की ताकत बहुत अधिक बढ़ गई है। मैंने जरासंध के दामाद कंस का वध किया था, इस कारण जरासंध मुझे शत्रु मानता है। आपको जरासंध के साथ पूरी तैयारी के साथ युद्ध करना होगा। तभी उसे पराजित किया जा सकता है।

पांडवों ने श्रीकृष्ण की बातें ध्यान से सुनी और पूछा कि आप ही बताइए कि जरासंध को कैसे पराजित करें?

बहुत सोच-विचार करने के बाद ये तय हुआ कि श्रीकृष्ण, अर्जुन और भीम जरासंध को कूटनीति से पराजित करें।

श्रीकृष्ण की योजना सुनकर सभी पांडव समझ गए कि श्रीकृष्ण हर काम पूरी तैयारी के साथ करते हैं, जिससे उस काम में असफल होने की कोई संभावना नहीं रहती है।

श्रीकृष्ण को जरासंध के बारे में हर एक बात मालूम थी और उसके अनुसार ही उन्होंने योजना बनाई थी। श्रीकृष्ण को ये मालूम था कि कौन-कौन से राजा जरासंध के साथ हैं, श्रीकृष्ण ये भी जानते थे कि जरासंध कैसे मरेगा।

श्रीकृष्ण की सीख

यहां श्रीकृष्ण ने हमें सीख दी है कि जब काम बड़ा हो तो हमें हर एक बात पर गहराई से ध्यान देना चाहिए।

काम से जुड़ी छोटी-छोटी जानकारी भी हासिल करनी चाहिए।

जब तक तैयारी पुख्ता नहीं होगी, तब तक सफल होना मुश्किल ही रहेगा। पहले तैयारी करें और फिर काम करें, तब कामयाबी मिलेगी।

अगहन महीने की पूर्णिमा दो दिन

अगहन महीने की पूर्णिमा तिथि दो दिन तक रहेगी। इसी वजह से दत्त पूर्णिमा पर्व 7 को और पूर्णिमा का स्नान-दान 8 दिसंबर को किया जाएगा। ज्योतिष के जानकारों का कहना है कि उदया तिथि में पूर्णिमा गुरुवार को रहेगी। इसलिए मार्गशीर्ष पूर्णिमा व्रत और पूजा 8 तारीख को किया जाना चाहिए।

अगले दिन यानी 9 दिसंबर से पौष महीना शुरू हो जाएगा।

7 दिसंबर को सिद्ध और सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा।

इन शुभ संयोग में भगवान ब्रह्म, विष्णु और शिवजी के अवतार दत्तात्रेय की पूजा की जाएगी।

इस तिथि पर भगवान दत्तात्रेय का जन्म प्रदोष काल यानी सूर्यास्त के समय हुआ था।

इसी समय इनकी पूजा की जाएगी।

ये नाथ संप्रदाय के भी भगवान हैं।
शुभ संयोगों में इनकी पूजा से हर तरह की परेशानियां दूर होती हैं।

8 दिसंबर को स्नान-दान और व्रत की पूर्णिमा

गुरुवार, 8 दिसंबर को पूर्णिमा तिथि सुबह तकरीबन 8:30 तक रहेगी। पूर्णिमा तिथि में सूर्योदय होने के कारण इसी दिन स्नान-दान और व्रत करना शुभ रहेगा। इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा और व्रत किया जाएगा। इस तिथि पर सूर्योदय से पहले उठकर पवित्र नदियों के जल से नहाने की परंपरा है। ऐसा न कर पाएं तो घर पर ही पानी में गंगाजल की कुछ बूंदे डालकर नहा सकते हैं।

9 दिसंबर से शुरू होगा पौष मास

गुरुवार को अगहन महीने का आखिरी दिन रहेगा।

इसके अगले दिन यानी 9 दिसंबर से हिंदी कैलेंडर का दसवां महीना, पौष मास शुरू हो जाएगा। इस पूरे महीने में सूर्य पूजा करने का विधान ग्रंथों में बताया है। पौष महीने के दौरान धनु संक्रांति रहेगी। ग्रंथों में इस पर्व का जिक्र करते हुए कहा गया है कि इस दिन सूर्य को अर्घ्य देने और व्रत करने से उम्र बढ़ती है। बीमारियां दूर होती हैं।

बुध ग्रह की राशि में बदलाव

3 दिसंबर को धनु राशि में बुध आ गया है। जो कि इसी महीने की 27 तारीख तक इस राशि में ही रहेगा। इसके बाद 16 दिसंबर को सूर्य भी धनु राशि में आ जाएगा। जिससे बुधादित्य शुभ योग बनेगा। गुरु की राशि में बुध के आने से इसका शुभ फल कुछ कम हो जाएगा। इसलिए कई लोगों के लिए आने वाला समय मिला-जुला रहेगा।

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र के मुताबिक बुध के प्रभाव से कर्क, वृश्चिक, कन्या और मीन राशि वालों के लिए अच्छा समय है। लेकिन तुला, मकर और कुंभ राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। वहीं, मेष वृष, मिथुन, सिंह और धनु राशि वालों के लिए मिला-जुला समय रहेगा। इस ग्रह के शुभ प्रभाव से देश की आर्थिक व्यवस्था मजबूत होगी। शेयर बाजार और कीमती धातुओं के दाम बढ़ सकते हैं।

शुभ : कर्क, वृश्चिक, कन्या और मीन राशि धनु राशि में बुध के आ जाने से कर्क, वृश्चिक, कन्या और मीन राशि वाले लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। इन राशियों के लोगों को जॉब और बिजनेस में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। रुका हुआ पैसा मिलने के भी योग बन रहे हैं। लेन-देन और निवेश में फायदा हो सकता है। इसके अलावा इन राशियों के लोग बड़े कामकाज की योजनाएं बनाएंगे। इन लोगों की तर्क शक्ति भी बढ़ेगी।

सामान्य : मेष वृष, मिथुन, सिंह और धनु राशि बुध के राशि परिवर्तन से मेष वृष, मिथुन, सिंह और धनु राशि वाले लोगों के लिए समय सामान्य रहेगा।

इन 5 राशि वाले लोगों के सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं। कामकाज को लेकर नए और बड़े लोगों से मुलाकात हो सकती है। रोजमर्रा के कामों में मेहनत भी ज्यादा करनी पड़ेगी। दौड़-भाग बनी रहेगी। साथ ही लेन-देन और निवेश सोच-समझकर करना होगा। सेहत के मामलों में इन राशि वालों को संभलकर रहना होगा।

अशुभ : तुला, मकर और कुंभ राशि धनु राशि में बुध के आने से तुला, मकर और कुंभ राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इन 3 राशियों के लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

सेविंग खत्म होने और निवेश में नुकसान होने की आशंका है। लेन-देन में भी सावधानी रखनी होगी। किस्मत का साथ नहीं मिल पाएगा। नसों से संबंधी रोग हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के कामकाज में बदलाव और स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

पौष मास जानें सूर्य देव की पूजा और पिंडदान का महत्व

साल का आखिरी माह पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यो के लिए बहुत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। अभी मार्गशीर्ष माह चल रहा है, जो 8 दिसंबर को मार्गशीर्ष पूर्णिमा से साथ समाप्त हो जाएगा। वहीं 9 दिसंबर से पौष मास शुरू हो जाएगा। आइए जानते हैं कि पौष मास का ज्योतिष शास्त्र और धर्म में क्या महत्व और मान्यता है।

पौष मास का महत्व

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पौष मास सूर्य देव की उपासना का महीना होता है। मान्यता है कि इस मास में सूर्य को अर्घ्य देनें और विधि-विधान से पूजा करने पर मनोकामनाएं पूरी होती हैं और पुण्यफल की प्राप्ति होती है। वहीं यह भी मान्यता है कि इस माह में सूर्य देव की पूजा करने से बुद्धि,विवेक, ऊर्जा और आर्थिक समृद्धि बढ़ती है। पौष मास में रविवार को व्रत रखना भी फलदायी होता है। इससे सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होने की मान्यता है। पौष मास 9 दिसंबर 2022 से शुरू होकर 7 जनवरी 2023 को समाप्त होगा।

पौष मास में पिंडदान का महत्व

ज्योतिष शास्त्र और मान्यता के अनुसार पौष मास में पिंडदान और तर्पण करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। जब सूर्य धनु राशि में प्रवेश करते हैं, तो पिंडदान का महत्व बढ़ जाता है। मान्यता है कि पितरों का तर्पण करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। साथ ही पितरों का आशीर्वाद भी मिलता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पौष मास पूजा-पाठ के लिए शुभ होता है, लेकिन इस माह में कोई भी नया कार्य शुरू करना अशुभ माना जाता है। इस मास को अशुभ मास कहा जाता है। मान्यता है कि इस माह में कोई भी कार्य शुरू करने पर उसमें सफलता नहीं मिलती है।

-सूर्य देव की पूजा करें।
-पितरों का तर्पण करें।
-दान करें।
-गायंत्री मंत्र का जाप करें।
-कोई भी नया कार्य न शुरू करें।
-इस मास में कोई भी मांगलिक कार्य न करें।
-भूमि पूजन, गृह प्रवेश, मुंडन संस्कार आदि शुभ कार्य न करें।

साउथ फिल्मों में डेब्यू की तैयारी में हैं कार्तिक आर्यन!

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म 'फ्रेडी' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। 'फ्रेडी' को लोगों से अच्छे रिस्पांस मिल रहे हैं। 'फ्रेडी' के बाद एक्टर अब अपनी अगली फिल्मों की तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच कार्तिक आर्यन ने साउथ फिल्मों में डेब्यू करने का खुलासा किया है। इसके साथ ही एक्टर ने बताया है कि उन्हें इन कुछ खास भाषाओं की फिल्मों में काम करना चाहते हैं।

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के टॉप एक्टर्स में गिने जाते हैं। कार्तिक ने कहा कि वे हमेशा से ही नंबर वन एक्टर बनना चाहते थे और बॉलीवुड में अपने दम पर खुद के लिए एक अलग जगह बनाना चाहते थे। वे फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बनना चाहते हैं। कार्तिक का मानना है कि वे उस मुकाम तक पहुंच रहे हैं, जहां वह खुद को देखना चाहते थे। फिलहाल एक्टर अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में काफी बिजी हैं।

दरअसल, कार्तिक आर्यन ने इंटरव्यू के दौरान बताया, 'मैं किसी भी भाषा की फिल्मों में काम करने के लिए तैयार हूं लेकिन यह बात पूरी तरह से फिल्म की स्क्रिप्ट पर निर्भर करती है। अगर, अपनी पसंद की बात करूं तो मैं तेलुगू या तमिल फिल्मों में काम करना चाहता हूं। मैं फिल्मों में अपने अभिनय के जरिए फिल्ममेकर्स को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि फिल्म में कोई और मुझसे बेहतर भूमिका नहीं निभा सकता था।' ओटीटी पर रिलीज हुई कार्तिक स्टारर 'फ्रेडी' को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। एक्टर की आने वाली फिल्मों की बात करें तो वे फिल्म 'शहजादा', 'सत्यप्रेम की कथा', 'आशिकी थ्री' और 'कैप्टन इंडिया' में नजर आने वाले हैं।

मलाइका ने किया था अरबाज को शादी के लिए प्रपोज : बोलीं- हमारे रिश्ते दबंग के बाद खराब हुए, हर बात पर बहस होती थी

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में अपने शो 'मूविंग इन विद मलाइका' में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की। शो में मलाइका ने खुलासा किया कि उनके रिश्ते अरबाज के साथ कैसे हो गए थे और उन्होंने अरबाज से तलाक क्यों लिया? साथ ही मलाइका ने ये भी शेयर किया कि उन्होंने अरबाज से सिर्फ इसलिए शादी की थी, क्योंकि वो अपने घर से बाहर निकलना चाहती थीं।

मलाइका ने कहा, 'मैं वही हूं जिसने अरबाज को प्रपोज किया था। ये बात कोई नहीं जानता है। अरबाज ने मुझे प्रपोज नहीं किया था। मैंने वास्तव में उनसे ये कहा था कि 'मैं शादी करना चाहती हूं। क्या आप तैयार हैं?' बड़े प्यार से वो (अरबाज) मुड़े और मुझसे कहने लगे कि 'तुम दिन और जगह चुन लो।'

मलाइका ने आगे कहा, 'उस समय मैं बहुत छोटी थी। मैं भी बदल गई। मैं लाइफ में अलग चीजें चाहती थी और मुझे लगता है कि वास्तव में आज हम बेहतर लोग हैं। दबंग की रिलीज तक हमारे बीच चीजें ठीक थीं, लेकिन उसके बाद हम लोग बहुत चिड़चिड़े हो गए और अलग होने लगे। हमारी हर बात पर बहस होती थी।' इस दौरान फराह ने भी माना कि दबंग के बाद से वो दोनों अलग होने लगे थे।

शादी के 19 साल बाद मलाइका-अरबाज का हुआ था तलाक

मलाइका अरोड़ा ने 1998 में एक्टर अरबाज खान से शादी की थी, जिससे उन्हें एक बेटा अरहान है। शादी के 19 साल बाद कपल ने 2017 में तलाक लिया था। तलाक के बाद भी मलाइका और अरबाज अक्सर अपने बेटे के साथ स्पॉट किए जाते हैं। मलाइका ने तलाक के समय अरबाज से 15 करोड़ रुपए की एलिमनी ली थी। तलाक के बाद से ही मलाइका अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं, जबकि अरबाज खान मॉडल जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट कर रहे हैं।

मशहूर एक्ट्रेस का एक्सीडेंट, कार को घसीटता हुआ ले गया ट्रक, सदमे में अभिनेत्री!

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हेतल यादव का एक्सीडेंट हो गया है। बता दें हेतल बीते दिन शूटिंग से घर लौट रही थी उसी दौरान हेतल की कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी जिसेक बाद एक्ट्रेस सदमे में चली गई थीं। हेतल यादव ने बताया कि, वह रविवार रात लगभग 8:45 बजे पैक करके फिल्म सिटी से निकली थीं। जैसे ही एक्ट्रेस जेवीएलआर हाईवे पर पहुंची वहां एक ट्रक ने उनकी कार को पीछे से टक्कर मार दी थी।

इस हादसे में उनकी कार फ्लाईओवर के किनारे पहुंच गई थी और हाईवे से नीचे गिरने वाली थी। लेकिन उन्होंने किसी तरह खुद में हिम्मत दिखाई और कार को रोका और तुरंत अपने बेटे को कॉल कर पुलिस को सूचना देने के लिए बोला। खबरों के अनुसार इस घटना के बाद एक्ट्रेस सदमे में चली गई थीं। राहत की बात है कि हादसे से एक्ट्रेस को कोई नुकसान नहीं हुआ और न ही कही चोट आई है। उन्होंने इसके लिए ईश्वर का शुक्रिया अदा भी किया। एक्ट्रेस ने कहा- शुक्र की बात ये है कि मुझे चोटें नहीं आईं। लेकिन वो सदमे में चले गई थी।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में किया था काम

हेतल यादव टीवी इंडस्ट्री का जान-माना नाम है। एक्ट्रेस 'इमली' में शिवानी राणा का रोल निभा रही हैं। हेतल ने पॉपुलैरिटी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में 'ज्वाला' के किरदार भी निभाया है। हेतल यादव ने इंडस्ट्री में एक डांसर के तौर पर करियर की शुरुआत की थी। लेकिन बाद में वह एक्टिंग में चली गईं।

पलक तिवारी का बीटीएस वीडियो देख फैंस बोले- मां की कॉपी

श्वेता तीवारी की बेटी पलक तिवारी के बॉलीवुड डेब्यू का फैंस को इंतजार है। पलक बॉलीवुड के 'दबंग' सलमान खान के साथ फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से हिंदी सिनेमा जगत में डेब्यू करने वाली हैं। लेकिन डेब्यू से पहले ही पलक की सोशल मीडिया फैन फॉलोइंग टॉप की एक्ट्रेसेस के बराबर हो चुकी है। पलक भी अपने फैंस को सोशल मीडिया पर गजब-गजब सरप्राइज देती रहती हैं। हाल ही में पलक ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने अपने परफेक्ट टोंड फिगर को फ्लॉन्ट करते हुए देसी लुक दिखाया है।

पलक का देसी लुक वाला बीटीएस वीडियो फैंस को खूब पसंद आ रहा है। वीडियो में पलक तिवारी एथनिक वियर में प्रिंटेड ब्लैक ब्रालेट टॉप और स्कर्ट में कैमरे के सामने पोज देती दिख रही हैं। प्लंजिंग नेकलाइन टॉप और स्कर्ट में पलक तिवारी के इस वीडियो पर फैंस कमेंट करते हुए उनकी तारीफ कर रहे हैं। पलक तिवारी खूबसूरती के मामले में अपनी मां श्वेता को भी टक्कर देती हैं। पलक ने कम समय में ही एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली है। बॉलीवुड डेब्यू से पहले ही पलक ने साबित कर दिया है कि वो जबरदस्त एक्ट्रेस हैं।

पलक तिवारी ने हार्डी संधू संग 'बिजली बिजली' म्यूजिक वीडियो से डेब्यू किया था। इस वीडियो में पलक को देखकर सभी की निगाहें उन पर अटक सी गई थीं। खूबसूरती और डांस के मामले में पलक का कोई मुकाबला नहीं है। पलक के करियर की बात करें तो उन्होंने हाल ही में सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' की शूटिंग पूरी की है। पलक इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'दि वर्जींट्री' की शूटिंग पुणे में कर रही हैं। बीते दिनों ही पलक ने फिल्म के शूटिंग सेट से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इस फिल्म में पलक तिवारी बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

'पिप्पा' में ईशान खट्टर की बहन बनने की हुई आलोचना, मृणाल ठाकुर ने अब कही ये बात

दुलकर सलमान के साथ 'सीता रामम' से तेलुगू में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कहा कि उनके लिए यह साल काफी शानदार रहा है और यह उनके लिए हमेशा खास रहेगा. अभिनेत्री कृतज्ञता से भर जाती है. टेलीविजन से अपने करियर की शुरूआत करने वाली मृणाल ने रुपहले पर्दे पर कदम रखा है और 'धमाका', 'जर्सी', 'बाटला हाउस' जैसी फिल्में दी हैं और वर्तमान में बहुप्रतीक्षित, 'पिप्पा' की प्रतीक्षा कर रही हैं.

अपने साल के बारे में बताते हुए मृणाल ने कहा, "मेरे लिए 2022 शानदार रहा है और यह साल मेरे लिए हमेशा खास रहने वाला है. अगले साल कुछ शानदार प्रोजेक्ट आने वाले हैं. अब मैं 'पिप्पा' का इंतजार कर रही हूं. जिसके साथ जुड़कर मुझे बहुत खुशी हुई है. यह मेरे लिए एक संतोषजनक वर्ष रहा है."

'पिप्पा' में ईशान खट्टर भी हैं और यह गरीबपुर की लड़ाई पर आधारित है जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान लड़ी गई थी. उन्होंने आगे कहा, "यह सिर्फ आभार है कि मुझे जो प्यार मिल रहा है, उसके लिए मैं अभी महसूस कर रही हूं. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं फिल्मों का हिस्सा होने के कारण एक अभिनेत्री के रूप में इतनी बड़ी हो गई हूं, जो एक-दूसरे से बहुत अलग हैं."

अभिनेत्री के पास 'पूजा मेरी जान' भी है, जो पूजा नाम की एक लड़की के बारे में है, जिसका उनके एक अज्ञात प्रशंसक द्वारा पीछा किया जा रहा है. इसके अलावा, उनके पास अभिमन्यु दासानी के साथ पारिवारिक कॉमेडी फिल्म 'आंख मिचोली', आदित्य रॉय कपूर के साथ 'लस्ट स्टोरीज 2' और 'गुमराह' है, जहां वह पहली बार एक पुलिस वाले की भूमिका में नजर आएंगी, जो अगले साल के लिए तैयार है.

उर्फी जावेद को परेशान कर रहा एक लड़का, फोटो शेयर कर बोलीं- 'पैरेंट्स का नाम बताने वाले को दूंगी इनाम'

अपने फैशन, कपड़ों और बेबाक अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहने वाली एक्ट्रेस उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ पोस्ट करती रहती हैं. अपनी बोल्ड तस्वीरों और वीडियो को लेकर ट्रोल होने वालीं उर्फी जावेद ने फिर से कुछ ऐसा कहा जिसकी वजह से वो चर्चा में है. चेतन भगत से लेकर चाहत खन्ना तक को फटकार लगा चुकीं उर्फी ने अब गाली देने वाली युवाओं को आड़े हाथ लिया है. सोशल मीडिया पर ऐसे टीनएजर्स से परेशान हो चुकीं उर्फी ने कहा कि न्यूज जनरेशन बर्बाद हो गई है.

उर्फी जावेद ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कई ऐसे यूजर्स का पर्दाफाश किया है, जो उन्हें अपशब्द कहकर परेशान कर रहे हैं. उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'ये बच्चा और उसके दोस्त मुझे लगातार कॉल कर रहे हैं. पता नहीं उन्हें मेरा नंबर कहां से मिला. मैं 10 नंबरों के बजाए एक नंबर का ही इस्तेमाल कर रही हूं और वो मुझे कॉल कर रहे हैं. आजकल के बच्चों को क्या हो गया है? बिना किसी कारण मुझे परेशान किया जा रहा है. इनमें से 10 के खिलाफ मैं पुलिस में शिकायत करने जा रही हूं. अगर कोई इनके पैरेंट्स को जानता है तो वो मुझे बताएं, मैं उन्हें इनाम दूंगी.'

उर्फी ने अपनी अगली स्टोरी में लिखा, 'न्यूज जनरेशन बर्बाद हो गई है. ये बच्चा बड़े गर्व के साथ मेरी स्टोरी को फिर से पोस्ट कर रहा है. ये और उसके दोस्त लड़कियों को कॉल करते हैं और उन्हें गाली देते हैं. अपने किए पर पछताने की बजाए वो मजे लेते हैं.' गौरतलब है कि पहले भी कई बार उर्फी जावेद ट्रोलर्स को

मुंहतोड़ जवाब दे चुकी हैं. उर्फी से पहले टीवी एक्ट्रेस करिश्मा सावंत ने भी ऐसे यूजर्स के बारे में बताया था,जो उन्हें गाली दे रहे थे. बाद में पता चला कि वो अकाउंट एक स्कूल जाने वाली लड़की का था, जो लोगों को ऐसे मैसेज करती थी.

दिव्या अग्रवाल ने ब्रेकअप के बाद बिजनेसमैन संग की सगाई

'बिग बॉस ओटीटी' की विनर दिव्या अग्रवाल एक बार फिर से चर्चा में आ गई हैं. प्रियांक शर्मा, वरुण सूद को डेट करने के बाद अपने जन्मदिन पर एक्ट्रेस ने अपूर्व पडगांवकर से सगाई कर ली है. जन्मदिन के दिन सगाई करने के बाद दिव्या ने मंगेतर के सामने पैपराजी के सामने अपनी अंगूठी दिखाते हुए सगाई की जानकारी दी है. अपने 30वें बर्थडे के मौके पर वह अपने बॉयफ्रेंड अपूर्व पडगांवकर के साथ नजर आईं. 9 महीने पहले ही उनका वरुण सूद के साथ ब्रेकअप हुआ था.

दिव्या अग्रवाल ने 5 दिसंबर 2022 को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपूर्व पडगांवकर के साथ अपने रिश्ते पर मुहर लगाई है. एक्ट्रेस को बर्थडे पर अपूर्व से एक सुंदर प्रपोजल मिला और उन्होंने अपूर्व से सगाई कर ली. सामने आईं तस्वीरों में दिव्या अग्रवाल ने रिंग फ्लॉन्ट करते हुए अपूर्व के साथ कई रोमांटिक फोटोज शेयर की हैं. पर्पल कलर की ड्रेस में दिव्या बहुत खूबसूरत लग रही हैं. वहीं, ब्लैक आउटफिट में अपूर्व भी डैपर लग रहे हैं. इन तस्वीरों को शेयर करते हुए दिव्या ने कैप्शन में लिखा है, "क्या मैं कभी मुस्कुराना बंद कर दूंगी? शायद नही. जीवन में और अधिक चमक आ गई और मुझे इस जर्नी को शेयर करने के लिए सही व्यक्ति मिल गया है. उनकी #BaiCo. हमेशा के लिए वादा. इस इंपोर्टेंट दिन से, मैं कभी अकेला नहीं चलूंगी." दिव्या के इस पोस्ट पर सेलेब्स और फैंस रिएक्शन दे रहे हैं।

विक्रम भट्ट की बेटी ने वेदांत संग की सगाई तस्वीरें साझा करते भावुक हुए डायरेक्टर

फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट की बेटी कृष्णा भट्ट ने हाल ही में वेदांत सारदा संग सगाई कर ली है. बेटी के स्पेशल डे पर विक्रम भट्ट खुश होने के साथ-साथ इमोशनल भी नजर आए. उन्होंने बेटी और दामाद की फोटोज को शेयर कर एक लंबा पोस्ट लिखा है. विक्रम भट्ट ने अपने इंस्टा से चार तस्वीरें शेयर की हैं। जिनमें से एक में वह अपनी बेटी को प्यार से गले लगाए दिख रहे हैं, जबकि बाकी तस्वीरों में कृष्णा भट्ट और वेदांत को साथ में देखा जा सकता है, जिनमें से एक तस्वीर ब्लैक एंड व्हाइट में हैं जबकि दूसरी में दोनों को एक दूसरे के साथ मुस्कुराते हुए हाथ जोड़े देखा जा सकता है.

विक्रम ने कैप्शन दिया, "शादी करने के लिए सगाई !! और मैंने उसे दूर कर दिया 'छत पर फिडलर के शब्दों में. क्या यह वही छोटी लड़की है जो मेरे पास थी? मुझे याद नहीं मैं बूढ़ा हो गया हूं. वह कब इतनी खूबसूरत बन गई? वह कब इतनी बड़ी हो गई? क्या यह कल नहीं था जब वे छोटे थे? सूर्योदय, सूर्यास्त, सूर्योदय, सूर्यास्त, तेजी से दिन बहते हैं, अंकुर रात भर में सूरजमुखी में बदल जाते हैं, यहां तक कि हम टकटकी लगाकर देखते हैं. सूर्योदय, सूर्यास्त, सूर्योदय, सूर्यास्त, तेजी से साल उड़ते हैं, एक के बाद एक मौसम, साथ खुशी और आंसू." उन्होंने फिल्म फिडलर ऑन द रूफ के सनराइज, सनसेट गाने के बोल साझा किए'.

गौरतलब है कि कृष्णा, विक्रम और उनकी पूर्व पत्नी अदिति भट्ट की बेटी हैं. 1998 में विक्रम और अदिति का तलाक हो गया था. कथित तौर पर उन्होंने श्वेतांबरी सोनी से शादी की. विक्रम की आखिरी निर्देशित फिल्म जुदा होके भी थी, जो इस साल जुलाई में रिलीज हुई थी. कृष्णा और वेदांत ने भी इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया. उन्होंने अपने सगाई समारोह से तस्वीरें साझा कीं. दोनों ने पोस्ट को कैप्शन दिया, "एक मानसून रोमांस जिसकी परिणति सर्दियों की सगाई में हुई. गर्मियों की अनंतता देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता."

शौक होना जरूरी है? लेकिन तारीफ पाने या देखादेखी में नहीं

शौक़ के बारे में पूछे जाने पर क्या आप संकोच में पड़ जाते हैं कि क्या कहें और क्या नहीं? क्या किसी फॉर्म में अभिरुचियों वाला कॉलम भरना आपको एक भारी-भरकम काम मालूम होता है? क्या दूसरों को बहुतेरी रचनात्मक अभिरुचियों में मसरूफ़ देखकर आपका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है? क्या आप किसी भी नई कला/विधा में सिर्फ इसलिए जुट जाते हैं कि आप भी दूसरों की तरह नज़र आएं? अगर इनमें से कोई भी सवाल आपके ज़ेहन को परेशान करता है, तो ज़रा ठहर जाइए। एक लम्बी सांस लीजिए और सोचिए कि आख़िर सचमुच आपकी कोई हॉबी है या नहीं।

सबसे पहले यह समझा जाना ज़रूरी है कि हॉबी है क्या। दरअसल हॉबी, शौक़ या अभिरुचि उसे कहा जाना चाहिए, जिसे करने के लिए आप इंतज़ार करें, या जो करना आपको संतुष्टि से भर जाता हो। फोन स्क्रॉल करना, वीडियो गेम्स खेलना या इंटरनेट पर ब्राउज़ करते रहना पास टाइम या इंट्रेस्ट हो सकता है, हॉबी नहीं।

नहीं डालें ख़ुद पर बोझ

अधिकतर लोग कोई नई भाषा सीखते हैं, चित्र बनाते हैं, पॉटरी करते हैं, नया वाद्य बजाना सीखते हैं, अथवा कुछ ऐसा करना शुरू करते हैं जिसमें उनका मन रुचता है। यह सोशल मीडिया का समय है, तो ज़ाहिर है वे इसकी तस्वीरें भी साझा करते हैं।

हर किसी के लिए ख़ुशी का पैमाना अलग होता और वजह भी। आपकी ख़ुशी का ज़रिया ख़ुद आपके अलावा कौन खंगाल सकता है भला! उदाहरण के लिए, किसी को मैराथन में दौड़ने में मज़ा आता है, किसी को बेकिंग में रस मिलता है, कोई पहाड़ चढ़ने में आनंद महसूस करता है, तो मुमकिन है कि किसी को महज़ क़ुदरत को निहारने, अकेले बैठने या किसी क़रीबी दोस्त के साथ बतियाने में ही रस मिल जाता हो।

आत्मविश्वास पर आंच न आए

सम्भव है कि आपके इर्द-गिर्द ऐसे प्रश्न मंडराते हों- क्या तुम बाहर घूमने नहीं जाते? क्या तुम्हारा कोई दोस्त नहीं है? तुममें कुछ नया करने की इच्छा क्यों नहीं है? तुम कुछ नया शुरू तो करते हो, लेकिन लम्बे वक़्त तक कहीं मन क्यों नहीं लगा पाते? अव्वल, इन प्रश्नों से घबराएं नहीं। आपका व्यक्तित्व दूसरों की सराहना का मोहताज नहीं है। दूसरों के बजाय यह प्रश्न आप स्वयं से करेंगे तो बेहतर और सच्चे जवाब मिलेंगे।

अपनी गति से ही चलें

यदि आप किसी की हॉबी देखकर यह महसूस करते हैं कि आपको भी यह करना चाहिए, तो इसे धीरे-धीरे करना शुरू करें और इत्मीनान से यह देखें कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जो भी करें, अपनी रफ़्तार से करें।

आलस्य या बहाना तो नहीं

यह भी ग़ौर करें कि किसी नई अभिरुचि से आपके कतराने का कारण कहीं आपका आलस्य या लापरवाही भरा व्यवहार तो नहीं है। सम्भव है कि आप कुछ नया करना तो चाहते हैं, लेकिन ख़ुद ही कुछ बहाने बनाकर पीछे हट जाते हैं। स्वयं के प्रति ईमानदार और पारदर्शी व्यवहार रखें। यदि आलस्य आपको कुछ नया आज़माने से रोक रहा है, तो एक बार ख़ुद अपनी पीठ थपथपाइए और आगे बढ़िए।

अभिरुचि बने आपका दर्पण

कोई भी व्यक्ति फ़ुरसत में क्या करता है, या कहें उसकी हॉबीज़ क्या हैं, यह उसके व्यक्तित्व के विषय में बहुत कुछ अभिव्यक्त करता है। आप कोई भी शौक़ रखें, किसी भी अभिरुचि को वक़्त दें, लेकिन अपने प्रति ईमानदारी बरतें।

ब्वॉयफ्रेंड की याद आने पर क्या करती हैं लड़कियां

लड़का हो या लड़की दोनों के दिल में तब बहुत टीस होती है जब उनका पार्टनर उनके साथ नहीं होता है. ऐसे में मन करता है कि दौड़कर अपने पार्टनर के पास जा सकें. ऐसे में हम आपको बताएंगे कि आखिर लड़कियां क्या करती हैं जब उन्हें अपने पार्टनर की याद सताती है.

गर्ल्स सीक्रेट

हर किसी के जीवन में प्यार का अलग महत्व होता है. मां, बाप, दोस्तो व भाईबहनों का प्यार सभी के लिए अलग अलग होता है. लेकिन गर्लफ्रेंड और ब्वॉयफ्रेंड वाले प्यार की बात थोड़ी अलग होती है. इसमें पार्टनर एक दूसरे से सबकुछ शेयर कर सकते हैं जिसे वह किसी और से शेयर नहीं कर सकते. लड़का हो या लड़की दोनों के दिल में तब बहुत टीस होती है जब उनका पार्टनर उनके साथ नहीं होता है. ऐसे में मन करता है कि दौड़कर अपने पार्टनर के पास जा सकें. ऐसे में हम आपको बताएंगे कि आखिर लड़कियां क्या करती हैं जब उन्हें अपने पार्टनर की याद सताती है.

अकेले में क्या करती हैं लड़कियां

लड़कियां जब अपने पार्टनर से नहीं मिल पाती और उन्हें अपने पार्टनर की याद सताती हैं तो वे अपने लव से फोन पर बात करती हैं.

प्रोफाइल देखती हैं लड़कियां

अगर लड़कियों का पार्टनर उनसे दूर होता है तो ऐसे में गर्लफ्रेंड अपने ब्वॉयफ्रेंड की प्रोफाइल या तस्वीरों को देखती हैं.

भेजती हैं रील्स

अपने पार्टनर को मिस करने के दौरान लड़कियां उन्हें मैसेज करती हैं या व्हाट्सऐप पर रील्स भेजती हैं.

लंबी बात करने के लिए बहाने

जब लड़की का ब्वॉयफ्रेंड बिजी होता है और गर्लफ्रेंड उनसे किसी न किसी बहाने से लंबी बात करना चाहती हैं.

ब्वॉयफ्रेंड्स के पसंदीदा गानों को सुनती हैं

लड़कियां अकेले में उन गानों को सुनना पसंद करती हैं और सुनती हैं जो उनके ब्वॉयफ्रेंड को पसंद होती हैं या ऐसे गाने सुनती हैं जिनसे उन्हें अपने पार्टनर की कल्पना करना आसान होता है.

देखती हैं सपने

लड़कियां अकेलेपन में अपने पार्टनर के साथ को लेकर सपने देखती हैं. अपने ब्वॉयफ्रेंड को पति के तौर पर वह हर जगह इमैजिन करती हैं.

इवेंट करती हैं प्लान

लड़कियां अकेलेपन में जब अपने ब्वॉयफ्रेंड को मिस करती हैं तब वे रोमांटिक हॉलीडे के बारे में सोचती हैं और अगर ब्वॉयफ्रेंड का बर्थडे आ रहा हो या कोई इवेंट हो तो उसके बारे में तैयारियां करने में लगी रहती हैं.

पानी में मिलाकर लगाएं ये 3 चीजें, बालों की ग्रोथ होगी जल्दी

अक्सर लोग बालों के विकास के लिए ना जानें कौन-कौन से तरीकों को अपनाते हैं. ऐसे में आपको बता दें कि यदि पानी में कुछ चीजों को मिलाकर बालों को धोया जाए तो इससे न केवल बालों की ग्रोथ हो सकती है बल्कि बालों को डैमेज होने से बचाया भी जा सकता है. आज का हमारा लेख इन्हीं तरीकों पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि किन चीजों के पानी से बालों को धोने से बाल सुंदर और जानदार बन सकते हैं।

बालों का विकास कैसे करें

अलसी के पानी के अंदर विटामिन ई और प्रोटीन दोनों ही भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. ऐसे में अगर अलसी के पानी से बालों को धोया जाए तो बालों का विकास हो सकता है. आप दो गिलास पानी में 2 बड़े चम्मच अलसी को भिगोएं और रात भर भिगोने के बाद अगले दिन छानकर बाल धोएं. ऐसा करने से बालों की कई समस्याएं दूर हो सकती हैं.

नींबू के पानी के इस्तेमाल से भी बालों को अच्छा बनाया जा सकता है. ऐसे में आप पानी में नींबू को निचोड़ें और बने मिश्रण से हफ्ते में दो या तीन बार बालों को धोएं. ऐसा करने से ना केवल बालों का विकास हो सकता है बल्कि जड़ों को भी मजबूती मिल सकती है.

चावल का पानी बालों के लिए बेहद उपयोगी है. ऐसे में आप चावल को भिगोकर पानी का इस्तेमाल करें. इससे न केवल बालों को मजबूती मिलती है बल्कि बालों की भी बढ़ाने में भी उपयोगी है.

अच्छे सहकर्मी बनने के लिए रखें छोटी-छोटी बातों का ध्यान

इससे दफ्तर का माहौल अच्छा रहेगा, बहसबाजी और मनमुटाव से भी बचेंगे

कई महीनों की मेहनत के बाद प्रियंका को पहली नौकरी मिल गई थी। दफ़्तर में लोगों के साथ काम करने का यह उसका पहला अनुभव होने वाला था। उसे नौकरी पाने की ख़ुशी तो थी, लेकिन मन-ही-मन वह डर भी रही थी। सोच रही थी कि पता नहीं ऑफ़िस के लोग कैसे होंगे? न जाने वे कैसा व्यवहार करेंगे?

प्रियंका की तरह कई लोग ऐसी स्थिति से गुज़रते हैं। लोग सोचते रहते हैं कि उन्हें अच्छे सहकर्मी मिलें। ऑफ़िस में हर रोज़ 8-9 घंटे काम करते रहने के लिए ज़रूरी है कि अच्छा माहौल मिले। इसलिए कोशिश दोनों तरफ़ से करनी होगी। सहयोगी आपके साथ अच्छा व्यवहार करें इसके लिए आपको भी उनके साथ शिष्टाचार बरतना होगा। कई बार कुछ आदतों के कारण सहकर्मियों के साथ रिश्ते ख़राब हो जाते हैं। इसलिए इन आदतों से दूरी बनाए रखें।

कर दी है तो इस बारे में बैठकर बात कर लें। लेकिन आप उसे अपमानित नहीं कर सकते। हमेशा शालीनता और मर्यादा बनाए रखें।

सीट पर बैठकर लंबी बातें न करें

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे फोन आने पर बाहर जाकर बात करने के बजाय वहीं सीट पर बैठकर बातें करते हैं। कई बार ये बातें काफ़ी समय तक चलती हैं, जिस कारण पास बैठकर कार्य कर रहे सहकर्मी का ध्यान भटकता है। इसलिए फोन आने पर बाहर जाकर बात करें, ताकि कोई और डिस्टर्ब न हो।

बिना पूछे कुछ इस्तेमाल न करें

एक अच्छे कर्मचारी को इस बात का ख़्याल रखना चाहिए कि वह बिना पूछे अपने सहयोगियों के सामान का इस्तेमाल न करे। अगर ज़रूरत पड़ने पर कोई सामान इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो पहले उनसे अनुमति लें और फिर इस्तेमाल करें।

अपना सामान अपनी जगह रखें

कई लोगों की आदत होती है कि वे अपने सामान को पास बैठे सहकर्मियों की डेस्क पर रख देते हैं। इसके चलते उनके बीच खटपट हो सकती है, क्योंकि दफ़्तर में सामान रखने के लिए सभी को एक निश्चित जगह मिलती है और कोई भी अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं करता। अगर आप उनकी जगह पर अपना सामान रखेंगे, तो वे अपना सामान कहां रखेंगे? शुरुआत में बेशक वे कुछ न कहें, लेकिन कुछ समय बाद इन छोटी-छोटी बातों को लेकर मनमुटाव हो सकता है।

तेज़ आवाज़ में संगीत न सुनें

कई बार ऐसा होता है कि आप कार्य करते हुए थक जाते हैं और कुछ देर संगीत सुनकर तरोताज़ा महसूस करना चाहते हैं। ऐसे में आप फ़ोन या लैपटॉप में स्पीकर पर संगीत सुन रहे होते हैं, लेकिन इस वजह से पास बैठे सहकर्मियों को काम करने में समस्या हो सकती है। संगीत मन को शांति पहुंचाता है, लेकिन किसी दूसरे के लिए ये शोर का सबब बन सकता है। इसलिए दफ़्तर में संगीत सुनने के लिए हमेशा ईयरफ़ोन का इस्तेमाल करें।

हमेशा साथियों का सम्मान करें

बातचीत करते समय ध्यान रखना चाहिए कि आपकी बातों से किसी के सम्मान को ठेस न पहुंचे। सामने वाले ने यदि कोई ग़लती भी

सर्दी में रोजाना ड्राई फ्रूट्स को भिगोकर खाना जरूरी है

सर्दी आते ही ज्यादातर लोग ड्राई फ्रूट्स डेली डाइट में एड कर देते हैं। ड्राई फ्रूट्स का हलवा, लड्डू घर-घर में बन जाते हैं वो भी शुद्ध घी डालकर। जिन्हें यह सब पसंद नहीं वो सुबह उठते ही मुट्ठी भर ड्राई फ्रूट्स खाते हैं। जो नहीं खा रहे हैं उन्हें दूसरे खाने की सलाह भी देते हैं।

कुल मिलाकर ड्राई फ्रूट्स खाना सर्दी के मौसम में जरूरी है यह हम सब हमेशा से जानते हैं। पर क्या कभी आपने सोचा है कि ड्राई फ्रूट्स खाने का सही तरीका भी है। लिवर और किडनी की बीमारी वालों को काजू-बादाम खाने चाहिए या नहीं? यह सारी बातें हम आज जरूरत की खबर में जानेंगे।

एक व्यस्क व्यक्ति यानी एडल्ट 15 से 20 ग्राम तक ड्राई फ्रूट्स खा सकता है। कुछ लोग हर दिन एक ही नट खाते हैं, उन्हें नीचे लिखी मात्रा में ही लें, जैसे-

बादाम- 4 से 5
अखरोट- 2
काजू- 3 से 4
पिस्ता- 4 से 5
किशमिश या मुनक्का- 7 से 8
खजूर- 2

ड्राई फ्रूट्स में नेचुरल शुगर होता है। ज्यादा मात्रा में ड्राई फ्रूट्स लेने से उनमें मौजूद फ्रुक्टोज शरीर में अधिक हो सकते हैं, जिससे शुगर लेवल बढ़ सकता है। यही नेचुरल शुगर दांतों को भी नुकसान पहुंचाते हैं। किशमिश जैसे ड्राई फ्रूट्स दांतों में फंस और चिपक भी सकते हैं। इससे भी कीड़े लगने की आशंका बनी रहती है।

60 साल के बुजुर्ग में डाइजेस्टिव सिस्टम कमजोर हो जाता है। मेटाबॉलिक रेट स्लो हो जाता है। इस वजह से ड्राई फ्रूट्स आसानी से नहीं पचते हैं। इसलिए कम मात्रा में इन्हें खाना चाहिए। जैसे- दो बादाम, एक अखरोट, एक खजूर दो से तीन पिस्ता खा सकते हैं। अगर ये भी नहीं पच पाते तो ड्राई फ्रूट्स खिलाना इग्नोर ही करें।

ड्राई फ्रूट्स की तासीर गर्म होती है। इसलिए इन्हें भिगोकर खाने की सलाह दी जाती है। खाने के छह घंटे पहले ड्राई फ्रूट्स भिगो दें। भिगोए हुए ड्राई फ्रूट्स को खाने से डाइजेशन रिलेटेड कोई प्रॉब्लम नहीं होगी। इनमें मौजूद टैनिन और फाइटिक एसिड भी निकल जाता है जिससे शरीर में इसके पोषक तत्व आसानी से अब्जॉर्व हो जाते हैं। जो लोग इसे भिगोकर नहीं खाते उन्हें इससे कोई ज्यादा नुकसान नहीं होगा। हां, इतना जरूर है कि भिगोकर खाने से ज्यादा फायदा मिलेगा।

किसी भी चीज की ओवरईटिंग नुकसान कर सकती है। ड्राई फ्रूट्स ऐसे तो हेल्दी होते हैं लेकिन कुछ लोगों को यह नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। ज्यादा डिटेल में जानने के लिए पिक्चर देखें।

ड्राई फ्रूट्स खाने का वैसे तो कोई खास समय नहीं है। अगर आप रात में भिगोकर इसे सुबह खाली पेट खाएं तो पूरा फायदा मिलेगा।

सर्दी के दिनों में एक लड्डू में 5 से 6 कैलोरी होती है। इसमें ड्राई फ्रूट्स के साथ गुड़ और घी होता है। घी और ड्राई फ्रूट्स फैट बढ़ाते हैं। टेस्टी होने की वजह से लोग एक दिन में दो-तीन बार खा लेते हैं। यही हमारी सेहत को नुकसान करने लगता है।

इसके साथ याद रखें कि अगर आपका वजन कम है और आपको वजन बढ़ाना है तब यह आपके लिए हेल्दी है। एक्स्ट्रा कैलोरी इससे मिलेगी और वजन और हेल्थ सही होगी। किडनी पेशेंट भूल से भी ड्राई फ्रूट्स के लड्डू न खाएं। डायबिटीज और हाई बीपी के पेशेंट भी इससे दूर ही रहें।

24 घंटे आप पहनती हैं टाइट कपडे, तो जान लीजिए, बहुत नुकसान हैं इसके

लेडीज अंडरगार्मेंट्स से जुड़ी कई ऐसी बातें होती हैं जो खुद महिलाओं को पता नहीं होती हैं. इसमें एक तथ्य यह है कि ब्रा को लगातार 24 घंटे पहनने से महिलाओं के शरीर को नुकसान होता है. कई शोध में इन बातों का प्रमाणित भी किया जा चुका है.

लेडीज अंडरगार्मेंट्स से जुड़ी कई ऐसी बातें होती हैं जो खुद महिलाओं को पता नहीं होती हैं. इसमें एक तथ्य यह है कि ब्रा को लगातार 24 घंटे पहनने से महिलाओं के शरीर को नुकसान होता है. कई शोध में इन बातों का प्रमाणित भी किया जा चुका है. दरअसल महिलाएं अपने शरीर के हिसाब से अपने लिए ब्रा का चयन करती हैं. ऐसे में रेगुलर ब्रा के इस्तेमाल करने से यह उनके रूटीन का एक भाग बन जाता है. लेकिन सालों से ब्रा पहनते आ रही महिलाओं के लिए कई बार ब्रा मुसीबत खड़ी कर देता है.

लगातार टाइट ब्रा पहनने से स्तनों और उसके आसपास दर्द होना आम बात है. लगातार दिन रात ब्रा पहनने से पीठ में दर्द की समस्या होने की संभावना बढ़ जाती है. साथ ही पीठ पर ब्रा निशान भी बन जाते हैं।

टाइट ब्रा पहनने से महिलाओं के शरीर में रक्त का प्रवाह भी प्रभावित होता है. वहीं स्पोर्ट्स ब्रा महिलाओं के स्तन के मांसपेशियों तक को प्रभावित करता है।

लगातार ब्रा पहनने के कारण महिलाओं के स्तन व पीठ पर लाल निशान, खुजली व जलन होना आम बात है।

गर्मी में मौसम में महिलाएं अगर लगातार ब्रा पहनती हैं तो पसीना होने से फंगस या बैक्टीरियल इंफेक्शन भी होता है।

स्पोर्ट्स ब्रा पहनने वाली महिलाओं को स्पोर्ट्स ब्रा को पहनने के बाद सांस लेने में दिक्कतों का भी सामना करना पड़ता है।

महिलाएं ध्यान दें कि वे ब्रा का साइज सही रखें और 24 घंटे ब्रा पहनने के बजाय वे रात को ब्रा को उतार सकती हैं. अगर किसी प्रकार की दिक्कत का आप सामना कर रही हैं तो आप डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

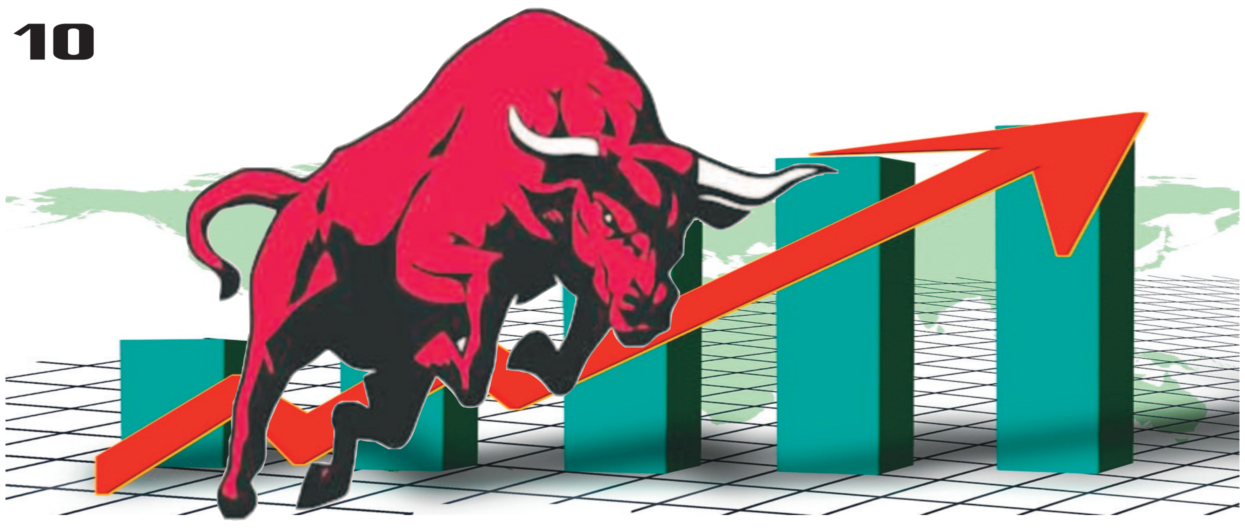

गौतम अदाणी एशिया के टॉप थ्री दानवीरों में, इन भारतीयों ने भी किया खूब परोपकार

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों की लिस्ट में शुमार गौतम अदाणी परोपकार के मामले में भी पीछे नहीं हैं। गौतम अदाणी का नाम फोर्ब्स की ओर से प्रकाशित एशियाई दानवीरों की सूची के 16 वें संस्करण में टॉप थ्री शामिल किया है।

उनके अलावे इस लिस्ट में एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर, हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज के अशोक सूटा का नाम शामिल हैं। एशिया के टॉप दानवीरों की यह सूची मंगलवार को जारी की गई। अदाणी ग्रुप के मुखिया गौतम अदाणी को इस लिस्ट में पिछले वर्ष जून में अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर 60,000 करोड़ रुपये का दान करने के बाद जगह मिली है। इतनी बड़ी राशि परोपकार के लिए खर्च करने की घोषणा कर वे भारत के सबसे बड़े दानवीर बन गए। यह राशि स्वास्थ्य, शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट पर खर्च होनी है। इस राशि को अदाणी परिवार के फाउंडेशन की ओर से खर्च की जाएगी, जिसकी स्थापना वर्ष 1996 में की गई थी।

वर्ल्ड बैंक ने भारत का जीडीपी अनुमान 6.5% से बढ़ाकर 6.9% किया

इस साल एवरेज रिटेल इन्फ्लेशन 7.1% रह सकता है

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड बैंक ने मंगलवार को कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष (2022-2023) में 6.9% की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इससे पहले अक्टूबर में इसने जीडीपी अनुमान को पहले के 7.5% से घटाकर 6.5% किया था।

वर्ल्ड बैंक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था ग्लोबल झटकों से अच्छी तरह निपट रही है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि इस साल एवरेज रिटेल महंगाई 7.1% रह सकती है।

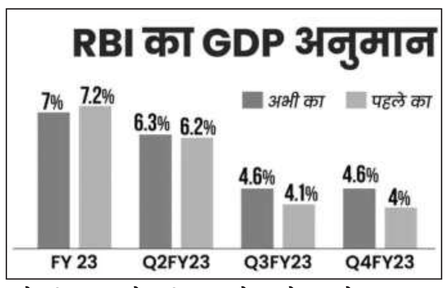

भारतीय रिजर्व बैंक का 7% ग्रोथ का अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी मौद्रिक नीति संबंधी बैठक में FY23 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7% रखा है। वहीं अगली दो तिमाही में भारतीय रिजर्व बैंक का जीडीपी अनुमान 4.6% का है। कल भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग की प्रेस कॉन्फ्रेंस है। इसमें भी जीडीपी अनुमानों को जारी किया जाएगा।

जीडीपी क्या है?

जीडीपी इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे कॉमन इंडिकेटर्स में से एक है। जीडीपी देश के भीतर एक स्पेसिफिक टाइम पीरियड में प्रोड्यूस सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को रिप्रजेंट करती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं, उन्हें भी शामिल किया जाता है।

दो तरह की होती है जीडीपी

जीडीपी दो तरह की होती है। रियल जीडीपी और नॉमिनल जीडीपी । रियल जीडीपी में गुड्स और सर्विस की वैल्यू का कैलकुलेशन बेस ईयर की वैल्यू पर किया जाता है। फिलहाल जीडीपी को कैलकुलेट करने के लिए बेस ईयर 2011-12 है। यानी 2011-12 में गुड्स और सर्विस के जो रेट थे, उस हिसाब से कैलकुलेशन। वहीं नॉमिनल जीडीपी का कैलकुलेशन करेंट प्राइस पर किया जाता है।

कैसे कैलकुलेट की जाती है जीडीपी ?

जीडीपी को कैलकुलेट करने के लिए एक फॉर्मूले का इस्तेमाल किया जाता है। जीडीपी =सी+जी+आई+एनएक्स, यहां सी का मतलब है प्राइवेट कंजम्प्शन, जी का मतलब गवर्नमेंट स्पेंडिंग, I का मतलब इन्वेस्टमेंट और एनएक्स का मतलब नेट एक्सपोर्ट है।

जीडीपी की घट-बढ़ के लिए जिम्मेदार कौन है?

जीडीपी को घटाने या बढ़ाने के लिए चार इम्पॉर्टेंट इंजन होते हैं। पहला है, आप और हम। आप जितना खर्च करते हैं, वो हमारी इकोनॉमी में योगदान देता है। दूसरा है, प्राइवेट सेक्टर की बिजनेस ग्रोथ। ये जीडीपी में 32% योगदान देती है। तीसरा है, सरकारी खर्च।

इसका मतलब है गुड्स और सर्विसेस प्रोड्यूस करने में सरकार कितना खर्च कर रही है। इसका जीडीपी में 11% योगदान है। और चौथा है, नोट डिमांड। इसके लिए भारत के कुल एक्सपोर्ट को कुल इम्पोर्ट से घटाया जाता है, क्योंकि भारत में एक्सपोर्ट के मुकाबले इम्पोर्ट ज्यादा है, इसलिए इसका इम्पैक्ट जीडीपी पर निगेटिव ही पड़ता है।

जीवीए क्या है?

ग्रॉस वैल्यू ऐडेड, यानी जीवीए से किसी अर्थव्यवस्था में होने वाले कुल आउटपुट और इनकम का पता चलता है। यह बताता है कि एक तय अवधि में इनपुट कॉस्ट और कच्चे माल का दाम निकालने के बाद कितने रुपए की वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन हुआ। इससे यह भी पता चलता है कि किस खास क्षेत्र, उद्योग या सेक्टर में कितना उत्पादन हुआ है।

साधारण शब्दों में कहा जाए तो जीवीए इकोनॉमी की ओवरऑल हेल्थ के बारे में बताने के अलावा, यह भी बताता है कि कौन से सेक्टर संघर्ष कर रहे हैं और कौन से रिकवरी को लीड कर रहे हैं। नेशनल अकाउंटिंग के नजरिए से देखें तो मैक्रो लेवल पर जीडीपी में सब्सिडी और टैक्स निकालने के बाद जो आंकड़ा मिलता है, वह जीवीए होता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549, हिजरी सन् -1443
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- उत्तर -धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - 08 -01 तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष, बुधवार Dec 07
नक्षत्र - कृत्तिका - 10 - 24 - तक उपरान्त रोहिणी
योग - सिद्ध - 02 - 53 - तक उप- साध्य
करण- वणिज -08 - 01 - तक उप- विष्टि
विशेष:- पूर्णिमा व्रत
व्रत -त्योहार -श्रीदत्त महाप्रभु जयन्ती

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक.	05-04	बजे
चंद्र-	वृष	में	धनु---	07-18	बजे
मंगल	वृष	में	मकर-	09-22	बजे
बुध-	धनु	में	कुंभ -	11-23	बजे
गुरु-	मीन	में	मीन...	12-51	बजे
शुक्र-	धनु	में	मेष--	14-26	बजे
शनि-	मकर	में	वृष--	16-12	बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन..	18-13	बजे
केतु-	तुला	में	कर्क...	20-24	बजे
			सिंह...	22-37	बजे
			कन्या..	23-47	बजे
			तुला	02-53	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:08 से 13:31 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:37 - 07:58	शुभ	उत्पात	17:40 - 19:17	अशुभ
अमृत	07:58 - 09:21	शुभ	शुभ.	19:17 - 20:54	शुभ
काल.	09:21 - 10:44	अशुभ	अमृत	20:54 - 22:31	शुभ
शुभ.	10:44 - 12:08	शुभ	चंचल	22:31 - 00:08	शुभ
रोग	12:08 - 13:31	अशुभ	रोग	00:08 - 01:45	अशुभ
उत्पात	13:31 - 14:54	अशुभ	काल.	01:45 - 03:22	अशुभ
चंचल	14:54 - 16:17	शुभ	लाभ	03:22 - 04:58	शुभ
लाभ	16:17 - 17:37	शुभ	उत्पात	04:58 - 30:37	अशुभ

चुनावी राज्यों में पेट्रोल-डीजल का हाल:गुजरात में दिल्ली की तुलना में 6% कम टैक्स, हिमाचल दोनों राज्यों से ज्यादा महंगा

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के साथ ही दिल्ली नगर निगम चुनाव खूब चर्चा में हैं। इन चुनावों के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। ऐसे में आम आदमी को पेट्रोल-डीजल के दाम कम होने की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

गुजरात, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में पेट्रोल-डीजल के दामों की बात करें तो ये गुजरात में इनके दाम सबसे कम हैं।

टैक्स के बाद दोगुने हो जाते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

पेट्रोल-डीजल का बेस प्राइज पर जो अभी 57.16 रुपए है, इस पर केंद्र सरकार 19.90 रुपए एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है। इसके बाद राज्य सरकारें इस पर अपने हिसाब से वैट और सेस वसूलती हैं, जिसके बाद इनका दाम बेस प्राइज से 2 गुना तक बढ़ जाते हैं। गुजरात, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में पेट्रोल-डीजल से वैट और सेस वसूलने में दिल्ली सबसे आगे है। यहां पेट्रोल पर 19.40% और डीजल पर 16.75% वैट वसूला जाता है।

देश में सबसे सस्ते पेट्रोल-डीजल अंडमान और निकोबार के पोर्ट ब्लेयर में बिक रहे हैं। यहां पेट्रोल 84.10 रुपए प्रति लीटर और डीजल 79.74 रुपए मिल रहा है। वहीं राजस्थान के श्रीगंगानगर में ये सबसे महंगे हैं। यहां पेट्रोल 113.48 और डीजल 98.24 रुपए लीटर बिक रहा है।

राज्य के अलग-अलग शहरों में कीमत में अंतर क्यों?

जब पेट्रोल-डीजल किसी पेट्रोल पंप पर पहुंचता है तो वो पेट्रोल पंप किसी ऑयल डिपो से कितना दूर है, उसके हिसाब से उस पर किराया लगता है।

इसके कारण शहर बदलने के साथ-साथ किराया बढ़ता-घटता है। जिससे अलग-अलग शहरों में भी कीमत में अंतर आ जाता है।

जून 2010 तक सरकार पेट्रोल की कीमत निर्धारित करती थी और हर 15 दिन में इसे बदला जाता था।26 जून 2010 के बाद सरकार ने पेट्रोल की कीमतों का निर्धारण ऑयल कंपनियों के ऊपर छोड़ दिया।

न्यूरालिंक के ह्यूमन ट्रायल में हो सकती है देरी

पशु-कल्याण उल्लंघनों को लेकर जांच के दायरे में कंपनी, टेस्ट के लिए 1,500 जानवरों को मारा गया

वॉशिंगटन, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। एलन मस्क की मेडिकल डिवाइस कंपनी न्यूरालिंक पशु-कल्याण उल्लंघनों को लेकर अमेरिकी सरकार की जांच के दायरे में आ गई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। 20 से ज्यादा वर्तमान और पूर्व कर्मचारियों ने रॉयटर्स को बताया है कि इसका पशु परीक्षण जल्दबाजी में किया जा रहा है, जिससे अनावश्यक पीड़ा और मौतें हो रही हैं। बीते दिनों एलन मस्क ने अपने इस डिवाइस की प्रोगेस रिपोर्ट एक इवेंट में बताई थी। उन्होंने कहा था कि उनके ब्रेन चिप इंटरफेस स्टार्टअप का डेवलप वायरलेस डिवाइस 6 महीने में ह्यूमन ट्रायल के लिए तैयार हो जाएगा। इसके लिए फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को पेपर जमा कर दिए गए हैं। मस्क ने 6 साल पहले ब्रेन कंट्रोल इंटरफेसेस स्टार्टअप की स्थापना की थी।

1,500 से ज्यादा जानवरों को मारा गया

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2018 के बाद से प्रयोगों के कारण 280 से ज्यादा भेड़, सूअर और बंदरों सहित लगभग 1,500 जानवरों को मारा जा चुका है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि यह आंकड़ा एक मोटा अनुमान है क्योंकि कंपनी यह रिकॉर्ड नहीं रखती है कि कितने जानवरों पर टेस्ट किया गया और कितनों को मार दिया गया।

कर्मचारियों पर टेस्ट का दबाव

इसके अलावा, कर्मचारियों ने ये भी दावा किया कि मस्क उन पर पशु परीक्षण में तेजी लाने के लिए दबाव डाल रहे हैं। इस कारण कई प्रयोग असफल हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयोग पूरा होने के बाद जानवरों को आम तौर पर मार दिया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे उन्हें रिसर्च पर्पज के लिए पोस्ट-मॉर्टम की जांच करने में मदद मिलती है।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ)
सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे ।इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है ।आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें। निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं। अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें ।अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है। किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है। आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है। अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी। किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी। यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है। किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है ।अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें। अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा ।यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है ।आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाह्ते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा ।कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें ।हालाँकि आप दबाव में भी सही फैसले ले पायेंगे

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू)
आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी ।आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे ,दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े। घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेह्तर बनाने के लिए काम कर सकते हैं।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
गृहों की स्थिति आपको आज बहुत अधिक सामाजिक होने को कह रही है। आप दूसरों से बातचीत के माध्यम से अपनी जीवनशैली और करियर में बदलाव लाना चाहते हैं ।जो कुछ आपने सोचा है .वो सब करने की कोशिश करें ।आप जो भी करना चाहते हैं,उसपर अच्छे से ध्यान केन्द्रित क्र सकते हैं।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं ।अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा। ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा। लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे। यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा। आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी ।अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है। अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

लगातार तीसरे दिन लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 208 अंक टूटा, निफ्टी 18642 पर

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सेंसेक्स 208 अंकों की गिरावट के साथ 62626 अंकों पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सेशन में आईटी, फार्मा, मीडिया और मेटल सेक्टर के शेयरों में कमजोरी देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर, हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन निफ्टी भी 58 अंक टूटकर 18642 अंकों पर बंद हुआ। बैंक निफ्टी तेजी के साथ 43138 के लेवल पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 76 पैसे टूटकर 82.61 (अस्थाई) पर बंद हुआ। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान का कहना है कि आरबीआई की क्रेडिट पॉलिसी की घोषणा की पूर्व संध्या पर निवेशकों ने बैंकिंग, ऑटोमोबाइल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों बिकवाली की क्योंकि पूरे कारोबारी सेशन में बाजार में मंदी आशंका हावी रही। उनके अनुसार बीते सत्रों में हमने देखा है कि निवेशक किसी महत्वपूर्ण घटना से पहले सतर्क हो जाते हैं और किसी तरह की गड़बड़ी से बचने के लिए कुछ मुनाफावसूली करते हैं। ऐसे में अगर आरबीआई की ओर से की गई दर वृद्धि बाजार की अपेक्षाओं से अधिक होती है, तो निवेशक पैनिक बटन दबा सकते हैं, जिससे बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है।

शादियों के सीजन में गोल्ड-सिल्वर हुए महंगे

आज कितने बढ़े दोनों कीमती मेटल्स के दाम

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने के रेट आज फिर तेजी के साथ हैं, हालांकि ये 54000 के नीचे ही कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी में करीब 500 रुपये की उछाल देखी जा रही है और ये भी 66000 रुपये का स्तर छूने को बेताब दिख रही है। सोने और चांदी के ग्लोबल दाम भी बढ़त के साथ ही हैं. देश में इस समय शादियों का सीजन चल रहा है और इसके चलते सोने-चांदी की मांग भी तेज बनी हुई है। इस कारण से भी सोना और चांदी महंगे होकर मिल रहे हैं। एमसीएक्स पर आज सोना फरवरी वायदा तेजी के साथ कारोबार कर रहा है और ये 234 रुपये या 0.44 फीसदी की तेजी के बाद 53739 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट के करीब कारोबार कर रहा है। सोने में कल 54000 रुपये के पास के ट्रेड देखे जा रहे थे और आज सोना फिर उसी लेवल को छूने के लिए कोशिश कर रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी का मार्च वायदा 483 रुपये या 0.74 फीसदी की उछाल के साथ 65669 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार कर रहा है। आज चांदी में ट्रेड 65552 रुपये पर खुला था और दिन के ट्रेड में इसने 65734 रुपये तक के ऊपरी स्तर छू लिए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमैक्स पर सोना तेजी के साथ ही दिखाई दे रहा है। कॉमैक्स पर फरवरी कॉन्ट्रेक्ट का गोल्ड 3.95 डॉलर या 0.22 फीसदी की उछाल के बाद 1785.25 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है। चांदी में आज भी तेजी है और ये 0.128 डॉलर या 0.57 फीसदी की बढ़त के बाद 22.545 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है।

चांदी को लेकर इंडस्ट्रियल डिमांड में जोरदार तेजी देखी जा रही है जिसके बाद ग्लोबल बाजार में भी उछाल है और घरेलू बाजार भी बढ़त दिखा रहे हैं। शेयर इंडिया के वीपी, हेड ऑफ रिसर्च डॉ रवि सिंह का कहना है कि आज सोने का ट्रेड 53450-53500 के लेवल के करीब ओपन हो सकता है और दिन के कारोबार में इसके 53200-53700 के लेवल की रेंज में कारोबार करने के आसार हैं।

रिसर्च इंटरनेट और कॉलिंग सस्ता करने की तैयारी

टेलीकॉम कंपनियों की लाइसेंस फीस घटा सकती है सरकार, फायदा जनता को भी

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। इंटरनेट और टेलीकॉम सेवाओं के मामले में भारत दुनिया के सबसे सस्ते देशों में से एक है। ... और फिलहाल ये सेवाएं यूं ही सस्ती बने रहने और भी सस्ती होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। टेलीकॉम कंपनियां लगातार बढ़ती महंगाई, महंगे स्पेक्ट्रम या ज्यादा लाइसेंस फीस का हवाला देकर टैरिफ बढ़ाने की बात करती रही हैं। 2021 में कंपनियों ने 20-25% टैरिफ बढ़ाया भी था। 2022 में भी कंपनियां टैरिफ बढ़ाने की बात करती रही हैं। पहले माना जा रहा था कि नवंबर में कंपनियां 10-15% टैरिफ बढ़ा सकती हैं, मगर अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। अब उम्मीद इस बात की है कि टैरिफ न बढ़ाया जाए। दरअसल, कंपनियों के खर्च का एक बड़ा हिस्सा एनुअल लाइसेंस फीस है। फिलहाल कंपनियों को अपने एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू का 8% हर साल बतौर लाइसेंस फीस देना होता है। मगर नए टेलीकॉम बिल में सरकार यह लाइसेंस फीस घटा सकती है। दूरसंचार मंत्रालय टेलीकॉम बिल के पहले ड्राफ्ट की वजह से पहले ही विवादों में घिरा था। इस ड्राफ्ट पर 20 नवंबर तक 900 आपत्तियां आ चुकी थीं। अब माना जा रहा है कि दिसंबर के अंत तक सरकार संशोधित ड्राफ्ट पेश कर सकती है, जिसमें लाइसेंस फीस भी एजीआर के 8% से घटाकर 5-6% तक की जा सकती है। टेलीकॉम कंपनियों को राहत दिलाने में व्हाट्सऐप जैसी बिग टेक कंपनियों का हाथ अब तक व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसी सर्विसेज से टेलीकॉम कंपनियों की दुश्मनी रही है।

कंपनियों का कहना है कि बिना किसी लाइसेंस फीस या स्पेक्ट्रम चार्ज दिए ये सर्विसेज इंटरनेट कॉलिंग, वीडियो कॉलिंग और मैसेजिंग की सुविधा देकर उनका बिजनेस कम करती हैं। अब तक व्हाट्सऐप और टेलीग्राम जैसी सर्विसेज से टेलीकॉम कंपनियों की दुश्मनी रही है। कंपनियों का कहना है कि बिना किसी लाइसेंस फीस या स्पेक्ट्रम चार्ज दिए ये सर्विसेज इंटरनेट कॉलिंग, वीडियो कॉलिंग और मैसेजिंग की सुविधा देकर उनका बिजनेस कम करती हैं। दरअसल, टेलीकॉम कंपनियों को लाइसेंस फीस में राहत दिलाने का श्रेय काफी हद तक व्हाट्सऐप जैसी बिग टेक कंपनियों को जाता है। टेलीकॉम बिल के पहले ड्राफ्ट में कहा गया था कि व्हाट्सऐप, टेलीग्राम, स्काइप जैसे कम्युनिकेशन्स ऐप्स को भी रेगुलेशन्स के दायरे में लाया जाएगा। इसके तहत इन्हें चलाने वाली कंपनियों को भी भारत में बिजनेस करने के लिए कुछ नियम मानने होंगे- इन तीनों ही प्रावधानों के खिलाफ बिग टेक कंपनियां काफी मुखर रही हैं। पहला ड्राफ्ट सार्वजनिक होने के बाद से सरकार भी इस प्रावधान को लेकर दबाव में थी। मंत्री अश्विनी वैष्णव भी इसके बाद कई मंचों पर यह कह चुके हैं कि सरकार का इरादा इन कंपनियों पर पाबंदियां लगाने का नहीं है। यह माना जा रहा है कि इस दबाव के चलते नए ड्राफ्ट में सरकार इन कंपनियों के लिए लाइसेंस का प्रावधान या तो हटा सकती है या फिर लाइसेंस को अनिवार्य रखते हुए लाइसेंस फीस को ही बहुत कम कर सकती है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तो लाइसेंस फीस को घटाकर एजीआर के 1 या 2% तक किया जा सकता है। मगर इंडस्ट्री के जानकार कहते हैं कि सरकार ऐसा एक ही झटके में करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से कर सकती है।

सिंगल विंडो के तहत आवेदन के लिए अब पैन का भी किया जा सकेगा उपयोग

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार केंद्र और राज्यों के विभागों द्वारा विभिन्न मंजूरियों के लिए राष्ट्रीय एकल खिड़की (सिंगल विंडो) प्रणाली के तहत आवेदन करने के लिए अन्य डाटा की जगह पैन के इस्तेमाल की इजाजत दे सकती है। इस समय ईपीएफओ, ईएसआईसी, जीएसटीएन, टिन, टैन और पैन जैसी 13 से अधिक व्यावसायिक आईडी का इस्तेमाल आवेदन करने को किया जा रहा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उनका मंत्रालय पहले ही इस मामले में राजस्व विभाग से संपर्क कर चुका है। हम मौजूदा डाटाबेस में से एक का उपयोग करने की ओर बढ़ रहे हैं, जो पहले ही सरकार के पास उपलब्ध है। संभवतः वह पैन नंबर होगा। पैन के साथ कंपनी के बारे में बहुत सारे बुनियादी आंकड़े, इसके निदेशक, पता और बहुत सारे सामान्य डाटा पहले से ही उपलब्ध हैं।

भारत जोड़ो यात्रा से पहले हरियाणा कांग्रेस में संतुलन

हाईकमान ने हुड्डा की नाराजगी दूर की तो सैलजा का रुतबा बढ़ाकर दिया संदेश

हिसार, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस हाईकमान ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के हरियाणा में प्रवेश करने से 16 दिन पहले नई नियुक्तियां करके सभी गुटों को साधने का काम किया है। पार्टी हाईकमान ने हरियाणा कांग्रेस के नए प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल को प्रभारी नियुक्त किया है। जबकि कुमारी सैलजा को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया है। इससे हुड्डा की नाराजगी दूर करने का प्रयास है और दूसरी ओर एक संदेश भी दिया कि सोनिया गांधी के दरबार में आज भी सैलजा की पकड़ मजबूत है। हरियाणा के रणदीप सुरजेवाला पहले ही राजस्थान से राज्यसभा सांसद बने हुए हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 21 दिसंबर को हरियाणा के फिरोजपुर झिरका से प्रदेश में प्रवेश करने जा रही है। इससे पहले कांग्रेस ने नए हरियाणा प्रभारी को नियुक्त करके सभी को संतुष्ट करने की कोशिश की है। क्योंकि हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, निवर्तमान प्रभारी विवेक बंसल की कार्यशैली से संतुष्ट नहीं थे।

कुमारी सैलजा का दिल्ली दरबार में रुतबा कायम

हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पद से इस्तीफा स्वीकार होने के बावजूद कुमारी सैलजा का राज्यसभा चुनाव लड़ना तय माना जा रहा था, लेकिन पार्टी हाईकमान ने उन्हें नहीं उतारा। उन्हें कांग्रेस की स्टीयरिंग कमेटी का सदस्य बनाया गया। हाईकमान ने अब कुमारी सैलजा को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाकर उन्हें महत्वपूर्ण पद देकर उनका कद बड़ा दिया। साथ ही उन्हें जनरल सेक्रेटरी भी नियुक्त कर दिया। कुमारी सैलजा का कद बढ़ाकर पार्टी हाईकमान ने हुड्डा को भी संदेश दे दिया।

इसकी एक बड़ी वजह राज्यसभा चुनाव में एक कांग्रेसी विधायक का वोट रद होने से कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन की हार थी। जिसमें बागी विधायक के नाम का आज तक पार्टी हाईकमान के समक्ष खुलासा नहीं हो सका। हालांकि कुछ समय तक तोशाम की विधायक किरण चौधरी पर भी अंगुली उठाई गई, लेकिन किरण चौधरी के तेवरों को देखकर पार्टी नेताओं ने चुप्पी साध ली। इस चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार कार्तिकेय शर्मा भाजपा विधायकों के सहयोग से जीत गए थे।

2 साल 2 महीने में संगठन नहीं खड़ा कर पाए

विवेक बंसल 2 साल 2 महीने के अपने कार्यकाल में कांग्रेसी नेताओं को न एकजुट करने और न ही हरियाणा कांग्रेस का संगठन खड़ा करवाने में सफल हो पाए। हरियाणा में करीब 8 साल से संगठन नहीं बन सका। कुमारी सैलजा के इस्तीफा देने के बाद हुड्डा गुट के उदयभान को प्रदेशाध्यक्ष बनाने में उनकी भूमिका रही, लेकिन राज्यसभा चुनाव में हार के बाद विवेक बंसल की हरियाणा में सक्रियता भी कम हो गई थी।

अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में जोरदार धमाका

कई लोगों की मौत की आशंका

काबुल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में मंगलवार को जोरदार धमाका हुआ है। जिसमें कई लोगों की मौत हो गई है। ये जानकारी स्थानीय मीडिया ने दी है। मामले की ताजा जानकारी में सामने आया है कि धमाके में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने जानकारी दी कि उत्तरी अफगानिस्तान में एक तेल कंपनी के कर्मचारियों को ले जा रहे वाहन में धमाका हुआ है। उत्तरी बल्ख प्रांत में पुलिस के प्रवक्ता ने बताया, आज सुबह करीब 7 बजे बल्ख में एक बस में धमाका हुआ है। जो हैराकन तेल कंपनी के कर्मचारियों से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि विस्फोट में कम से कम चार लोग घायल हुए हैं। हमले के पीछ कौन है, इसका खुलासा नहीं हो सका है। अफगानिस्तान के शहरी इलाकों में हाल के समय में कई हमले हुए हैं। जिनमें से कुछ की जिम्मेदारी वैश्विक आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ने ली है। अफगानिस्ता में बीते साल 15 फरवरी के दिन तालिबान सत्ता में आ गया था। तभी से यहां उसका शासन चल रहा है। इस शासन के आने के बाद ही इस्लामिक स्टेट की अफगानिस्तान स्थित ब्रांच आईएसकेपी यानी इस्लामिक स्टेट खुरासान सक्रिय हो गया है। तभी से देश में हमले काफी ज्यादा बढ़ गए हैं।

कनाडा में सिख लड़की की गोली मारकर हत्या

15 दिन में दूसरी घटना; 25 नवंबर को 18 साल के महकप्रीत का मर्डर हुआ था

ओंटारियो, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में 5 दिसंबर को 21 साल की कनाडाई-सिख लड़की की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस इसे टारगेट किलिंग का मामला मान रही है। पुलिस ने कहा- मरने वाली लड़की ब्रैम्पटन की रहने वाली पवनप्रीत कौर है। वो मिसिसॉगा शहर में एक अपनी गाड़ी में पेट्रोल भरा रही थी, तभी एक अज्ञात ने उसे गोली मार दी। ये पिछले 15 दिनों में होने वाली दूसरी घटना है। इसके पहले 25 नवंबर को कोलंबिया में ही एक 18 साल की लड़के की हत्या कर दी गई थी। स्कूल की पार्किंग में एक लड़के ने महकप्रीत सेठी को चाकू मार दिया था। दोनों के बीच किसी बात को लेकर लड़ाई हुई थी। पुलिस अफसर टिम नागतेगल ने कहा- लोगों से पूछताछ करने पर पता चला है कि हमलावर ने काले रंग के कपड़े पहन रखे थे। हम ये नहीं जानते की संदिग्ध हमलावर लड़का था या कोई लड़की, क्योंकि वो काफी तेजी से फरार हो गया। लोगों ने बस उसे भागते हुए देखा। ऐसे में हमलावर का जेंडर बता पाना मुश्किल है। हम मामले की जांच कर रहे हैं। संदिग्ध की तलाश की जा रही है। पुलिस अफसर नागतेगल ने कहा- हमले के समय कुछ लोग घटनास्थल पर मौजूद थे। चश्मदीद कार्मेला संडोवाल ने हमें बताया कि पहले गोली चलने की आवाज सुनाई दी। उसने कहा- आवाज सुनते ही हमने देखा की एक लड़की जमीन पर गिरी हुई है। मैं कुछ लोगों के साथ लड़की के पास पहुंची। हमने उसे बचाने की कोशिश की। एंबुलेंस बुलाई, लेकिन खून बहने की वजह से उसकी जान चली गई।

अंबाला में कार नहर में डूबी, मां-बाप, 2 बच्चे मरे: खुदकुशी या हादसा?

अंबाला, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में नहर में डुबकर एक ही परिवार के 4 सदस्यों की मौत की गुत्थी अभी अनसुलझी है। यह हादसा है या खुदकुशी ? अभी संशय बना हुआ है। हालांकि, पुलिस प्राथमिक दृष्टि से इसे खुदकुशी मान रही है। क्योंकि प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को बताया है कि रविवार को हादसे से पहले कुलबीर ने अपनी कार नहर के पास 15 मिनट रोकी थी। यहां कुलबीर की उसकी पत्नी के साथ बहस भी हुई थी। इसके बाद दोनों गुस्से में कार में बैठे और नहर में कूदा दिया। बता दें कि नन्यौला पुलिस चौकी ने सोमवार शाम करीब साढ़े 5 बजे नरवाना ब्रांच से मारूती 800 गाड़ी निकाली थी, जिसमें पंजाब के लालडू थाना के अंतर्गत आने वाले गांव टिवाना निवासी 40 वर्षीय कुलबीर, उसकी पत्नी कमलजीत कौर, 16 वर्षीय बेटी जश्नप्रीत कौर और 11 वर्षीय खुशदीप के शव बरामद हुए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी हादस में रखवा दिया था। आज डॉक्टरों का पैनल शवों का पोस्टमार्टम कर रहा है।

कोलंबिया में लैंडस्लाइड, 8 बच्चों समेत 34 की मौत

बस मिट्टी में दबी; चश्मदीद बोला- मलबा बहुत तेजी से नीचे आया, कोई भाग नहीं पाया

2022 में हुई 271 लोगों की मौत

कोलंबिया की नेशनल यूनिट फॉर डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट (अनिच्छुक) के मुताबिक, 2022 में अब तक 216 लोगों की मौत हुई है। 5 लाख 38 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए।

बोगोटा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में बड़ा हादसा हुआ। यहां रिसाराल्डा प्रांत में एक बस लैंडस्लाइड की चपेट में आ गई। इस हादसे में 34 लोगों की मौत हो गई। नेशनल यूनिट फॉर डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट (अनिच्छुक) के मुताबिक, मरने वालों में 8 बच्चे हैं। मलबे में अभी भी कई लोग दबे हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश के बाद रिसाराल्डा प्रांत में भूस्खलन हो गया। बस के साथ कुछ अन्य गाड़ियां भी मलबे में दब गईं। बस कैली शहर से चोको प्रांत के कोंडोटो शहर जा रही थी। तभी प्यूब्लो रिको और सांता सेसिलिया के बीच यह हादसा हुआ।

चश्मदीद बोला- मलबा इतनी तेजी से नीचे आया की कोई भाग नहीं पाया

हादसे के दौरान घटनास्थल पर मौजूद एक शख्स ने आंखोंदेखी बताई। उसने कहा- पहले एक कार हादसे का शिकार हुई। इसके चलते रास्ता बंद हो गया। पीछे आ रही गाड़ियां रुक गईं। हादसे के बाद एक जीप, बस और मोटरबाइक यहां रुकी हुई थी तभी अचानक से लैंडस्लाइड हुआ। मलबा इतनी तेजी से नीचे आया की कोई भाग नहीं पाया। बस में 2 ड्राइवर थे। कई यात्री भी सवार थे।

7 साल की बच्ची को मलबे से निकाला

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने बताया- इस मुश्किल समय में सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। रेस्क्यू टीम के अधिकारी ने बताया कि फिलहाल 9 लोगों को बचाया जा चुका है। इनमें एक 7 साल की बच्ची को मलबे से जिंदा बाहर निकाला। हादसे में उसकी मां की मौत हो गई है।

पापा ने मां और मेरी बहन को भी बाहर निकाला

एक अधिकारी ने कहा- मरने वाले एक शख्स की पहचान गुइलेर्मो इबारगुएन के रूप में हुई है। उनके बेटे ने कहा- हादसे के बाद मैं डर गया था। पापा ने बस से निकलने में मेरी मदद की। उन्होंने मुझसे खिड़की के बाहर कूदने के लिए कहा, जैसे ही मैं बस से बाहर निकाला तो मैंने देखा की चारों तरफ कीचड़ और मिट्टी है। पापा ने मां और मेरी बहन को भी बाहर निकाला, लेकिन वो खुद को बाहर नहीं निकाल पाए।

रिटायर डिप्टी रेंजर का अधजला शव मिला, शरीर पर नहीं थे कपड़े, फोन पर पत्नी से कही थी ये बात

सीहोर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सीहोर जिले के बुधनी पिकनिक स्पॉट पर 70 वर्षीय बुजुर्ग का नग्नावस्था में अधजला शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान रिटायर डिप्टी रेंजर के रूप में हुई है, जो रविवार दोपहर से लापता था। सूचना पर पहुंची बुधनी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अुनसार सोमवार शाम को बुदनी के पाइप पुल रोड के पास जंगल में 70 साल के बुजुर्ग का अधजला शव मिला। शव की पहचान होशंगाबाद ग्वालटोली के रहने वाले सुरेश सौनेर पिता शिवशंकर सोनेर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सुरेश रविवार दोपहर से अपने घर से लापता थे। इससे पहले उनकी पत्नी की सुरेश ने फोन पर बात हुई थी। उन्होंने कहा था कि एक-दो घंटे में घर आ जाऊंगा। इसके कुछ देर बात उन्होंने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर कुछ वीडियो और फोटो भी अपलोड किए थे। बात होने के काफी देर बाद वह घर नहीं पहुंचे, परिजनों ने फोन लगाया तो वह बंद बताने लगा।

काफी देर तलाश करने के बाद भी उनका कोई पता नहीं चला था। जिसके बाद परिजनों ने देहात थाने में रात करीब 3 बजे सुरेश की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बाद में परिजनों ने बुधनी के पाइप पुल जाने वाले रोड पर सुरेश की तलाश की तो सड़क पर उनकी चप्पल मिली। जंगल में अंदर पहुंचने पर सुरेश का जला हुआ शव पड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि सड़क से जंगल की ओर घसीटने के निशान मिले तो उसका पीछा किया गया। जिसके बाद एक गड्ढे में सुरेश का शव पड़ा हुआ दिखाई दिया जो अधजला और नग्न अवस्था में था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बुधनी थाना प्रभारी विकास खिंची ने बताया कि मामला हत्या का लग रहा है। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच कर रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अगले हफ्ते होने जा रहे बैलिस्टिक मिसाइल टेस्ट से पहले चीन की चाल

हिंद महासागर में घुसाया जासूसी जहाज

बीजिंग, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। हिंद महासागर में सबकुछ ठीक नहीं लग रहा है. चीन लगातार भारत की गतिविधियों पर नजर रखने की कोशिश कर रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एक बार फिर चीन ने अपना जासूसी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में भेजा है. भारत अगले सप्ताह एक लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण भी करने जा रहा है. ऐसे में चीन के जासूसी जहाज का हिंद महासागर (आईओआर) में प्रवेश करना कोई अच्छे संकेत नहीं है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीनी अनुसंधान और अंतरिक्ष-ट्रैकिंग पोत युआन वांग -5 ने इंडोनेशिया के सुंडा चैनल के माध्यम से आईओआर में प्रवेश किया है. वहीं भारतीय नौसेना इसको बारीकी से ट्रैक कर रही है. बता दें कि चीन का जासूसी जहाज उस समय आईओआर में दाखिल हुआ है, जब भारत ने भारत ने अंडमान और निकोबार क्षेत्र में मिसाइल परीक्षण के लिए एनओटीएएम (नोटिस टू एयरमेन नोटिस टू एयर मिशन) जारी किया है.

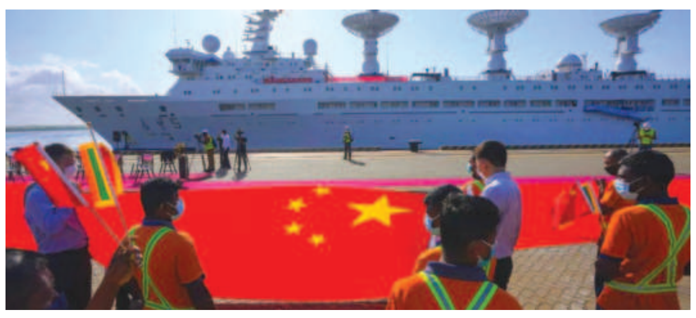

क्या स्थगित होगा मिसाइल परीक्षण?

मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा भी दावा किया गया है कि पहले चीनी जहाज कहीं और जा रहा था, लेकिन भारत के नोटम जारी करने के फौरन बाद चीनी जहाज ने अपनी दिशा बदलकर हिंद महासागर की तरफ कर दी. ऐसे में अब यह देखना काफी अहम हो जाता है कि मिसाइल परीक्षण वास्तव में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया जाएगा या स्थगित किया जाएगा.

नवंबर में भी भेजा था जासूसी जहाज

रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले भारत ने नवंबर के महीने में भी बैलिस्टिक मिसाइल टेस्ट की योजना बनाई थी और समय भी चीन ने अपने दूसरे जासूस जहाज युआन वांग-6 को आईओआर में भेज दिया था. नतीजतन भारत ने मिसाइल परीक्षण रोक दिया था. युआन वांग 6 से 11 नवंबर के बीच होने वाले मिसाइल टेस्ट से पहले हिंद महासागर क्षेत्र में प्रवेश किया था, जिसके लिए भारत ने नोटम जारी किया था.

भारतीय नौसेना ने क्या कहा था?

हिंद महासागर क्षेत्र में चीन बार-बार घुसपैठ कर रहा है और इस पर कुछ दिन पहले भारतीय नौसेना ने भी प्रतिक्रिया दी थी. नौसेना ने 30 नवंबर (बुधवार) को कहा कि वह हिंद महासागर क्षेत्र पर निगरानी रखती है, जहां 'चीनी घुसपैठ के घटनाएं असामान्य नहीं हैं". नौसेना ने कहा कि वह इस रणनीतिक क्षेत्र में देश के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. दक्षिणी नौसैन्य कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल एम ए हंपीहोली ने कहा कि भारतीय नौसेना सैटेलाइट और समुद्री टोही विमानों की मदद से क्षेत्र में नजर रखती है.

जहां आवाज कुचली जाती हो, वहां बैकफुट पर सरकार

कोरोना पॉलिसी जिनपिंग के लिए बनी गले की हड्डी

बीजिंग ही नहीं चीन के कई बड़े-बड़े शहरों में कोरोना नियमों से छूट दी जा रही है। यहां के दक्षिण-पूर्वी झेजियांग प्रांत में नियमित कोरोना परीक्षण नहीं किया जा रहा है। इसी तरह की ढील शंघाई, वुहान, चोंगकिंग, ग्वांगझू, शेनझेन और चेंगदू जैसे बड़े शहरों में भी दी जा रही है।

बीजिंग, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। दशकों बाद चीन ऐसे प्रदर्शन की आग में झुलस रहा है, जिसकी आंच अब जिनपिंग सरकार को भी सताने लगी है। लोगों का गुस्सा इस कदर बढ़ चुका है कि अब वे सरकार से आरपार करने के मूड में हैं। ऐसे में चीनी सरकार की भलाई इसी में है कि वह अपनी जीरो-कोविड पॉलिसी को धीरे से वापस कर ले। हालांकि, जिस पॉलिसी का शी जिनपिंग गुणगान करते रहे और उसे दुनिया के सामने सही ठहराते रहे, उससे वापसी खुद चीनी राष्ट्रपति के लिए आसान नहीं है। ऐसे में अब वे इस पॉलिसी से सावधानी से बाहर आने का रास्ता खोज रहे हैं।

बीजिंग में दी जाने लगी ढील

बीजिंग में कोरोना संक्रमण में कोई महत्वपूर्ण गिरावट नहीं आई है। इसके बावजूद लोगों को अब सार्वजनिक परिवहनों में पीसीआर टेस्ट से राहत दी गई है। रेस्तरां और बार भी धीरे-धीरे खोले जा रहे हैं। वहीं, कुछ मामलों में कोरोना संक्रमित व्यक्ति को घर में अलग रहने की अनुमति दी जा रही है। जबकि, पहले एक भी मामला आने पर पूरे इलाके को बंद कर दिया जाता था।

हर शहर में धीरे-धीरे दी जा रही छूट

सिर्फ बीजिंग ही नहीं चीन के कई बड़े-बड़े शहरों में कोरोना नियमों से छूट दी जा रही है। यहां के दक्षिण-पूर्वी झेजियांग प्रांत में कुछ विशिष्ट नौकरियों में काम करने वाले लोगों को छोड़कर अन्य लोगों का नियमित परीक्षण नहीं किया जा रहा है। इसी तरह शेडोंग प्रांत में खांसी की दवा खरीदने पर भी टेस्ट की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। इसी तरह की ढील शंघाई, वुहान, चोंगकिंग, ग्वांगझू, शेनझेन और चेंगदू जैसे बड़े शहरों में भी दी जा रही है।पश्चिमी झिंजियांग के उरुमकी ने सुपरमार्केट, होटल, सिनेमा और जिम फिर से खोल दिए हैं। वहीं, तिब्बत में सार्वजनिक परिवहन फिर से शुरू कर दिया गया है।

क्या है सरकार की नई योजना

जानकारी के मुताबिक, लोगों के गुस्से के बाद चीनी सरकार जीरो कोविड पॉलिसी से कदम पीछे खींच रही है। नई योजना के तहत कोरोना संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित किया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य प्रणाली को इससे निपटने में सक्षम बनाया जाएगा, न कि लोगों पर जबरन प्रतिबंध थोपे जाएंगे।

निजी कंपनी की जीएम और स्टाफ नर्स ने दी जान, फंदे पर लटके मिले शव

एक ही अस्पताल में करती थीं काम

फरीदाबाद, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर फरीदाबाद स्थित एकॉर्ड अस्पताल में काम करने वाली दो युवतियों के शव अलग-अलग जगह फंदे से लटके मिले हैं। मृतकों में एक युवती अस्पताल में स्टाफ नर्स के पद पर कार्ररत थी। दूसरी एक फार्मा कंपनी की तरफ से जीएम के पद पर थी, जो एकार्ड अस्पताल में कंपनी का काम देख रही थी। पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल में भिजवा दिए हैं। स्टाफ नर्स के पिता ने अस्पताल प्रबंधन पर हत्या कर शव फंदे से टांगने का आरोप लगाया है। जीएम के परिजनों ने अभी पुलिस को अपना बयान नहीं दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सोमवार को पलवली गांव में एकॉर्ड अस्पताल के हॉस्टल में एक स्टाफ नर्स का शव फंदे से लटका मिला। हॉस्टल तीन मंजिल का बना हुआ है। यहां 62 नर्स रहती हैं। तीसरी मंजिल पर जाने के बाद सीढ़ियों

की ममटी की छत से निकले सरियों पर दुप्पटे के सहारे नर्स का शव लटका हुआ था। दुपट्टा उंचाई पर बांधने के लिए बांस की सीढ़ी का इस्तेमाल किया गया था। सूचना पाकर खेडी पुल थाने से पुलिस मौके पर पंहुची और शव कब्जे में लिया। फोरेंसिक टीम ने युवती के कमरे की तलाशी ली लेकिन कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने युवती का मोबाइल व लेपटॉप व अन्य सामान कब्जे में लिया है। युवती की पहचान मूल रूप से महेंद्रगढ़ के गांव राठीवास निवासी कविता (26) के रूप में हुई है। पिता महेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी शादीशुदा है। छोटी बेटी कवीता फरीदाबाद के एकॉर्ड अस्पताल में करीब आठ माह से स्टॉफ नर्स की नौकरी कर रही थी। सोमवार सुबह छह बजे कविता की फोन पर बड़ी बहन से बात हुई थी। कविता बिलकुल भी तनाव में नहीं थी। पुलिस का दोपहर में फोन आया कि बेटी ने फंदा लगा लिया है। आरोप है बेटी की हत्या करने के बाद शव फंदे से लटकाया गया है। दूसरे मामले में पलवल निवासी मृतका शीतल के भाई नरेंद्र ने बताया शीतल (27) एकॉर्ड अस्तपाल में जीएम के पद पर कार्यरत थी। दो दिन से उनका शीतल से कोई संपर्क नहीं हो रहा था।

सोमवार को हॉस्पिटल ने उन्हें सूचना दी कि शीतल अस्पताल भी नहीं आ रही है। परिजनों ने सेक्टर-86 स्थित समर पाम सोसाइटी की तीसरी मंजिल पर स्थित फ्लैट नंबर 307 पर पहुंचे। फ्लैट अंदर से बंद था। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पंहुची और दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। फ्लैट के अंदर वाले कमरे के पंखे पर शीतल का शव फंदे से लटका हुआ था। नरेंद्र का कहना है शीतल यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। 16 तारीख को उसे एक परीक्षा में भी जाना था। एक दिसंबर को उसके पिता शीतल से मिलकर गए थे। बृहस्पतिवार को पिता ने शीतल के साथ ही अपना जन्मदिन मनाया था। अगले दिन पिता वापस पलवल चले गए। उसके बाद से किसी की भी शीतल से बात नहीं हुई। परिजनों ने शीतल की मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस से मामले की जांच के लिए कहा है। एकॉर्ड अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. प्रबल राय का कहना है कविता उनके अस्पताल में स्टॉफ नर्स के तौर पर काम करती थी। उसने कभी भी अस्पताल प्रबंधन को किसी तनाव के बारे में नहीं बताया। हॉस्टल में केवल महिलाएं ही रहती हैं। दूसरी युवती शीतल साधे तौर पर उनकी कर्मचारी नहीं थी। उनके अस्पताल में एलआर फार्मा नाम की कंपनी फार्मेसी चलाती है। शीतल उनकी कंपनी में जीएम का काम संभालती थी।

300 किलो सोना लूटने वाले गैंग में मंथली सैलरी

जेल में बंद सरगना लेता है इंटरव्यू, लूट पर इंसेंटिव भी देता है

एक्सक्लूसिव डेस्क, 6 दिसंबर। देश के 7 राज्यों से 300 किलो सोना लूटने वाले बिहार के सुबोध गैंग के बारे में बड़ा खुलासा हुआ है। गैंग में 200 से ज्यादा शातिर बदमाश हैं। इनमें से कई सरगना सुबोध के साथ पटना की बेउर जेल में बंद है। सुबोध यहीं से चैन स्नैचर्स और सोना लूटने का वालों का इंटरव्यू लेता है और फिर अपनी गैंग में शामिल करता है।

नाम न छापने की शर्त पर जेल से निकले एक कैदी ने बताया कि वो पहले से सुबोध को जानता था। जेल में रहते हुए उसने सुबोध गैंग के ऑपरेशन को करीब से देखा है।

ये गैंग 7 राज्यों में सक्रिय है। मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, यूपी, चेन्नई, ओडिशा में वारदातों को अंजाम दे चुका है। इन राज्यों में सुबोध के नाम से कई केस दर्ज हैं। राजस्थान और मध्यप्रदेश पुलिस ने हाल में बिहार के कई जिलों में इस गैंग को पकड़ने के लिए छापेमारी की थी। 29 अगस्त को राजस्थान के उदयपुर में मण्णपुरम गोल्ड फाइनेंस के ऑफिस में डकैती हुई थी। यहां से 24 किलो गोल्ड लूटा गया था। इससे पहले 26 नवंबर को मध्यप्रदेश के कटनी में मण्णपुरम गोल्ड फाइनेंस के ऑफिस से 6 अपराधी 16 किलो गोल्ड ले उड़े थे। इन वारदातों में भी इसी गैंग का नाम सामने आया था और इसका मास्टरमाइंड भी 8वीं पास सुबोध ही है। इस सिलसिले में दोनों राज्यों की पुलिस बिहार में छापेमारी की थी।

कैदी ने बताया, 'गैंग में नए चोरों की बहाली बेउर जेल से ही होती है। जैसे ही जेल में चैन स्नैचिंग के मामले में कोई अपराधी पकड़ा जाता है, वैसे ही सुबोध सिंह और उसके गुर्गे उस पर नजर बना लेते हैं। चयन के बाद उसको जेल में वीआईपी सुविधाएं मिलनी शुरू हो जाती हैं। जैसे ही बदमाश को लगने लगता है कि सुबोध उसका हमदर्द है। सुबोध और उसके गुर्गे उस चोर का ब्रेन वॉश करते हैं। उसे बताते हैं कि छोटी-मोटी चोरी से कोई फायदा नहीं है अगर कुछ बड़ा करना है तो हमारे गैंग में शामिल हो जाओ।सुबोध पहले चयन किए गए बदमाश की जमानत करवाता है। जब वह बाहर निकल जाता है तो जेल के बाहर के गुर्गे उसे ट्रेनिंग देते हैं। बताते हैं कि कैसे सोना लूटना है। उसके लिए क्या करना है। सुबोध अपने गुर्गों का खास ख्याल रखता है। कुछ चोरों को तो सुबोध तनख्वाह भी देता है, ताकि वो

सुबोध के वफादार बने रहें। इसके साथ ही बड़ी लूट पर इंसेंटिव भी मिलता था।

लूट को कैसे अंजाम देता है यह गैंग

कैदी ने बताया, 'ये गैंग ज्यादातर मण्णपुरम गोल्ड लोन कंपनी को ही टारगेट करता है। गैंग के लोग होटल में नहीं रुकते हैं। जिस शहर की मण्णपुरम गोल्ड लोन ब्रांच में लूट करनी होती वहां इस गैंग का एक सदस्य पहले नाम बदलकर रूम लेता है। ये शख्स खुद को स्टूडेंट बताता है और फर्जी आधार दिखाकर कमरा ले लेता है। इसके बाद वो लूट करने के लिए ब्रांच की 7-8 दिन रेकी करता है। पूरा प्लान बनाने के बाद वो गिरोह के बाकी लोगों को बुलाता है।' कैदी के मुताबिक, 'खुद को अधिकारी बताते हुए 7-8 लोग मण्णपुरम गोल्ड लोन की ब्रांच में दाखिल होते। अंदर दाखिल होते ही ये लोग सबको गन पॉइंट पर ले लेते और फिर सोना लूटकर वहां से भाग निकलते। लूट के बाद ये लोग तुरंत शहर नहीं छोड़ते कुछ दिन उसी किराए के कमरे में रहते। मामला थोड़ा ठंडा होने के बाद वहां से निकलते थे।' पुलिस ने बताया कि यह गिरोह लूटे हुए सोने को नेपाल और पश्चिम बंगाल ले जाता है। यहां गलाने के बाद उसे बेच देता है। इसका दावा है कि देश में अब तक जितनी भी गोल्ड की लूट हुई है। उसका 70% सोना इसी गैंग ने लूटा।

40 किलो सोना लूटकांड में रेड

राजस्थान और मध्यप्रदेश में 40 किलो सोने की लूट मामले में दोनों राज्यों की पुलिस बिहार में छापेमारी कर रही है। पटना, वैशाली समेत बिहार के कई जिलों में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। सोमवार को भी दोनों राज्यों से स्पेशल टीम ने गिरफ्तारी के लिए रेड मारी थी। राजस्थान और मध्यप्रदेश में मण्णपुरम गोल्ड फाइनेंस के ऑफिस में डकैती को बिहार के अपराधियों ने अंजाम दिया था। इनमें 6 शातिरों में से दो को मध्यप्रदेश के कटनी थाने की पुलिस ने घटना के दिन ही गिरफ्तार कर लिया है। बाकी की तलाश में सोमवार को पटना सहित कई जिलों में छापेमारी की। मध्यप्रदेश में बदमाशों ने एक बार फिर कानून व्यवस्था को चुनौती दी है। बंदूक की नोक पर बड़ी लूट को अंजाम दिया। पुलिस अब नाकेबंदी कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। कटनी में गोल्ड लोन फाइनेंस कंपनी में करीब 7 करोड़ की लूट हो गई। बताया जा रहा है कि 5 नकाबपोश बदमाश कंपनी में आए और कर्मचारियों के सिर पर बंदूक अड़ाकर 15 से 16 किलो के सोने की ज्वेलरी लेकर फरार हो गए।

उदयपुर में 29 अगस्त को हुई मणप्पुरम गोल्ड लोन के ऑफिस में 24 किलो सोने की लूट मामले में 7 दिन बाद भी पुलिस कोई खुलासा नहीं कर पाई है। प्रतापनगर थाना इलाके में स्थित ऑफिस में लूट के लिए बदमाशों ने अपना अड्डा शहर से 15 किलोमीटर दूर डबोक में बनाया था। जिस मकान में ये किराए पर रहते थे, वो डबोक थाने से महज 500 मीटर की दूरी पर है।

उदयपुर में मणप्पुरम गोल्ड लोन के ऑफिस से 24 किलो सोना और 11 लाख रुपए कैश लूट लिया गया। सोमवार सुबह 9.20 बजे हथियारबंद 5 बदमाश घुसे और 9.43 बजे लूटपाट करके निकल गए। लुटेरे नकाब पहने हुए थे। जिस बॉक्स में गहने-जेवरात रखे थे, कंपनी ने उसमें जीपीएस ट्रैकर लगा रखा था, लेकिन लुटेरे ट्रैकर निकालकर वहीं फेंक गए, ताकि उन्हें ट्रेस न किया जा सके। बताया जा रहा है कि कंपनी के इस ऑफिस में 1100 लोगों का सोना जमा था।

जशपुर जेल से फरार कैदियों का सुराग नहीं

मुख्य जेल प्रहरी और सहायक निलंबित

जशपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जेल से फरार हुए दो कैदियों का अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। हालांकि इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एसपी डी. रविशंकर की प्रारंभिक जांच में जेल प्रशासन की लापरवाही सामने आई है। इसके बाद मुख्य जेल प्रहरी सुधीर एक्का और सहायक मानसिंह साहू को निलंबित कर दिया गया है।

दरअसल, दुष्कर्म और हत्या के मामले में जेल में बंद दो कैदी सोमवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे बैडमिंटन ग्राउंट तैयार करते समय जेल की दीवार फांदकर भाग गए। दोनों कैदियों ने भागने के लिए बैडमिंटन के तार और वालीबॉल पोल का इस्तेमाल किया। उसके सहारे ही दीवार पर चढ़े। दोनों कैदियों के भागने के बाद जब सायरन बजा तो अफसरों को पता चला।

जेल अधीक्षक समेत ये लोग भी संदिग्ध

बताया जा रहा है कि कैदियों के राशन में कटौती की गई है। आरोप है कि इससे कुछ अधिकारी और कर्मचारी मोटी कमाई कर रहे हैं। इसके चलते कुछ महीने पहले कैदियों ने जेल के अंदर भूख हड़ताल भी की थी।

इसके बाद से ही जेल अधीक्षक मनीष संभलकर और मुख्य प्रहरी विजय ध्रुव, प्रहरी बुधराम निषाद, गजेंद्र निषाद और जीतू नाग बंदियों को लॉकअप से बाहर निकालकर देर रात तक बैडमिंटन खेलते रहे।

मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपियों को 10 तक कोई राहत नहीं

आईएएस विश्नोई, सूर्यकांत, लक्ष्मीकांत और सुनील अग्रवाल जेल भेजे गए, चौरसिया ईडी की हिरासत में रहेंगी

रायपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय-ईडी ने मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस के सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। कई घंटे की सुनवाई के बाद भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली है। कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, आईएएस समीर विश्नोई, लक्ष्मीकांत तिवारी और सुनील अग्रवाल को कोर्ट ने 10 दिसंबर तक के लिए जेल भेज दिया है। वहीं उप सचिव सौम्या चौरसिया को 10 दिसंबर तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है।

ईडी के विशेष लोक अभियोजक सौरभ कुमार पाण्डेय ने बताया, एजेंसी ने सौम्या चौरसिया को अदालत में पेश कर 10 दिन की रिमांड मांगी थी। सुनवाई के बाद अदालत ने चार दिन की रिमांड बढ़ाई है। उन्हें 10 दिसम्बर को फिर से अदालत के सामने पेश किया जाएगा। न्यायिक रिमांड पर चल रहे आरोपियों को भी 10 दिसम्बर तक न्यायिक हिरासत में ही भेजा गया है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता फैजल रिजवी ने बताया, हिरासत के दौरान सौम्या चौरसिया को बच्चों से मिलने की अनुमति दी गई है। हर दूसरे दिन वकील से मुलाकात की शर्त पहले ही लगी हुई है। बताया जा रहा है, अदालत ने 10 दिसम्बर को ईडी की कार्यवाही के 60 दिन पूरे हो रहे हैं। नियमों के मुताबिक एजेंसी को इन 60 दिनों के भीतर ही अभियोगपत्र पेश करना होता है। माना जा रहा है, उस दिन अभियोगपत्र पेश नहीं हुआ तो अदालत आरोपियों को राहत दे सकती है।

ईडी के अफसर इस मामले में अब तक हुई जांच और पूछताछ के आधार पर आरोपपत्र बनाने की जल्दी में है। उनकी कोशिश है कि 10 दिसम्बर तक यह आरोप पत्र अदालत में पेश हो जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो 60 दिन के भीतर आरोप पत्र देने की सीमा खत्म हो जाएगी। ऐसे में 13 अक्टूबर को गिरफ्तार तीन आरोपियों की जमानत का रास्ता खुल जाएगा।

सीएम होते हुए पिता भजनलाल ने भी हरियाणा में आतंकवाद को मुंह तोड़ जवाब दिया था: चंद्रमोहन

पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन ने कहा वीरेश शांडिल्य भगत सिंह की तरह खालिस्तानी मूमेंट का विरोध कर रहे, गृह मंत्री अमित शाह व अनिल विज शांडिल्य की सुरक्षा बढ़ाए

अंबाला, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। अंबाला, पूर्व डिप्टी सीएम एवं कालका से लगातार चार बार एमएलए रहे चंद्रमोहन ने कहा कि जब पंजाब में आतंकवाद चरम सीमा पर था तो उनके पिता जो चौधरी भजन लाल जो उस हरियाणा के सीएम होते थे हरियाणा में आतंकवाद को मुंह तोड़ जवाब दिया और आतंकवादियों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए हुए थे यही कारण है कि चौधरी भजनं लाल को आतंकवादियों ने अंबाला सिटी के मानव चौक व हिसार रोड़ पर बुलाना गांव के समीप आरडीएक्स से उड़ाने की साजिश भी रची गई थी और केंद्र सरकार ने उन्हें व उनके परिवार को जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की हुई थी। चंद्रमोहन ने कहा वैसे ही आज खालिस्तानी मूमेंट व पाकिस्तानी आतंकवादियो के खिलाफ जान हथेली पर रख कर एन्टी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य लड़ रहे हैं। और शांडिल्य वैसे ही खालिस्तानियों के खिलाफ लड़ रहे हैं जैसे आजादी की लड़ाई में भगत सिंह, चंदर शेखर आजाद, खुदी राम बोस, उधम सिंह लड़ रहे थे। पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन आज वीरेश शांडिल्य के सेक्टर 1 निवास पर पाऊँचे जहां उनका फ्रंट के सदस्यों ने जोरदार स्वागत किया। पत्रकारो से बातचीत करते हुए चंद्रमोहन ने कहा वीरेश शांडिल्य मेरे 30 साल से पारिवारिक सदस्य हैं और तब से वो लगातार आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहे हैं। आज वो उनकी इस मुहिम में उनकी पीठ थपथपाने आये। उन्होंने कहा आतंकवाद भारत की नही विश्व की ज्वलंत समस्या है। और शांडिल्य ने जो पंजाब के अंदर जाकर खलिस्तान के खिलाफ मुहिम शुरू की उससे उनके जीवन खतरे में है जब 30 सुरक्षा कर्मी होते हुए अमृतसर में सुधीर सूरी को मौत के घाट उतार दिया तो वीरेश शांडिल्य के पास मात्र दो सुरक्षा कर्मी हैं और खलिस्तान की मूमेंट चलाने वाले पंजाब में ही नही हरियाणा चंडीगढ़, हिमाचल व उत्तर भारत मे हैं ऐसे में शांडिल्य को खलिस्तानी सुधीर सूरी की तरह मौत के घाट आसानी से उतार सकते हैं ऐसे में देश के गृह मंत्री अमित शाह व हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज वीरेश शांडिल्य की सुरक्षा को बढ़ाने के आदेश जारी करें क्योंकि अपने परिवार की जान की परवाह न करते हुए शांडिल्य आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहे हैं और उन्हें धमकियां भी मिलती है। पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन ने पत्रकारों को 18 साल पहले की बात सुनाई और कहा कि 2002 में वीरेश शांडिल्य दिल्ली से जम्मू कश्मीर तक आतंकवाद विरोधी रथ यात्रा लेकर गए थे और पाकिस्तानी आतंकवादियो को ललकारते गए और उन्होंने स्वयं 2002 में चंडीगढ़ के मटका चोंक वीरेश शांडिल्य की रथ यात्रा का स्वागत किया था। उन्होंने कहा सभी राजनीतिक पार्टियों को वीरेश शांडिल्य जैसे इस युग के भगत सिंह का साथ देना चाहिए। इस मौके पर वीरेश शांडिल्य ने चंद्रमोहन को दोशाला व रामदरबार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर कुलवत सिंह मानकपुर, संजीव सेठ, लखविंदर सिंह साधापुर, सुरेंदर पाल केके, जनार्दन ठाकुर, मुकेश, अंकुर बिश्नोई, आदि मौजूद थे। पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन ने कहा वो वीरेश शांडिल्य की सुरक्षा बढ़ाने को लेकर गृह मंत्री अनिल विज से मिलेंगे। क्योंकि शांडिल्य सुरक्षा की कमी के कारण मारे गए तो कोई माँ अपने बेटे को आतंकवाद के खिलाफ बोलने नही देगी और खालिस्तानियों ने सुधीर सूरी को अमृतसर में इसलिए मारा की खालिस्तानी मूमेंट के खिलाफ कोई खड़ा न हो सके। चंद्रमोहन ने कहा हाल ही में वीरेश शांडिल्य खालिस्तानी मुमेट के खिलाफ पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को ज्ञापन दिया।

हाथी के हमले में डब्ल्यूआईआई का सदस्य घायल

रांची, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले में एक हाथी के हमले में भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के सर्वेक्षण दल का एक सदस्य घायल हो गया। 25 वर्षीय स्वास्तिक प्रीतम और टीम के तीन अन्य सदस्य रांची से लगभग 160 किलोमीटर दूर चौपारण क्षेत्र के गंगाहर जंगल में 11 हाथियों के झुंड की तस्वीरें खींच रहे थे।

बरही अनुमंडल पुलिस अधिकारी नजीर अख्तर ने बताया कि केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के निर्देशानुसार वन क्षेत्र का सर्वेक्षण करने के लिए टीम क्षेत्र में आई थी। टीम जंगल की प्रकृति और वन्य जीवों पर एक रिपोर्ट तैयार कर रही है।

उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण टीम को हाथियों के झुंड के आने की सूचना मिली और वह वन अधिकारियों को सूचित किए बिना झुंड के करीब पहुंच गए। वह हाथियों की तस्वीरें ले रहे थे। वन रेंज अधिकारी राहुल कुमार ने कहा कि

सर्वेक्षण करने पहुंची थी टीम

डब्ल्यूआईआई की टीम को तस्वीरें क्लिक करते देख एक हाथी चिढ़ गया और उनकी ओर दौड़ पड़ा। चार में से तीन भागने में सफल रहे, लेकिन नई दिल्ली के रहने वाले प्रीतम एक झाड़ी के पीछे छिप गए। हाथी ने उन्हें देख लिया।

उन्होंने कहा कि हाथी ने उन्हें अपने सूंड से उठा लिया और जमीन पर फेंक दिया, जिससे उन्हें चोटें आईं हैं। उन्होंने कहा कि प्रीतम को गर्दन और कंधे में चोटें आई हैं। उपचार के लिए उन्हें हजारीबाग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

भानुप्रतापपुर उपचुनाव: कांग्रेस बोली- ब्रह्मानंद को बचाने के लिए भाजपा ने मर्यादा तोड़ी, सरेंडर कराए

रायपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भानुप्रतापपुर उपचुनाव के लिए मतदान समाप्त हो चुका है। प्रत्याशियों की किस्मत भी ईवीएम में कैद हो गई है, लेकिन भाजपा प्रत्याशी ब्रह्मानंद नेताम से जुड़ा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। झारखंड हाईकोर्ट के उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाने के बाद अब कांग्रेस फिर हमलावर हो गई है। उसने ब्रह्मानंद नेताम को दुष्कर्मी बताते हुए कहा है कि भाजपा ने उन्हें बचाने के लिए राजनैतिक दल की सारी मर्यादा तोड़ दी। अब भाजपा उनका सरेंडर कराए।

भाजपा प्रत्याशी ब्रह्मानंद नेताम

दोषमुक्त नहीं हुए हैं, नैतिकता हो तो सरेंडर करें

कांग्रेस संचार विभाग के प्रदेश प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि, भाजपा प्रत्याशी ब्रम्हानंद नेताम के ऊपर झारखंड के टेल्को थाने में 15 मई 2019 को आपराधिक षड्यंत्र रचने, दुष्कर्म, पॉक्सो और अनैतिक देह व्यापार अधिनियम में एफआईआर दर्ज है। झारखंड हाईकोर्ट ने उसकी बलपूर्वक गिरफ्तारी पर रोक लगाई है। वह दोषमुक्त नहीं हुए हैं। अब ब्रम्हानंद में नैतिकता हो तो वह खुद झारखंड पुलिस के सामने सरेंडर कर कानून का सम्मान करें, या भाजपा सरेंडर कराये।

दुष्कर्मी को प्रत्याशी बना चुनाव अभियान चलाया

सुशील आनंद ने कहा कि, आरोपी के पकड़े जाने के बाद जिस तरह से भाजपा नेता और कार्यकर्ता दुष्कर्मी के बचाव में प्रदर्शन करते नजर आए, उससे साफ हो गया है कि मासूम के गुनाहगार को पूरी भाजपा बचाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि, यह भाजपा का महिला विरोधी घृणित चेहरा है। खुद को पार्टी विद डिफरेंस का दावा करने वाली भाजपा ने एक दुष्कर्मी को प्रत्याशी बनाकर उसके पक्ष में चुनाव अभियान चलाया। उसकी गिरफ्तारी पर प्रदर्शन कर रहे थे।

भाजपा ने सरेआम कानून का मखौल उड़ाया

उन्होंने कहा कि, भाजपा के पास ब्रम्हानंद की गिरफ्तारी पर रोक का हाईकोर्ट का आदेश था तो पुलिस को दिखाना था न कि धरना-प्रदर्शन करना। भाजपा ने सरेआम कानून का मखौल उड़ाया है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का आचरण निंदनीय था। कहा कि, ब्रम्हानंद की पैरोकारी कर भाजपा अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकती है। भाजपा में जरा भी नैतिकता नहीं बची है। ब्रम्हानंद के कुकर्म को नजरअंदाज कर भाजपा ने उसे अपना प्रत्याशी बनाया।

दुष्कर्मियों को बचाने में लगी है भाजपा

सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया कि, असल में भाजपा का चरित्र ही अपराधियों के साथ खड़ा होना और पीड़ित पक्ष को डराना-धमकाना है। बेटी बचाओ का नारा लगाने वाली भाजपा, दुष्कर्मियों को बचाने में लगी हुई है।

देश में जहां भी भाजपा की सरकारें है वहां दुष्कर्मियों को बचाने के लिए नेता सड़कों पर उतरते है। उन्नाव, कठुआ, हाथरस में भी भाजपा नेता दुष्कर्मी को बचाने झंडा लेकर सड़कों पर उतरे थे। गुजरात में सजायफ्ता 11 दुष्कर्मियों को जेल से रिहा किया गया। रमन सिंह मुख्यमंत्री थे तब उनके ओएसडी ओपी गुप्ता पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप लगा।

इमरजेंसी से डॉक्टर गायब तो भड़के सिविल सर्जन

नालंदा सदर अस्पताल में सीएस बोले- ड्यूटी नहीं करनी है तो प्लीज गो होम, डोंट डिस्टर्ब अस

नालंदा, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। नालंदा के सदर अस्पताल में डॉक्टरों के गायब रहने या देर से आने की शिकायत आम है। इसी क्रम में इमरजेंसी में डॉक्टर के नहीं रहने की सूचना जब सिविल सर्जन को मिली तो निरीक्षण के लिए अस्पताल पहुंच गए। इमरजेंसी में डॉक्टर को न देखकर भड़क गए। उन्होंने डॉक्टरों से साफ कह दिया कि यदि रोस्टर के अनुसार ड्यूटी नहीं करनी है तो घर पर बैठें। प्लीज गो होम, डोंट डिस्टर्ब अस। सदर अस्पताल की स्वस्थ्य व्यवस्था को लेकर कई दिनों से प्रबंधन व डॉक्टरों के बीच तनातनी बनी हुई है। सोमवार को निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन को एसएनसीयू में एक महिला चिकित्सक मिली जिनकी ड्यूटी ओपीडी में भी लगाई गई थी। उनके साथ भी सीएस के साथ बहस हुई। सीएस अविनाश कुमार सिंह ने कहा कि सदर अस्पताल में इन दिनों डॉक्टर ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं। एक भी डॉक्टर रोस्टर के अनुसार ड्यूटी नहीं कर रहे हैं। आए दिन कभी ओपीडी तो कभी इमरजेंसी से डॉक्टर के गायब रहने की शिकायत मिल रही है। स्थिति यह बन गई है कि डॉक्टर बिना आवेदन के ही गायब हो जाते हैं। उन्होंने कहा अगर मनमानी ही करनी है तो घर पर बैठें। सिस्टम भी कहने वाला नहीं हैं। लेकिन जब उपस्थिति बनेगी तो ड्यूटी तो लिया जाएगा। फटकार लगाते हुए कहा कि इससे ज्यादा डॉक्टर किसी सरकारी अस्पताल में नहीं हैं। यहां 30 डॉक्टर हैं। ड्यूटी नहीं करनी है तो घर बैठकर प्रैक्टिस कीजिए। कौन सा रोस्टर का पालन करती हैं। प्लीज गो होम, डोंट डिस्टर्ब अस। कोई कितना बर्दाश्त करेगा। चिकित्सकों की ड्यूटी को लेकर दिनभर सदर अस्पताल में गरमा गर्मी का माहौल बना रहा।

स्वास्थ्य सचिव के नेतृत्व में जांच टीम मेडिकल कॉलेज पहुंची

अंबिकापुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित मेडिकल कॉलेज में रविवार रात चार बच्चों की मौत मामले में जांच शुरू हो गई है। स्वास्थ्य सचिव आर. प्रसन्ना के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम मंगलवार सुबह मेडिकल कॉलेज पहुंच गई है। मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने 48 घंटे में रिपोर्ट मांगी है। आरोप है कि मेडिकल कॉलेज में एमसीएच अस्पताल के एनआईसीयू में करीब दो घंटे तक बिजली नहीं थी। इसके चलते बच्चों की मौत हुई है। हालांकि कॉलेज प्रशासन ने इससे इनकार किया है।

अस्पताल अधीक्षक से पूछताछ, ड्यूटी रजिस्टर तलब

स्वास्थ्य सचिव आर. प्रसन्ना के नेतृत्व में पहुंची चार सदस्यीय टीम में डॉ. खंडेलवाल, डीएमई की टीम के डॉ. राकेश नहरेल और डॉ. समीर जैन शामिल हैं। टीम ने एनआईसीयू में पहुंचकर निरीक्षण किया। इसके साथ ही अस्पताल अधीक्षक डॉ. लखन सिंह और मातृ एवं शिशु अस्पताल प्रभारी डॉ. सुमन सिंह से पूछताछ भी की। जांच टीम ने चिकित्सकों का ड्यूटी रोस्टर भी तलब किया और ड्यूटी लगाने के संबंध में जानकारी ली है।

सोमवार को अस्पताल प्रबंधन ड्यूटी रजिस्टर नहीं दिखा सका था।

इन बिंदुओं पर जांच टीम का फोकस

सूत्रों के अनुसार जांच टीम कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। इसमें परिजनों का आरोप और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन के दावे को लेकर भी जांच की जा रही है।

टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या लाइट जाने के बाद मशीनें बंद हुई थीं और इनका क्या असर पड़ा।

चिकित्सा टीम ने इस दौरान क्या त्वरित कार्रवाई की थी।

ड्यूटी किन चिकित्सकों की लगी थी और वे अस्पताल में थे या नहीं।

विद्युत विभाग की टीम भी सोमवार से ही विद्युत व्यवस्था और फाल्ट की जांच कर रही है।

पहले भी लगे कई आरोप, गाज गिरना तय

मेडिकल कालेज अस्पताल में एक साथ चार बच्चों की मौत कों लेकर स्वास्थ्य विभाग के साथ स्वास्थ्य मंत्री की जमकर किरकिरी हुई है। इस घटना के तीन दिन पहले भी एमसीएच में ही प्रसूता व नवजात की मौत हो गई थी। परिजनों ने स्वास्थ्य अमले पर 10 हजार रुपये मांगने और लापरवाही का आरोप लगाया था। कई घंटों तक अमला प्रसूता को बेड तक उपलब्ध नहीं करा पाया था। स्वास्थ्य मंत्री खासे खफा दिखे। माना जा रहा है कि इस बार अधिकारियों पर गाज गिरना तय है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिखाए थे काले झंडे

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में चार नवजातों की मौत पर सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। उनके साथ स्वास्थ्य सचिव आर. प्रसन्ना और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. खंडेलवाल भी थे। इस दौरान भाजपाइयों ने स्वास्थ्य मंत्री को काले झंडे दिखाए और उनका पुतला फूंका था। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और नेता प्रतिपक्ष ने भी प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस सरकार में 25 हजार बच्चों की मौत का दावा करते हुए इस्तीफा मांगा।

बीजेपी दफ्तर से गुजरते हुए राहुल गांधी ने दी फ्लाइंग किस

राजस्थान में यात्रा के दौरान कठपुतली नचाई, अंदाज देख सभी मुस्कुराए

झालावाड़, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का आज दूसरा दिन है। झालावाड़ के खेल संकुल से सुबह करीब छह बजे शुरू हुई यात्रा ने करीब दस किलोमीटर का सफर पूरा कर लंच ब्रेक लिया है। फिलहाल यात्रा झालावाड़ जिले के देवरी घाटा में है। आज के दिन की यात्रा का दूसरा चरण दोपहर 3.30 बजे से स्टार्ट होगा।

इस दौरान कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि गुजरात चुनाव ने बीजेपी ने सारी हदें पार कर दी। उन्होंने कहा कि वोटिंग के दिन पीएम मोदी के रोड शो में बीजेपी ने प्रचार किया। इससे पहले भारत जोड़ो यात्रा के सुबह के शेड्यूल में राहुल गांधी और यात्री राजस्थान के सांस्कृतिक रंगों के साथ घुलते-मिलते नजर आए। यात्रा जब जिला भाजपा कार्यालय के सामने से निकली तो राहुल का रिएक्शन देखकर सभी मुस्करा दिए। दरअसल, भाजपा ऑफिस पर भी कई लोग यात्रा को देखने के लिए सुबह से ही जमे हुए थे। राहुल की नजर जब उन पर पड़ी तो उन्होंने फ्लाइंग किस देकर लोगों का अभिवादन किया।

इस बीच राजस्थान में यात्रा की एंट्री वाले दिन ही राजस्थान कांग्रेस को नया प्रभारी भी मिल गया। पंजाब के सीनियर लीडर सुखजिंदर सिंह रंधावा को पार्टी ने माकन के इस्तीफे के बाद प्रभारी नियुक्त किया है। रंधावा कांग्रेस स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य भी मनोनीत किए गए हैं। हालांकि, 9 दिसंबर को यात्रा का ब्रेक रहेगा।

इससे पहले सोमवार को पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के निर्वाचन क्षेत्र वाले झालावाड़ जिले में भीड़ जुटाकर कांग्रेस ने सियासी ताकत दिखाने का प्रयास किया। यात्रा के दौरान राहुल गांधी सॉफ्ट हिंदुत्व पर फोकस कर रहे हैं। यात्रा के रूट में आने वाले कुछ मंदिरों में भी जा सकते हैं। राहुल गांधी ने एक दिन पहले ही जय सियाराम और हे राम नारे को लेकर बीजेपी-आरएसएस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा भाजपा को जय सियाराम बोलना ही पड़ेगा।

जिन्हें टिकट चाहिए, उन्होंने ही खर्च किये राहुल की यात्रा पर पैसे, बड़े नेता निकले कंजूस!

इंदौर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने मध्यप्रदेश में 12 दिन में 370 किलोमीटर का रास्ता तय किया। अन्य राज्यों की तुलना में भले ही भीड़ जुटाने में कांग्रेस कामयाब रही हो, इंतजामों में प्रदर्शन औसत ही रहा। महाराष्ट्र को टीम राहुल ने ए-प्लस ग्रेड दिया था।

जब बात मध्यप्रदेश की आई तो राहुल की टीम ने कोई ग्रेड ही नहीं दी। इसकी वजह यह है कि इंतजाम औसत ही रहे। टीम राहुल के पास जो फीडबैक पहुंचा है, उसके मुताबिक कांग्रेस के उन नेताओं ने ही पैसा खर्च किया, जिन्हें फिर से टिकट चाहिए। बड़े नेताओं ने इंतजामों के लिए जेब में हाथ डालने से परहेज ही रखा। राहुल गांधी की यात्रा का बड़ा हिस्सा मालवा-निमाड़ से गुजरा। यहां पर टेंट और भोजन का इंतजाम दो बड़े विधायकों को दिया गया था। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह ने मध्य प्रदेश में यात्रा के इंतजामों पर सिर्फ निगरानी रखी। मध्यप्रदेश में यात्रा में भीड़ तो नेताओं ने जुटाई, लेकिन यात्रा के इंतजाम औसत रहे।

23 साल बाद अजमेर पहुंची ममता बनर्जी

गोखले की गिरफ्तारी पर बोलीं-बहुत बुरा हुआ, राजस्थान-बंगाल का अलग रिश्ता

अजमेर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को दिल्ली से किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंची। यहां तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता साकेत गोखले की गिरफ्तारी को लेकर ममता बैनर्जी ने कहा कि यह बहुत बुरा हुआ। उन्होंने कहा कि साकेत गोखले ने सोमवार रात नई दिल्ली से राजस्थान के जयपुर के लिए उड़ान भरी थी। जयपुर एयरपोर्ट पर उन्हें गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसे अहमदाबाद ले गई।

बैनर्जी ने कहा कि उन्होंने मोरबी पुल हादसे पर प्रधानमंत्री के खिलाफ ट्वीट किया था। हमारे खिलाफ तो बहुत ट्वीट होते है। लेकिन साइबर क्राइम को जरूर देखना चाहिए। मोरबी पुल हादसा बड़ा कांड था। बनर्जी ने कहा कि बंगाल ओर राजस्थान का है अलग रिश्ता है। राजस्थान के कई लोग रहते है बंगाल में, बंगाल में कई आईएएस ओर आईपीएस भी राजस्थान के ही रहने वाले है ,जब वह रेल मंत्री तब मैंने एक स्कीम बनाई थी, देश को एक करने के लिए बहुत फाइट करनी पड़ी थी, उस समय कहा था अगर कम्युनल हरमनी करना है तो पुष्कर जाना जरूरी है। किशनगढ़ से जियारत के लिए अजमेर ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में पहुंची। यहां खादिम सैयद मुकद्दस मोईनी जियारत करवाई। तबरूक में सोहन हलुआ भेंट किया। इसके बाद उन्होंने दरगाह दीवान जेनुएल आबेदीन से भी मुलाकात की।

सर्किट हाउस में विश्राम कर जाएंगी पुष्कर

इसके बाद सर्किट हाउस में विश्राम के बाद दोपहर 3 पुष्कर के ब्रह्मा घाट पहुंचेंगे। यहां पूजा अर्चना करने के बाद जगतपिता ब्रह्मा मंदिर में दर्शन कर 4 बजे किशनगढ़ के लिए रवाना होने का कार्यक्रम है। इससे पहले बनर्जी 23 साल पहले अजमेर आई थी। जिला प्रशासन और पुलिस ने पश्चिम बंगाल से आए विशेष सुरक्षा अधिकारियों के साथ व्यवस्थाएं जांच चुके है।

पहले आई तो रेल मंत्री बनीं, आज दूसरी बार आई

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दूसरी बार अजमेर आईं। इससे पहले वह 1999 में दरगाह आई थी। इसके बाद दिल्ली पहुंची, तब उनको रेलवे मिनिस्टर बनाया गया था। वे भारत की पहली महिला हैं,जिन्हें रेल मंत्री बनने का सौभाग्य मिला।

बैनर्जी की यात्रा को लेकर दरगाह व सर्किट हाउस रूट को खाली कराया गया। इस दौरान सुरक्षा के लिहाज से पर्याप्त पुलिस जाब्ता भी तैनात रहा। जिला प्रशासन के आला अधिकारी और पुलिस में बंगाल से आए उनसे सुरक्षा अधिकारियों के साथ रिहर्सल को अंजाम देकर व्यवस्थाओं का जायजा ले चुके।

माकन का इस्तीफा मंजूर, रंधावा राजस्थान कांग्रेस के नए प्रभारी

गहलोत-पायलट विवाद निपटाना चुनौती; तीन नेताओं पर एक्शन को लेकर भी होंगे सवाल

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। लंबे सियासी विवाद के बाद अब कांग्रेस हाईकमान ने राजस्थान प्रभारी बदल दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन का इस्तीफा मंजूर करके पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखजिंदर सिंह रंधावा को नया प्रभारी नियुक्त किया है।

राहुल की एंट्री के साथ नया प्रभारी

रंधावा को प्रभारी बनाने के साथ ही कांग्रेस स्टीयरिंग कमेटी का मेंबर भी बनाया है। रंधावा चरणजीत सिंह चन्नी के पंजाब सीएम बनने के बाद गृह मंत्री बने थे। राजस्थान कांग्रेस का प्रभारी बदलने की वजह 25 सितंबर के सियासी बवाल को मुख्य कारण माना जा रहा है। 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक में सीएम अशोक गहलोत खेमे के विधायकों के विधायक दल की बैठक के बहिष्कार के बाद से अजय माकन और सीएम अशोक गहलोत के बीच तल्खी बढ़ गई थी। माकन ने ही तीन गहलोत समर्थक नेताओं को पैरेलल विधायक दल की बैठक बुलाए जाने के मामले में सोनिया गांधी को सौंपी रिपोर्ट में दोषी ठहराया था। माकन की रिपोर्ट के बाद शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र सिंह राठौड़ को नोटिस दिए गए थे, जिनके जवाब दिए गए थे। तीनों नेताओं के खिलाफ एक्शन नहीं होने का मुद्दा उठाते हुए अजय माकन ने 8 नवंबर को ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को चिट्ठी लिखकर इस्तीफा दे दिया था। अजय माकन का राजस्थान प्रभारी पद से इस्तीफा देने के पीछे सियासी खींचतान को कारण बताया जा रहा है। सियासी बवाल के वक्त गहलोत कैंप के कई मंत्रियों ने अजय माकन पर पक्षपात करने के आरोप लगाए गए थे। माकन 25-26 सितंबर के बाद से राजस्थान नहीं आए थे।

माकन को फिलहाल कोई पद नहीं दिया

राजस्थान कांग्रेस प्रभारी के पद से माकन का इस्तीफा मंजूर करने के बाद फिलहाल उन्हें कोई नया पद नहीं दिया है। माकन लंबे समय से कांग्रेस महासचिव थे। खड़गे के अध्यक्ष बनते ही सभी पदाधिकारियों के इस्तीफे हो गए थे लेकिन माकन ने 8 नवंबर को लिखी इस्तीफे की चिट्ठी में गहलोत समर्थक तीनों नेताओं के खिलाफ एक्शन नहीं होने पर सवाल उठाए थे।

गहलोत-पायलट की खींचतान में दो प्रभारी बदले

अजय माकन को अगस्त 2020 में अविनाश पांडे की जगह राजस्थान का प्रभारी महासचिव नियुक्त किया गया था। अविनाश पांडे को सचिन पायलट खेमे की शिकायत के बाद हटाया गया था। पांडे पर गहलोत खेमे का पक्ष लेने के आरोप लगे थे। सचिन पायलट खेमे की बगावत के बाद हुई सुलह में यह मुद्दा उठा था। पायलट खेमे से सुलह के हफ्ते भर बाद ही अविनाश पांडे को प्रभारी पद से हटाकर अजय माकन को राजस्थान का प्रभारी बनाया गया था। अशोक गहलोत और सचिन पायलट की खींचतान में सवा दो साल में दो प्रभारी बदल चुके हैं।

दिशा की बैठक में सांसद का छलका दर्द

केंद्र सरकार के कार्यों का श्रेय नहीं मिलने पर जताई नाराजगी

करौली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। करौली में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक में क्षेत्रीय सांसद का दर्द छलक उठा। सांसद ने बैठक में अधिकारियों से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना सहित केंद्र की अनेक योजनाओं में स्वीकृति के बाद शिलान्यास और उद्घाटन में उन्हें नहीं बुलाने पर नाराजगी जताई। सांसद ने अधिकारियों से केंद्र सरकार के सहयोग से चल रही योजनाओं की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों द्वारा नियमों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई तक की चेतावनी दी। इस दौरान हिंडौन नगर परिषद सहायक अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। करौली कलेक्ट्रेट में आयोजित दिशा की बैठक में करौली धौलपुर सांसद डॉ मनोज राजोरिया ने जिले में केंद्र सरकार के सहयोग से चल रही विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, एडीएम मुरलीधर प्रतिहार, जिला परिषद सीईओ महावीर नायक, एएसपी सुरेश जैफ सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सांसद ने जिले के सभी ब्लॉकों में पीएमजीएसवाई योजना अंतर्गत स्वीकृत सड़क निर्माण में नियमों का पालन नहीं करने, उद्घाटन, लोकार्पण सहित विभिन्न कार्यक्रमों की सूचना नहीं देने पर अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। सांसद ने नियम का पालन नहीं करने और खराब काम की कलेक्टर को सूची तैयार कर रिकवरी के निर्देश दिए। साथ ही राज्य और भारत सरकार से जांच कराने की भी बात कही। सांसद ने कहा कि करौली से सयपुर रोड मात्र दो साल में उखाड़ गई, जबकि न्यूनतम 5 साल उम्र होती है। सांसद ने ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारी को नोटिस, सड़कों की मरम्मत, पेड़ों की कटाई के निर्देश दिए।

राजस्थान में सर्दी बढ़ी, पारा अभी और गिरेगा

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सर्दी धीरे-धीरे जोर पकड़ रही है। रात के बाद अब दिन में भी तापमान कम होने लगा है। उदयपुर, गंगानगर, अजमेर, अलवर में दिन में अधिकतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला गया है। इस कारण शहरों में अब दिन में सूरज की गर्मी हल्की पड़ने लग गई। इसके कारण जयपुर, सीकर, कोटा, उदयपुर में अधिकतम तापमान 26 डिग्री से नीचे आ गया है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक सर्दी का ये दौर आगे ऐसे ही जारी रहेगा। दिन और रात के तापमान में कई शहरों में दो डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट देखने को मिल सकती है। क्योंकि उत्तर भारत में अभी मौसम बिल्कुल शुष्क बना हुआ है।

ठेहट के हत्यारे मंदिर में छिपे रहे

खुद खाना बनाया, पुजारी को भी चाय पिलाई; रातभर साथियों का इंतजार किया...

झुंझुनूं, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कुख्यात गैंगस्टर राजू ठेहट को सरेआम गोलियों से भूनकर हत्यारे झुंझुनूं में पहाड़ी पर बने एक मंदिर में जा छुपे थे। मर्डर के बाद बदमाश झुंझुनूं की तरफ भागे थे। हरियाणा बॉर्डर पर आने के बाद पांचों बदमाश अलग हो गए।

इनमें जतिन और सचिन समेत एक नाबालिग पौंख गांव की पहाड़ियों कि तरफ चले गए। उन्हें लगा कि उनके दो साथी भी यहां पहुंच जाएंगे। ये तीनों बदमाशों पौंख गांव की एक पहाड़ी पर बने मंदिर में रुके थे, जहां इन्होंने रात बिताई। यहां पुजारी भुजपालदास ने मर्डर के बाद के पूरे घटनाक्रम को बताया। उन्हें इस बात की जरा भी भनक नहीं थी कि ये तीनों मर्डर कर यहां आए है। इसी मंदिर में उन्होंने खाना बनाया, चाय बनाई और यहीं पर रुके।

बता दें कि शनिवार को बदमाशों ने राजू ठेहट को सीकर में उसके घर पर ही गोलियां बरसा कर मार दिया था। इस सिलसिले में रविवार को सीकर और झुंझुनूं पुलिस दोनों की टीमों ने मिलकर पांचों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। दो बदमाशों को हरियाणा के बॉर्डर के पास डाबला से पकड़ा गया है, जबकि तीन की गिरफ्तारी झुंझुनूं के पौंख गांव से हुई थी।

झुंझुनूं जिले के पौंख गांव की पहाड़ियों पर ये मंदिर बना है। मंदिर तक पहुंचने के लिए करीब 7 से 8 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। भास्कर की टीम घने जंगलों को पार करते हुए सुबह 8 बजे मंदिर पहुंची। यहां पुजारी भुजपालदास टहल रहे थे।

जब उनसे बदमाशों के बारे में पूछा गया तो वह बोले उन्हें बाद में पता चला कि ये मर्डर कर यहां आए थे। पुजारी भुपालदास बताते हैं, 'शाम के साढ़े 5 बजे थे। मैं मंदिर में ही बैठा था। इस दौरान तीन युवक आए (जतिन, सचिन और एक नाबालिग)। मैं उन्हें जानता नहीं था। उन पर कोई शक भी नहीं हुआ, क्योंकि यहां लोग दर्शन करने आते रहते थे। इनमें से एक ने बताया कि वे शादी में आए थे। किसी ने इस मंदिर के बारे में बताया तो हम भी यहां दर्शन करने के लिए आ गए।

जब वे मंदिर तक पहुंचे अंधेरा हो चुका था। उन्होंने दर्शन किए और कई देर तक यहां बैठे रहे। उस दौरान रात हो चुकी थी। मैंने पूछा कैसे जाओगे तो कहा- अब तो अंधेरा हो गया है और पहाड़ी पर जंगली-जानवर भी रहते हैं। हमें जानवरों से डर लगाता है। इसलिए अब सुबह ही निकलेंगे। तीनों ने मंदिर के गेट के पास बने एक हॉल में व्यवस्था कर ली थी। पूरी रात वे इसी हॉल में थे। सुबह में उठा और पूजा-पाठ कर आरती करने लगा। 6 बजे उन्होंने चाय बनाई। मुझे भी पिलाई थी। इसके बाद मुझे कहा कि हम घूमने जा रहे हैं और अपने दो साथियों को लेकर आ रहे हैं। इसके बाद वे मंदिर से निकल गए।'

तीनों ने सोचा बाकी साथी भी यहां आ जाएंगे, लेकिन वे निकल गए

पुजारी भुपालदास ने बताया कि तीनों ने बताया था कि वे राजगढ़ के रहने वाले हैं। साथ में ये भी बताया कि उनके दो साथी भी आएंगे। इसके बाद वे सुबह सभी यहां से साथ जाएंगे। पुजारी ने बताया कि उन्होंने किसी भी तरह की कोई चर्चा नहीं की। न ही उन्हें पता था कि उनके पास खतरनाक हथियार हैं।

ऐसा लग रहा था कि बदमाशों ने पहले से प्लानिंग कर रखी थी कि वे जंगल के रास्ते होते हुए इस मंदिर में पहुंचेंगे और रात यहीं गुजारेंगे। ताकि किसी को शक न हो। लेकिन, जब सुबह तक उनके दो साथी नहीं आए तो उन्हें अंदेशा हो गया था कि कुछ गलत है। ऐसे में वे मौका देख वहां से भाग गए।

मंदिर से निकलते ही पकड़ में आए, लोगों ने देख लिया था

जतिन, सचिन और नाबालिग आरोपी के दो साथी विक्रम और मनीष पहले ही पकड़े जा चुके थे। इस सर्च ऑपरेशन में स्थानीय लोगों ने भी काफी मदद की। ग्रामीणों और पुलिस को पता था कि बाकी तीन बदमाश इन्हीं पहाड़ियों में छिपे हैं। तीनों सुबह करीब 6:15 बजे मंदिर से निकलने के बाद पहाड़ियों पर घूमने लगे।

आयरन ओर के साथ तांबे का भंडार मिलने के संकेत

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिला माइनिंग क्षेत्र के लिए बड़ी खुशखबरी लेकर आया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि भीलवाड़ा के कोटडी तहसील के चांदगढ़ में आयरन ओर (लोह अयस्क) के एक्सप्लोरेशन के दौरान (तांबा) कॉपर के भण्डार मिलने के अच्छे संकेत मिले हैं। विभाग द्वारा आरएसएमईटी के माध्यम से भीलवाड़ा के कोटडी के चांदगढ़ गांव में आयरन ओर के लिए 3500 मीटर ड्रिलिंग का कार्य करवाया जा रहा है। एक्सप्लोरेशन के शुरुआती दौर में ही आयरन ओर के साथ ही कॉपर के भण्डार मिलने के संकेत मिले हैं। एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देशों की अनुपालना में विभाग द्वारा राजस्थान राज्य खनिज अन्वेषण ट्रस्ट के वित्तीय व तकनीकी सहयोग से एक्सप्लोरेशन गतिविधियों में तेजी लाने का निर्णय किया गया है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि विभाग द्वारा गत 22 अगस्त को भीलवाड़ा के चांदगढ़ में आयरन ओर के 3500 मीटर ड्रिलिंग का कार्य आरंभ करवाया गया जिसमें अधिकतम 100 मीटर गहराई के 35 बोर होल्स कार्य प्रगतिरत है।

राजस्थान में सियासी संकट, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

कांग्रेसी विधायकों के सामूहिक इस्तीफे मामले में बड़ा झटका, विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस

जयपुर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायकों के सामूहिक इस्तीफे मामले को लेकर हाईकोर्ट ने जवाब-तलब किया है। राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी और सचिव को नोटिस जारी किए गए हैं।

इसे गहलोत-पायलट खेमों में खींचतान और प्रदेश में जारी सियासी संकट के बीच बड़ा झटका माना जा रहा है। विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष व चूरू से विधायक राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने ये व्यवस्था दी है। ध्यान रहे कि 91 कांग्रेस के विधायकों के इस्तीफे स्पीकर के पास पेंडिंग हैं और इसके खिलाफ भाजपा नेता राठौड़ ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और विनोद कुमार भारवानी की बेंच ने इस पर सुनवाई की। राठौड़ अपने केस की खुद पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने कहा- विधायकों के सामूहिक त्याग पत्र से वर्तमान सरकार सदन का विश्वास खो चुकी है। इसके बावजूद कैबिनेट मीटिंग कर नीतिगत निर्णय लिए जा रहे हैं। इस्तीफे स्वीकार नहीं करने से घोर संवैधानिक विफलता की स्थिति पैदा

हो रही है। इसे रोकने के लिए कानूनी दखल जरूरी है। राज्य में 25 सितंबर से मौजूद संवैधानिक संकट पर स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए।

अब ये मामला ज्यूडिशियल रिव्यू में आ गया

राजेंद्र राठौड़ ने भास्कर से बातचीत में कहा- 'डिवीजनल बेंच ने सुनवाई करने के बाद दो सप्ताह का नोटिस जारी किया है। अब ये मामला ज्यूडिशियल रिव्यू में आ गया है। मैं समझता हूं, अब उचित निर्णय होगा। क्योंकि हाईकोर्ट खंडपीठ ने मामला सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। नोटिस जारी कर दिए हैं।

इस पर विधानसभा अध्यक्ष और सचिव पक्ष को अपना पक्ष रखना होगा। अब तक उन्होंने 70 दिन गुजर जाने के बाद भी इन इस्तीफों पर निर्णय नहीं किया। संविधान के आर्टिकल 190 (3)बी और 172 (2) के तहत उनके इस्तीफे स्वीकार क्यों नहीं किए? इन तमाम बातों का नोटिस के तहत उन्हें जवाब देना है।' खबर में आगे बढ़ने से पहले नीचे दिए पोल में हिस्सा लेकर आप अपनी राय जाहिर कर सकते हैं। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा- कांग्रेस में हुई सियासी बगावत के चलते 25 सितंबर को प्रदेश में सरकार समर्थित 91 विधायकों ने इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को व्यक्तिगत रूप से सौंपा था। आज 2 महीने बाद भी इस्तीफों को स्वीकार नहीं किया गया है। मंत्री और विधायक अभी भी संवैधानिक पदों पर बैठे हैं, जिन्हें बने रहने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में आंखों की जांच की गई

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीवाई फाउंडेशन के तत्वावधान में विवेकानंद नगर डिवीजन के रिक्शा चालक कॉलोनी में आंखों की निशुल्क जांच, चिकित्सा एवं दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेडचल मलकजगिरी शहरी जिला भाजपा एससी मोर्चा के सचिव अशोक ने सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के विवेकानंद नगर मंडल के तहत आरपी कॉलोनी में "जीवाई फाउंडेशन" द्वारा एक मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। श्रीलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद ने कहा कि जीवाई फाउंडेशन द्वारा चिकित्सा शिविर में मुफ्त नेत्र परीक्षण, मुफ्त दवाओं का वितरण किया। इसे मानव सेवा माधव सेवा के रूप में गरीबों के लिए योगदान देने के इरादे से स्थापित किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गज्जल योगानंद थे। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि बीमारी को पहचान नहीं पाने के कारण कई लोग कई तरह की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। रोगी अपनी जान गंवा रहे हैं क्योंकि वे अस्पताल जाने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं या बीमारी का निदान किए बिना दयनीय जीवन जी सकते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि परिवार के भरण-पोषण के लिए वे दिहाड़ी मजदूरी करने जाते हैं और उचित खान-पान या इस प्रदूषण के कारण बीमार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों का सहयोग किया जाएगा और फाउंडेशन के तत्वावधान में नि:शुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। उन्होंने सुझाव दिया कि मुफ्त चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए सेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक मंडल में इसका आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मेडचल शहरी जिला महिला मोर्चा सचिव विद्या कल्पना एकांत गौड़, प्रदेश ओबीसी मोर्चा कार्यसमिति सदस्य एकांत गौड़, मेडचल शहरी जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा के उपाध्यक्ष श्रीहरि यादव, जिला भाजपा कार्यकारी समिति के सदस्य गणेश गौड़, मंडल भाजपा के वरिष्ठ नेता भीमैया गौड़, भानु यादव, मंडल सचिव दयाकर रेड्डी, जितेंद्र, ओबीसी मोर्चा के नेता बट्टू श्रीनू, मंडल अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष रमेश, अनुसूचित जाति मोर्चा उपाध्यक्ष यकय्या, भाजपा नेता मल्लेश, सोशल मीडिया संयोजक विनोद, महिला मोर्चा महासचिव संध्या, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष उपेंद्र, शालिनी आदि ने भाग लिया।

राज्य सरकार छावनी परिषद के नागरिकों के साथ कर रही है सौतेला व्यवहार : रामकृष्णा

समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो भाजपा करेगी आंदोलन

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के सदस्य व भाजपा नेता जे. रामकृष्णा ने आज तेलंगाना सरकार पर कई सनसनीखेज आरोप लगााय। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार छावनी निर्वाचन क्षेत्र के नागरिकों के साथ भेदभाव कर रही है। एससीबी क्षेत्र में कोई ढांचागत विकास कार्य नहीं है। नगर के एक होटल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बोर्ड के सदस्य ने आरोप लगाया कि कोविड-19 महामारी की स्थिति के दौरान कोई राहत उपाय नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी क्षेत्रों में लागू की जा रही मुफ्त जलापूर्ति योजना में छावनी क्षेत्र को शामिल नहीं किया। जल आपूर्ति की मांग अधिक है। एससीबी को लगभग 80-90 एलजीपीडी जल आपूर्ति की आवश्यकता है। न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, राज्य सरकार ने फरवरी, 2022 में उक्त मुफ्त जलापूर्ति योजना को एससीबी तक विस्तारित कर दिया। मास्टर सीवरेज योजना में छावनी क्षेत्र को शामिल नहीं किया, इस तथ्य की अनदेखी करते हुए कि मास्टर सीवरेज की अधिकांश कनेक्टिविटी एससीबी से होकर गुजरती है। एसएनडीपी (रणनीतिक नाला विकास परियोजना) और एसआरडीपी (सामरिक सड़क विकास परियोजना) प्रस्तावों के तहत किसी भी परियोजना में छावनी क्षेत्र को शामिल नहीं किया। सांविधिक निधियों, टीपीटी निधियों (स्टांप शुल्क पर अधिभार) का दुरूपयोग किया जा रहा है। राज्य सरकार राशि को तत्काल जारी करने के बजाय राशि का दुरूपयोग कर रही है। इस तरह के फंड को सीधे एससीबी ट्रेजरी में भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाए, क्योंकि यह तेलंगाना राज्य के गठन से पहले था। केंद्र सरकार के कई बार याद दिलाने के बावजूद तेलंगाना की राज्य सरकार किसी भी केंद्र प्रायोजित योजना को लागू नहीं कर रही है और न ही छावनी क्षेत्र में इसका विस्तार कर रही है। जल आपूर्ति और स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम, सार्वजनिक बोर-वेल आदि जैसे सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले बिजली शुल्कों पर विशेष सब्सिडी वाली टैरिफ कीमतों को एससीबी तक विस्तारित नहीं किया जा रहा है। भाजपा की मांग है कि टीआरएस सरकार द्वारा छावनी निवासियों की जरूरतों को तुरंत पूरा किया जाना चाहिए। नागरिकों की समस्याओं का समाधान तुरंत किया जाना चाहिए। अगर टीआरएस सरकार एससीबी की और उपेक्षा करती है तो भाजपा आंदोलन तेज करेगी। एससीबी के मुद्दों को हल करने के लिए बीजेपी तेलंगाना राज्य सरकार पर लगातार दबाव बना रही है। भाजपा छावनी निर्वाचन क्षेत्र विभिन्न मंचों पर एससीबी के मुद्दों का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि जीएचएमसी के प्रशासन में कई बड़ी खामियां हैं। इनमें प्रमुख रूप से निर्वाचित निकाय बैठकें (परामर्शदाता बैठकें) नियमित रूप से नहीं हो रही हैं और सभी निर्वाचित नगरसेवकों को कोई विकास कार्य और धन आवंटित नहीं किया गया है। जीएचएमसी की अधिकांश संपत्तियां और माल गिरवी रख दिए गए हैं। जीएचएमसी द्वारा भारी ऋण लिया गया और जीएचएमसी कर्मचारी माह-दर-माह आधार पर अपने मासिक वेतन को लेकर चिंतित हैं। जीएचएमसी के सभी ठेकेदारों को उनके बिलों और लंबित बिलों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस स्तर पर, नगरपालिका प्रशासन मंत्री दिवास्वप्न देख रहे हैं और सभी लोगों, मीडिया और सोशल मीडिया में भ्रम पैदा कर रहे हैं। एक तुलनात्मक विश्लेषण बताता है कि एससीबी प्रशासन जीएचएमसी प्रशासन से कहीं बेहतर है। इसलिए, विकास पर विलय को प्राथमिकता नहीं दी जा सकती है।

शर्मिला ने बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी के संस्थापक-अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने आज डॉ बीआर अंबेडकर को उनकी 66 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर टैंकबंड पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए शर्मिला ने कहा कि राज्य में अनुसूचित जाति अभी भी अन्याय का सामना कर रही है और अनुसूचित जाति के विकास के बारे में मुख्यमंत्री की टिप्पणियों में कोई प्रतिबद्धता नहीं देखी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने प्राणहिता चेवेल्ला परियोजना को दिए गए बीआर अंबेडकर के नाम को हटा दिया है। उन्होंने कहा कि सीएम ने दलित नेता को राज्य का पहला मुख्यमंत्री बनाने के अपने वादे से मुकरकर दलितों को धोखा दिया है। टीआरएस एमएलसी के. कविता पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर के परिवार के सदस्यों ने एक के बाद एक घोटाले किए हैं। अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएसआर के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि उनके पिता ने तेलंगाना के लोगों के लिए मुफ्त बिजली की आपूर्ति से संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर किए थे।

डीजीपी ने पुलिस एसेट्स प्रोटेक्शन ऐप लॉन्च किया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी एम. महेंद्र रेड्डी ने आज सभी पुलिस संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक ऐप लॉन्च किया। ऐप को पुलिस लैंड इंफॉर्मेशन सिस्टम एप्लिकेशन कहा जाता है। लोकार्पण समारोह में एडिशनल डीजीपी संजय कुमार जैन सहित अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, डीजीपी महेंद्र रेड्डी ने कहा कि राज्य पुलिस विभाग कम समय के भीतर सर्वोत्तम मानकों को लागू करके और भू-स्थानिक का उपयोग करके विभाग के डिजिटल भूमि रिकॉर्ड विकसित करके देश के अन्य राज्यों के पुलिस विभागों के लिए एक रोल-मॉडल बन गया है। उन्होंने कहा कि ऐप में राज्य की 53 पुलिस इकाइयों से विभाग की 953 संपत्तियों का विवरण है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग ने तेलंगाना राज्य रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन सेंटर (टीआरएसी) के साथ हाथ मिलाकर ऐप विकसित किया है, जो भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग सेवाओं की पेशकश करने वाली नोडल एजेंसी थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने क्षेत्र स्तरीय सर्वेक्षण करने के अलावा ऐप विकसित करने के लिए राजस्व विभाग द्वारा दिए गए स्केच मैप का उपयोग किया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले चरण में जीआईएस तकनीक के साथ स्केच मैप्स को जोड़कर भूमि पार्सल मानचित्र तैयार किए थे और उन्होंने कहा कि उन्होंने उच्च रिज़ॉल्यूशन उपग्रह मानचित्रों का उपयोग करके प्रत्येक पुलिस संपत्ति के लिए भू-संदर्भ बनाया और दूसरे चरण में समन्वय किया। उन्होंने कहा कि तीसरे चरण में वे पुलिस सपत्तियों पर हुए किसी भी अतिक्रमण को सुधारेंगे। डीजीपी ने यह भी कहा कि उन्होंने ऐप को वेब आधारित जीआईएस एप्लिकेशन के रूप में विकसित किया है। उन्होंने कहा कि वे जमीन जायदाद के ले-आउट को फिल्माने के लिए जिला पुलिस इकाइयों को लॉग-इन दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐप उनकी संपत्तियों के अतिक्रमण को रोकने में मदद करेगा।

अपराधों को रोकने के लिए अपनाए आधुनिक सुरक्षा तकनीक : भागवत

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के पुलिस ऑयुक्त महेश भागवत ने आरकेएससी सुरक्षा प्रमुखों को राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय, नेरेडमेट में आयोजित राचाकोंडा सुरक्षा परिषद के सुरक्षा प्रमुखों के साथ इंटरैक्टिव सत्र के दौरान आधुनिक सुरक्षा तकनीकों को अपनाने और अपने संगठनों में सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने का निर्देश दिया। सभा को संबोधित करते हुए, सीपी ने कहा कि राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय उन्नत सुरक्षा रणनीतियों और पुलिसिंग में आधुनिक दृष्टिकोण अपना रहा है जो राचाकोंडा क्षेत्राधिकार में अपराध दर को कम करने में मदद कर रहा है। सीपी ने उल्लेख किया कि राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय आईटी, फार्मा, परिधान, ऑटोमोबाइल जैसे कई उद्योगों को कवर करता है और याद दिलाया कि सबसे बड़े विस्फोटक उद्योगों में से एक राचकोंडा क्षेत्राधिकार में स्थित है और यह भी उद्धृत किया कि एनआईएसए प्रशिक्षण केंद्र, आरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र, डीआरडीओ जैसे कई केंद्र सरकार के संगठन आरसीएल, ईसीआईएल आदि और कई अन्य संस्थान राचकोंडा सीमा में स्थित हैं। सीपी ने मॉक ड्रिल के महत्व का उल्लेख किया है और विस्तार से बताया है कि वे आपातकालीन स्थितियों जैसे आग आपात स्थिति, औद्योगिक दुर्घटनाओं आदि के दौरान कैसे मदद करते हैं और सुरक्षा प्रमुखों को अपने संगठनों में नियमित अंतराल पर मॉक ड्रिल आयोजित करने का निर्देश दिया। सीपी ने कहा कि, मॉक ड्रिल से कर्मचारियों को घबराहट से उबरने और आपातकालीन स्थितियों से बाहर निकलने में मदद मिलती है। सीपी ने 26/11 के मुंबई आतंकी हमले और 2013 फरवरी के दिलसुखनगर बम विस्फोट की घटना का जिक्र किया और कहा कि हमारे देश में हर आतंकी हमला हमारी सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को सामने ला रहा है और हमारी सुरक्षा रणनीतियों को चुनौती दे रहा है। सीपी ने कहा है कि अप्रत्याशित हमलों का सामना करने के लिए सुरक्षा प्रणालियों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए और सभी को याद दिलाया कि सितंबर 2001 में न्यूयॉर्क में हुए आतंकी हमलों के बाद अमेरिका ने आतंकी हमलों की कोई घटना नहीं देखी और अमेरिका द्वारा अपडेट की गई सुरक्षा प्रणाली और तरीकों का उल्लेख किया। सीपी ने कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद एनएसजी का विकेंद्रीकरण किया गया है और उल्लेख किया गया है कि एनएसजी हब इब्राहिमपटनम में राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय की सीमा में स्थित है। सीपी ने यह भी याद दिलाया कि तेलंगाना राज्य का अपना काउंटर टेरर स्क्वॉड ऑक्टोपस है। सीपी ने उल्लेख किया है कि कैसे सीसीटीवी बहुत कम समय में अपराध के कई महत्वपूर्ण मामलों को हल करने में मदद करते हैं और यह भी कहा कि सीसीटीवी ने कई निर्दोषों को झूठे आरोपों में फंसाने से बचाया। सीपी ने कहा कि तेलंगाना राज्य देश में सीसीटीवी की संख्या में दूसरे स्थान पर है और सभी को अपने संगठनों में सीसीटीवी लगाने की सलाह दी। सीपी ने सभी सुरक्षा प्रमुखों को पुख्ता सुरक्षा तरीकों का पालन करने का निर्देश दिया है और समाज को शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए राचकोंडा पुलिस के साथ हाथ मिलाने के लिए और अधिक संगठनों का स्वागत किया है। अतिरिक्त डीसीपी शमीर सीएआर अंबरपेट, एसीपी एसबी जावेद, सतीश वदलामणि आरकेएससी महासचिव, सावित्री मुख्य समन्वयक आरकेएससी, रवींद्र कुमार मील डिप्टी कमांडेंट (सीआईएसएफ), डॉ पंकज कुमार, डीसी सीआईएसएफ एनएफसी हैदराबाद, इला चैमन रोसेरेड्डी, कर्नल वी कुंडू मुख्य सुरक्षा अधिकारी आरसीआई, डीआरडीओ और आरकेएससी के कई अन्य सुरक्षा प्रमुख भी मौजूद थे।

बोरवेल में गिरा 6 साल का बच्चा

53 फीट पर फंसा, पिता से बोला यहां बहुत अंधेरा, जल्दी बाहर निकालो

बैतूल, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बैतूल के मांडवी गांव में 6 साल का मासूम बोरवेल में गिर गया है। बच्चा बोर में 53 फीट गहराई पर फंसा हुआ है। बच्चे को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हो गया है। तीन जेसीबी मशीन की मदद से बोरवेल से 30 फीट दूर समानांतर गड्ढा खोदा जा रहा है। पिता ने बच्चे से बात की तो उसने कहा, यहां बहुत अंधेरा है। मुझे डर लग रहा है। जल्दी बाहर निकालो।

हादसा मंगलवार शाम बैतूल जिले के आठनेर के मांडवी गांव में करीब 5 बजे हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तन्मय खेत में खेल रहा था। संभवत: इसी दौरान उसने बोरवेल में झांकने की कोशिश की और बैलेंस बिगड़ने पर वह उसमें जा गिरा। बच्चा नजर नहीं आया तो सभी बोरवेल की ओर दौड़े। आवाज लगाने पर बोरवेल के भीतर से बच्चे की आवाज आई। इस पर परिवारवालों ने तत्काल बैतूल और आठनेर पुलिस को सूचना दी। बोरवेल में सीसीटीवी कैमरा डाल दिया गया है।

पिता से करवाई बच्चे की बात :

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर कलेक्टर, एसपी, तहसीलदार आठनेर समेत पुलिस-प्रशासन के सभी बड़े अधिकारी पहुंचे। सबसे पहले बच्चे के लिए बोरवेल में ऑक्सीजन की सप्लाई शुरू की गई। परिवार को बच्चे से बात करने को कहा गया। बच्चे के पिता ने उससे बात की।

बच्चे को निकालने के लिए बोरवेल से करीब 30 फीट दूर बुलडोजर से समानांतर खुदाई शुरू कर दी गई है। एसडीईआरएफ की टीम ने मोर्चा संभाल लिया है। तन्मय दूसरी क्लास में पढ़ता है। पिता सुनील दियाबार ने बताया कि 8 दिन पहले ही खेत पर उन्होंने 400 फीट गहरा बोर करवाया था। इसी बोर में उनका बेटा गिर गया है।

रेस्क्यू में तीन जेसीबी शामिल :

कलेक्टर बैतूल अमनवीर सिंह बैंस ने बताया कि बच्चे को निकालने के लिए कोशिश शुरू कर दी गई है। मौके पर तीन जेसीबी मशीन मौजूद हैं। घटना का पता चलते ही तहसीलदार को तुरंत मौके पर रवाना किया गया था।

नवाब मलिक का दागी जमीन पर कब्जा, अदालत ने खारिज की जमानत याचिका

मुंबई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। एक जमीन सौदे से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नवाब मलिक को करारा झटका लगा है। अदालत ने एनसीपी नेता की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। इस दौरान विशेष अदालत ने कहा कि नवाब मलिक का अपने परिवार के स्वामित्व वाली एक फर्म के माध्यम से दागी संपत्ति पर कब्जा बना हुआ है। इस जमीन के सौदे में भगोड़ा गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम व उसके सहयोगी शामिल थे।

पीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश आर.एन. रोकाडे ने कहा कि प्रथम दृष्टया ये सबूत सामने आए थे कि दाऊदी इब्राहिम की बहन हसीना पारकर, सलीम पटेल और नवाब मलिक के बीच मुनिरा प्लबर और उनकी मां मरियम गोवावाला के स्वामित्व वाली भूमि को हथियाने के लिए एक साजिश रची गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि नवाब मलिक का सॉलिडस इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से दागी संपत्ति पर कब्जा है और इस कंपनी का स्वामित्व मलिक के परिवार के सदस्यों के पास है। बता दें, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता नवाब मलिक को इस साल फरवरी में गिरफ्तार किया था। वह न्यायिक हिरासत में हैं और फिलहाल उनका एक निजी अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है।

एम्स के बाद आईसीएमआर की वेबसाइट पर हैकर्स की नजर, 6 हजार बार हैक करने का किया प्रयास : सूत्र

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली स्थित आईसीएमआर पर रेनसमवेयर अटैक के कुछ दिनों बाद इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की वेबसाइट को भी हैक करने का प्रयास किया गया। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, 30 नवंबर को देश के शीर्ष चिकित्सा निकाय की वेबसाइट पर हैकिंग के 6,000 प्रयास किए गए। आईपी एड्रेस, एक यूनिक एड्रेस जो इंटरनेट पर एक डिवाइस की पहचान करता है, हांगकांग स्थित एक ब्लैक लिस्टेड आईपी से ट्रेस किया गया था।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में हिन्दी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिषद मुख्यालय निर्देश के अनुपालन में, कोविड 19 महामारी के दिशानिर्देशों के अनुसार, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की देखरेख में आज संस्थान स्तर पर त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन दो सत्रों में, डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशफाक अहमद, हिन्दी प्रभारी ने किया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में अतिथि वक्ता चिलुकूरी वेंकट सुब्बाराव सदस्य सचिव,नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का.) हैदराबाद (3) सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान उप्पल रोड, हैदराबाद ने भारतीय भाषाएँ और उनका विकास के विषय पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं के बारे में विस्तार से बताया कि इसे कैसे सीखा जाए इसकी कठिनाइयों को कैसे दूर किया जाए और इसे रोचक कैसे बनाया जाए। दूसरे सत्र में अतिथि वक्ता जयशंकर प्रसाद तिवारी, सहायक निदेशक (से. नि.), हिंदी शिक्षण योजना व केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान, सिकंदराबाद ने कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने के लिए उपलब्ध साफ्टवेयर अनुप्रयोग के विषय पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में संस्थान के लगभग 24 अधिकारी एवं कर्मचारी गण ने भाग लिया। डॉ. बिश्वो रंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होम्योपैथी) ने प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

हैदराबाद के ईसीआईएल सर्किल स्थित अम्बेडकर जयंती के अवसर पर प्रतिमा पर माल्यापर्णकर उपस्थित भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एन.वी.एस.एस. प्रभाकर, भाजपा नेता रतेश चौधरी, महिला मोर्चा अध्यक्षा चन्द्रकला, सुरेन्द्र, आनन्द गौड, लक्ष्मण, नादम, गणेश व अन्य।

कर्नाटक सीएम ने कहा सीमा विवाद और चुनावों के बीच कोई संबंध नहीं

बेंगलुरू, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद और आगामी विधानसभा चुनावों के बीच किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के इस आरोप पर कि कर्नाटक, विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर विवाद खड़ा कर रहा है, सीएम बोम्मई ने कहा, राज्यों के बीच विवाद कई सालों से है। समस्या महाराष्ट्र ने पैदा की है, हमने नहीं।

चूंकि विवाद उनकी तरफ से है, इसलिए प्रतिक्रिया दोनों तरफ से होती है। उन्होंने कहा कि लोग सौहार्दपूर्ण ढंग से रह रहे हैं और इसे बाधित करने का कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। मामला सुप्रीम कोर्ट के पास है। उन्होंने कहा, हमारा मामला संविधान के अनुसार और कानून के अनुसार है। हमें विश्वास है कि हम अदालती लड़ाई जीतेंगे।

सीएम बोम्मई ने दोहराया कि इस मुद्दे में चुनाव का कोई नजरिया नहीं है और विवाद खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल और अन्य राज्यों में रहने वाले कन्नड़ लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध हैं।

सर्व ब्राह्मण परिषद की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सर्व ब्राह्मण परिषद की आज बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य विषय जेएनयू में ब्राह्मण विरोधी नारे लिखे जाने को लेकर परिषद ने केंद्र सरकार से सख्त कार्यवाही करने का आह्वान किया तथा चेतावनी दी ब्राह्मण चुप इसका मतलब हम कमजोर नहीं है। अगर हम भी सडकों पर उतर जाए तो यह राष्ट्र और समाज विरोधी नजर नहीं आएंगे। इसका विरोध गुरुवार 8 दिसंबर को परशुराम मंदिर के बेगम बाजार छतरी के पास किया जाएगा। अतः हम सभी भाइयों से निवेदन की ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारे। बैठक में सर्व ब्रह्माण परिषद और राष्ट्र पशुराम सेना ब्रह्म वाहिनी के पदाधिकारी पवन मिश्रा, विशाल शर्मा, नारायणदास शर्मा, लड्डू ओझा, संदीप जयलवाल, लक्ष्मीकांत पांडेय, धनंजय मनसबदार, सुधाकर शर्मा, बंटी तिवारी, भगवान ओझा आदि उपस्थित थे।

2011 वर्ल्ड कप जिताने वाले युवराज सिंह बोले

शुभमन गिल वर्ल्ड कप-2023 में ओपनिंग के प्रबल दावेदार

गुरुग्राम, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत को 28 साल बाद वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले धाकड़ बल्लेबाज युवराज सिंह ने शुभमन गिल को अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की ओपनिंग जोड़ी का प्रबल दावेदार बताया है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि गिल कप्तान रोहित शर्मा के साथ ओपन करेंगे तो शिखर धवन का क्या होगा...?

शुभमन गिल का वनडे करियर
14 मैच | 634 रन | 61.27 औसत | 1 शतक | 4 अर्धशतक

40 साल के इस पूर्व दिग्गज बल्लेबाज का मानना है कि शुभमन गिल 2023 में भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में पारी का आगाज करने के लिए प्रबल दावेदार हैं। गिल बांग्लादेश में चल रही वनडे सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं है, लेकिन वे न्यूजीलैंड दौरे पर गई टीम में शामिल थे।

शुभमन के प्रदर्शन में निरंतरता युवराज ने पीटीआई से कहा, 'शुभमन बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और उसके प्रदर्शन में निरंतरता है। मुझे लगता है कि वह 2023 विश्वकप में भारत की तरफ से पारी का आगाज करने के लिए प्रबल दावेदार है। मेरा मानना है कि अगले 10 वर्षों में वह दिग्गज खिलाड़ी बनेगा।'

युवी 2019 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं और पंजाब के युवा क्रिकेटरों के लिए मेंटॉर (मार्गदर्शक) की भूमिका निभा रहे हैं। इनमें गिल भी शामिल हैं।

गिल ने युवी से ट्रेनिंग ली

कोविड-19 के कारण 2020 में लॉकडाउन के दौरान शुभमन ने युवराज के साथ समय बिताया और पंजाब के वर्तमान कप्तान और सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा के साथ भारतीय टीम के इस पूर्व ऑलराउंडर से क्रिकेट के गुर सीखे।

सिलेक्टर्स को हटाने पर 'नो कमेंट'

सिक्सर किंग ने टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के प्रदर्शन और सिलेक्टर्स को हटाने के सवाल पर चुप्पी साध ली। उन्होंने इन मामलों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

क्रिकेटर प्रशासक बनने के लिए तैयार

युवराज ने क्रिकेटर प्रशासक बनने के लिए संकेत देते हुए कहा, 'मुझे नहीं पता कि भविष्य के गर्त में क्या छिपा है, लेकिन अगर मैं देश में खेल के विकास में योगदान दे सकता हूं तो इसमें मुझे कोई गुरेज नहीं। यह केवल क्रिकेट नहीं है, बल्कि मैं देश में खेलों के विकास में योगदान देना पसंद करूंगा।

कुंबले से आगे निकले एंडरसन

इंटरनेशनल क्रिकेट में 959 विकेट चटकाए; पाकिस्तान से इंग्लैंड पहला टेस्ट जीता

रावलपिंडी, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 74 रनों से जीत लिया है। साथ ही 17 साल बाद पाकिस्तान दौरे पर गई इंग्लिश टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली है। इस जीत में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने अहम भूमिक निभाई। जिमी एंडरसन और ओली रॉबिन्सन ने 4-4 विकेट लिए। हालांकि, जिमी एंडरसन सबसे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बन गए हैं। वे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले इंग्लिश गेंदबाज भी बने। उनके नाम 959 इंटरनेशनल विकेट हो गए हैं।

40 साल के इस गेंदबाज ने भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले को पीछे छोड़ा। कुंबले ने अपने करियर में 956 विकेट चटकाए हैं। अब दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन (1347) और शेन वार्न (1001) ही एंडरसन से आगे हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

प्लेयर	मैच	विकेट
मुथैया मुरलीधरन	495	1347
शेन वॉर्न	339	1001
जेम्स एंडरसन	389	959
अनिल कुंबले	403	956
ग्लेन मैक्ग्रा	376	949

मैच में कभी इंग्लैंड तो कभी पाक हावी

इस मुकाबले को भले ही अंग्रेजों ने जीता हो, लेकिन पाकिस्तान ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। सोमवार को 5वें दिन की शुरुआत में अंग्रेज ड्राइविंग सीट पर थे। दोपहर होते-होते मेजबानों ने बाजी मारी। हालांकि शाम ढलते-ढलते इंग्लिश गेंदबाजों ने पलटवार किया।

पाकिस्तान ने 80/2 के स्कोर से दिन की शुरुआत की। उसे जीत के लिए 263 रन और बनाने थे और 8 विकेट सुरक्षित थे। दोपहर में लंच ब्रेक के दौरान तक पाकिस्तान अच्छी स्थिति में आ गया था। उसने 3 विकेट खोकर 169 रन बना लिए थे। अब उसे 174 रन चाहिए थे। एक समय लग रहा था कि पाकिस्तान लक्ष्य हासिल कर लेगा, लेकिन टी-ब्रेक के बाद इंग्लिश गेंदबाजों ने बाजी पलट दी और पाकिस्तानी बल्लेबाज 96.3 ओवर में 268 रन बनाकर ऑलआउट हो गए।

सऊद शकील ने सबसे ज्यादा रन बनाए

आखिरी पारी में पाकिस्तान की ओर से सऊद शकील ने सबसे ज्यादा 76 रन बनाए। उनके अलावा इमाम अल हक ने 48, मोहम्मद रिजवान ने 46 और अजहर अली ने 40 रन का योगदान दिया।हालांकि ये टीम को जीत नहीं दिला सके।

इंग्लैंड ने 264/7 पर घोषित की पारी इंग्लैंड ने दूसरी पारी 264 रन पर घोषित की थी। तब टीम ने 7 ही विकेट गंवाए थे। इस तरह पाकिस्तान को जीत के लिए 343 रन का टारगेट मिला था। इससे पहले पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 579 रन बनाए थे। जबकि अंग्रेजों ने 657 रनों का विशाल स्कोर बनाया था।

रणजी ट्रॉफी में पहली बार अंपायरिंग करेंगी महिलाएं

इस सीजन के लिए शॉर्टलिस्ट पैनल में 3 महिलाओं के नाम

मुंबई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के सबसे बड़े डोमेस्टिक क्रिकेट टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में पहली बार महिलाएं अंपायरिंग करती नजर आएंगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने नए सीजन के लिए शॉर्ट लिस्ट अंपायरिंग पैनल में 3 महिलाओं को शामिल किया है।

जननी...गायत्री...वृंदा

88 साल के टूर्नामेंट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब अंपायरिंग पैनल में महिलाओं ने जगह बनाई है। 13 दिसंबर से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी के पैनल में मुंबई की वृंदा राठी, चेन्नई की जननी नारायण और गायत्री वेनुगोपालन को शामिल किया है।

मैच फीस भी पुरुषों के बराबर

महिला अंपायर्स की मैच फीस पुरुषों के ही बराबर है। बोर्ड ग्रेड के अनुसार पेमेंट करता है। अंपायर्स को ग्रेड के अनुसार एक दिन का 25 से 40 हजार तक पे किया जाता है। रणजी मैचों की मैच फीस दिन के आधार पर होती है।

ऐसे बनता है पैनल

बीसीसीआई के अंपायर्स का पैनल रहता है। इसमें जो अच्छे अंपायर्स होते हैं, उन्हें रणजी मैच देते हैं। हर मैच के नंबर्स रहते हैं। रेफरी मैच के बाद रेटिंग पॉइंट देते हैं। सही और गलत फैसलों पर अंपायर्स की रैंकिंग बनती है। अभी बोर्ड के पैनल में 150 अंपायर्स हैं। उनमें से करीब 90 अंपायर्स को रणजी मैच मिलते हैं।

एक मुकाबले में 100 रेटिंग पॉइंट होते हैं। गलत फैसले पर नंबर्स कटते हैं। एक गलती करने पर 5 पॉइंट काटे जाते हैं। वाइड और नो बॉल की गलती पर एक-एक पॉइंट कटते हैं। इन्हीं रेटिंग पॉइंट के आधार पर रैंकिंग बनती है। मैच के बाद मार्किंग होती है। कुछ पॉइंट मैच मैनेजमेंट, विवाद की सिचुएशन को कैसे हैंडल किया...जैसी बातों के होते हैं।

5 साल पहले बोर्ड पैनल में शामिल हुई विमेन अंपायर

2017 में पहली बार बीसीसीआई पैनल में महिला अंपायर्स शामिल हुईं थी। तब पैनल में 2 ही महिला अंपायर्स थीं। 2018 में एक और शामिल हुई।

अब तीनों की संक्षिप्त जानकारी

वृंदा राठी : मुंबई की रहने वाली वृंदा राठी मैच के दौरान स्कोरर का काम करती थीं। एक बार वे न्यूजीलैंड की इंटरनेशनल अंपायर कैथी क्रोस से मिलीं। क्रोस से मिलने के बाद वृंदा ने अंपायरिंग में हाथ अजमाने का फैसला किया और बीसीसीआई का अंपायरिंग टेस्ट पास किया।

जननी नारायण : चेन्नई की जननी नारायण ने अंपायर बनने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी।

गायत्री वेणुगोपाल : गायत्री क्रिकेटर बनना चाहती थीं, लेकिन कंधे की चोट ने उनसे उनका सपना छीन लिया। उन्होंने क्रिकेट को खुद से दूर नहीं जाने दिया और अंपायरिंग करने लगीं।

विमेन अंपायर्स को ट्रेनिंग देगा बोर्ड

देश में ज्यादा से ज्यादा महिला अंपायर तैयार हों इसके लिए बीसीसीआई ट्रेनिंग उपलब्ध कराएगा। साथ ही टेस्ट का आयोजन करेगा, ताकि महिला अंपायर का पैनल तैयार किया जा सके जो घरेलू क्रिकेट में अंपायरिंग कर सकें।

भारतीय फुटबॉल संघ ने 2027 एशिया कप की मेजबानी छोड़ी

सऊदी अरब का मेजबान बनना तय

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने सोमवार को 2027 एएफसी एशिया कप की मेजबानी से अपना नाम वापस ले लिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि इस समय बड़े टिकट वाले इवेंट की मेजबानी करना उसकी प्राथमिकताओं में नहीं है। भारत ने पहले 2027 एशिया कप की मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की थी, लेकिन अब भारत ने अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे में सऊदी अरब इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए एकमात्र दावेदार है। सऊदी अरब को पहले ईरान और उज्बेकिस्तान जैसे देशों ने भी इस टूर्नामेंट की मेजबानी में रुचि दिखाई थी, लेकिन ये दोनों देश भी अक्तूबर में मेजबानी की रेस से बाहर हो गए थे। इसके बाद इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए बोली लगाने वाले देशों में भारत और सऊदी अरब ही बचे थे।

प्रफुल्ल पटेल के एआईएफएफ अध्यक्ष बनने के बाद भारत ने 2020 में बहुत धूमधाम के साथ इस टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए बोली लगाई थी। हालांकि, एआईएफएफ के नए अध्यक्ष कल्याण चौबे की अगुआई वाले मौजूदा बोर्ड का मानना है कि जमीनी स्तर पर फुटबॉल संरचना की नींव बनाना और युवा खिलाड़ियों का विकास बड़े आयोजनों की मेजबानी से अधिक महत्वपूर्ण है।

एआईएफएफ ने अपनी कार्यकारी समिति के हवाले से एक विज्ञप्ति में कहा, महासंघ के रणनीतिक रोडमैप के अनुसार एआईएफएफ प्रबंधन को लगता है कि बड़े आयोजनों की मेजबानी करना महासंघ की रणनीतिक प्राथमिकताओं में फिट नहीं बैठता है। हमारा वर्तमान ध्यान एएफसी एशियन कप जैसे बड़े आयोजनों की मेजबानी करने से पहले उचित फुटबॉल संरचना की नींव बनाने पर है। एआईएफएफ के रणनीतिक रोडमैप का एलान इस महीने के अंत में किया जाएगा।

चौबे ने कहा कि भारत हमेशा बड़े टूर्नामेंटों के लिए एक अद्भुत और कुशल मेजबान रहा है, जैसे हाल ही में संपन्न फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप, लेकिन अब ध्यान देश के फुटबॉल को जमीनी स्तर से लेकर युवा विकास तक हर स्तर पर मजबूत करने पर केंद्रित होगा।

प्रो टेनिस लीग : गुड़गांव सैफायर्स ने जीता चौथे सीजन का खिताब

फाइनल पैरामाउंट प्रोएक टाइगर्स को हराया

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। गुड़गांव सैफायर्स ने मेरठ स्टैग बाबोलाट योद्धास और पैरामाउंट प्रोएक टाइगर्स को फाइनल लेग में हराकर प्रो टेनिस लीग का चौथा सीजन अपने नाम किया।

प्रो टेनिस लीग (पीटीएल) के चौथे संस्करण का खिताब गुड़गांव सैफायर्स ने अपने नाम किया है। नई दिल्ली के आरके खन्ना स्टेडियम में रविवार को गुड़गांव की टीम ने चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। गुड़गांव सैफायर्स चौथी टीम है, जिसने यह खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले मेरठ स्टैग बाबोलट योद्धास, प्रोवेरी सुपर स्मैशर्स और टीम रेडिएंट की टीमें यह खिताब जीत चुकी हैं। प्रो टेनिस लीग के चार सीजन हो चुके हैं और हर बार नई टीम चैंपियन बनी है।

गुड़गांव सैफायर्स ने फाइनल में पैरामाउंट प्रोएक टाइगर्स को 93-72 के अंतर से हराया। निर्णायक पुरुष युगल मुकाबले से पहले उसे चैंपियन बनने के लिए केवल छह अंकों की आवश्यकता थी। इससे पहले, इस टीम ने सेमीफाइनल में मेरठ स्टैग बाबोलट योद्धास को 93-82 से हराया था। इस बीच, पैरामाउंट प्रोएक टाइगर्स ने डीएमजी दिल्ली क्रूसेडर्स को 92-93 के न्यूनतम अंतर से हराकर फाइनल में खेलने का हक हासिल किया था।

गुड़गांव सैफायर्स, जिसने सिर्फ दो अंकों के अंतर से प्रतियोगिता के दूसरे चरण में जगह बनाई थी, हर शॉट का महत्व जानता था। और खिताबी मुकाबले में भी ऐसा ही हुआ था।

ट्यूनीशिया के मालेक जाजीरी ने बेहतरीन टेनिस का मुजायरा पेश करते हुए पुरुष एकल मैच में करण सिंह को 19-11 से हराया। इसके बाद फैसल कमर और नितिन के सिन्हा की जोड़ी ने विष्णु वर्धन और शिवांग भटनागर के सामने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 7-13 से मैच अपने नाम किया।

इसका मतलब था कि सैफायर्स को ट्रॉफी पर कब्जा जमाने के लिए अपने अंतिम मैच से सिर्फ छह अंकों की जरूरत थी। यह एक पुरुष युगल मैच था। मालेक जाजिरी और वीएम रंजीत की टीम ने बड़ी आसानी से विष्णु वर्धन और करण सिंह की चुनौती को खत्म करते हुए अपनी टीम को चैंपियन बना दिया।

उनसे पहले हालांकि सैफायर्स की महिला खिलाड़ी महिका खन्ना (नेक्स्ट जेन), शर्मादा बालू (महिला एकल) और शर्मदा बालू और माहिका खन्ना (महिला युगल जोड़ी) ने क्रमशः 8-7, 13-7 और 9-6 के अंतर की जीत के साथ अपनी टीम के प्रभुत्व को कायम रखा।

ब्राजील 17वीं बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में

साउथ कोरिया को 4-1 से हराया, खिलाड़ियों ने किया सांबा डांस

कतर, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। सबसे ज्यादा 5 बार की चैंपियन ब्राजील कतर में चल रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने लगातार आठवीं बार वर्ल्ड कप के टॉप-8 में जगह बनाई है। उसने अब तक कुल 17 बार टॉप-8 में जगह बनाई है। अब उसका सामना पिछले सीजन की रनरअप क्रोएशिया से होगा।

उसने सोमवार-मंगलवार की रात स्टेडियम 974 में खेले गए राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में साउथ कोरिया को 4-1 से हराया। ब्राजीली खिलाड़ियों ने सांबा डांस कर जीत का जश्न मनाया। सोशल मीडिया में पोस्ट एक वीडियो में स्टार फुटबॉलर नेमार, विनिसियस जूनियर, रफिन्हा और लुकास पाक्वेटा सांबा डांस मूव्स करते नजर आए। ब्राजील की इस जीत में नेमार ने अहम रोल निभाया। चोट की वजह से 2 मैच गंवाने वाले नेमार ने 13वें मिनट में एक गोल दागा। जबकि एक गोल असिस्ट किया। उनके अलावा विनिसियस जूनियर ने 7वें, रिचार्लिसन ने 29वें और लुकास पैकेटा ने 36वें मिनट में भी एक-एक गोल दागे। नेमार का यह 76वां गोल था। ब्राजील के लिए सबसे ज्यादा गोल करने के पेले के रिकॉर्ड की बराबरी करने से वह एक गोल पीछे हैं। पेले ने इंटरनेशनल लेवल पर ब्राजील के लिए 77 गोल दागे हैं। वहीं, नेमार कम से कम तीन वर्ल्ड कप में गोल करने वाले ब्राजील के सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। नेमार ने 2014, 2018 और 2022 वर्ल्ड कप में गोल कर चुके हैं। नेमार से पहले पेले (1959, 1962, 1966, 1970) और रोनाल्डो नजारियो (1998, 2002, 2006) ने ऐसा किया है।

ब्राजील की टीम शुरू से रही हावी

ब्राजील की टीम शुरू से ही साउथ कोरिया पर हावी रही। मैच के 7वें मिनट में ही ब्राजील के लिए विनिसियस ने गोल किया। उन्होंने राफिन्हा के क्रॉस को गोल में तब्दील कर दिया। इसके 6 मिनट बाद ही नेमार ने पेनाल्टी किक को गोल में तब्दील कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। मैच के 29वें मिनट में रिचार्लिसन ने थियागो सिल्वा के एक बेहतरीन पास को गोल में तब्दील करके पांच बार की चैम्पियन टीम को 3-0 से आगे कर दिया।

पूर्व दिग्गज फुटबॉलर सैमुएल एटो ने यू-ट्यूबर को मारी लात

ब्राजील-साउथ कोरिया मैच के बाद का मामला

खेल डेस्क, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। बार्सिलोना के लीजेंडरी फुटबॉलर सैमुएल एटो फुटबॉल वर्ल्ड कप के दौरान एक बड़े विवाद में फंस गए हैं। उनका एक युवा कैमरामैन को मैदान पर लात मारते हुए वीडियो वायरल हुआ है। वह वीडियो सोमवार रात स्टेडियम 974 में ब्राजील-साउथ कोरिया मैच के बाद का है। इस मैच को ब्राजील ने 4-1 से जीता।

41 साल के पूर्व कैमरूनी फुटबॉलर एटो वीडियो के आखिरी में युवा को फुटबॉल जैसी किक मारते दिखे। इसके बाद वह गिर पड़ा। पीड़ित की पहचान अल्जीरिया के यू-ट्यूबर एसएम सदौनी के रूप में हुई है।

क्यों भड़के पूर्व फुटबॉलर...?

एटो वीडियो बना रहे सदौनी पर भड़क गए। सदौनी उनसे कोई सवाल पूछ रहे थे।

इस पर एटो ने पहले तो यूट्यूबर को चिल्लाया, फिर उसे मारने के लिए दौड़े। आखिर में एटो ने उसके चेहरे पर लात भी मारी। एटो फैंस के साथ सेल्फी ले रहे थे।

फीफा ने इन्वाइट किया था

सैमुएल एटो कतर में वर्ल्ड कप के पहले दिन से मौजूद हैं। उन्हें दुनिया में फुटबॉल संचालित करने वाली संस्था FIFA ने लेगसी एंबेसडर के रूप में इन्वाइट किया था। एटो वर्तमान में कैमरून फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं।

2019 में लिया रिटायरमेंट

2019 में रिटायर होने से पहले एटो ने कैमरून के लिए 118 मैचों में सबसे ज्यादा 56 इंटरनेशनल गोल दागे हैं। 1998 से 2014 तक उन्होंने 4 बार अपने देश के लिए फीफा वर्ल्ड कप खेला। FC बार्सिलोना, इंटर मिलान और चेल्सी जैसी टीमों के लिए खेलते हुए उन्होंने अपने क्लब करियर में कई अवॉर्ड और ट्राफी जीतीं।

ब्राजील से हारने के बाद साउथ कोरिया में हड़कंप, कोच ने तुरंत दिया इस्तीफा

खेल डेस्क, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्राजील से मैच खत्म होने के तुरंत बाद ही साउथ कोरिया के खेमें में हड़कंप मच गया. और, मैदान पर जो हुआ उसका अंदर टीम के अंदर के माहौल पर देखने मिला.

लगता है ब्राजील से मिले हार का बोझ सहन कर पाना साउथ कोरिया के लिए आसान नहीं हो पा रहा. तभी तो टीम के अंदर उथल पुथल भी मच चुकी है. मैच खत्म होने के तुरंत बाद ही हड़कंप मच गया. और, मैदान पर जो हुआ उसका अंदर टीम के अंदर के माहौल पर देखने मिला.

दरअसल, हुआ ये है कि ब्राजील से हारते ही साउथ कोरिया के कोच, जिन्हें फुटबॉल की भाषा में मैनेजर बोलते हैं, उन्होंने इस्तीफा दे दिया है. साउथ कोरिया के मैनेजर पाउलो बेंटों ने ये फैसला तत्काल प्रभाव से लिया.

बता दें कि फीफा वर्ल्ड कप 2016 के राउंड ऑफ 16 मैच में ब्राजील ने साउथ कोरिया को 1 के मुकाबले 4 गोल से रौंद दिया. इस बड़ी हार के बाद ही पुर्तगाल के 53 साल के पाउलो बेंटो ने साउथ कोरिया टीम में अपना पद छोड़ने का मन बना लिया. हालांकि, उन्होंने उसके बाद कहा कि ये उनका पहले से सोचा समझा फैसला था.

पाउलो बेंटो ने अगस्त 2018 में साउथ कोरिया की कमान संभाली थी. लेकिन, उन्होंने इस टीम का साथ छोड़ने की वजह ब्राजील से हार को नहीं बताया. बल्कि उन्होंने कहा कि इस बारे में वो साउथ कोरिया फुटबॉल फेडरेशन को कतर आने से पहले ही बता चुके थे.

पाउलो बेंटो ने कहा कि वो अब अपने भविष्य के बारे में सोचना चाहते हैं, जो कि साउथ कोरिया टीम नहीं है. वो सितंबर में ही इस टीम का साथ छोड़ने का मन बना चुके थे.

ऋषिकेश कानिटकर इंडियन विमेंस टीम के बैटिंग कोच बने

रमेश पवार को एनसीए भेजा, लक्ष्मण के साथ काम करेंगे

मुंबई, 6 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व इंटरनेशनल क्रिकेटर ऋषिकेश कानिटकर इंडियन विमेंस टीम के बैटिंग कोच बनाए गए हैं। जबकि रमेश पवार एनसीए भेजे गए हैं।

बीसीसीआई ने मंगलवार को बताया कि ऋषिकेश 9 दिसंबर से मुंबई में शुरू हो रही 5 टी-20 मैचों की सीरीज से पहले टीम से जुड़ जाएंगे। वहीं, विमेंस टीम के पूर्व हेड कोच रमेश पवार एनसीए, बेंगलुरू में वीवीएस लक्ष्मण के साथ काम करेंगे।

48 साल के पूर्व क्रिकेटर कानिटकर ने कहा- 'सीनियर महिला टीम का बैटिंग कोच बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे इस टीम में जबर्दस्त संभावनाएं दिख रही हैं और हमारे पास युवाओं और अनुभव का अच्छा मिश्रण है। मुझे लगता है कि यह टीम आगे की चुनौती के लिए तैयार है। आगे कुछ बड़ी प्रतियोगिताएं आ रही हैं और यह टीम के साथ बतौर बैटिंग कोच मेरे लिए भी रोमांचक होने वाला है।'

वहीं, विमेंस टीम के पूर्व हेड कोच रमेश पवार ने कहा- 'सीनियर विमेंस टीम के मुख्य कोच के रूप में मेरा अनुभव अच्छा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मैंने कुछ दिग्गजों और देश के उभरते टैलेंट के साथ काम किया है।

संगठित वेश्यावृत्ति गिरोह का पर्दाफाश, 17 गिरफ्तार, ड्रग्स जब्त

पुलिस का दावा गिरोह का शिकार हुई 14190 पीड़िताओं में बांग्लादेश, नेपाल, थाईलैंड, उज्बेकिस्तान, रूस की महिला शामिल

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस की एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने अनैतिक तस्करी (रोकथाम) अधिनियम के तहत एक संगठित वेश्यावृत्ति गिरोह का पर्दाफाश किया है और देश भर में विभिन्न स्थानों से महिलाओं को खरीदकर वेबसाइटों पर विज्ञापन पोस्ट करने, संपर्क करने के आरोप में 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ग्राहकों को कॉल सेंटर और व्हाट्सएप के माध्यम से पीड़ितों तक विभिन्न होटलों, ओयो रूम में पहुंचाया जाता था। साइबराबाद के पुलिस ऑयुक्त स्टीफन रवीन्द्र ने बताया कि रैकेट में कुल 39 आरोपी शामिल थे और कुल 14,190 पीड़ितों को वेश्यावृत्ति में शामिल किया गया था। देह व्यापार में आरोपी एमडीएमए ड्रग्स का इस्तेमाल करते हैं। पीड़ित आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, असम, बांग्लादेश, नेपाल, थाईलैंड, उज्बेकिस्तान, रूस आदि से हैं और कॉल सेंटर दिल्ली, बैंगलोर और हैदराबाद से संचालित किए गए थे। व्यवसाय में 300 आयोजकों वाले प्रत्येक व्हाट्सएप समूह का उपयोग किया गया था। गच्चीबावली पीएस, साइबराबाद, पीएस मियापुर, पीएस कुकटपल्ली, पीएस माधापुर में आईपीसी की धारा 370 (ए) (2) और आईटीपी अधिनियम 1956 की धारा 3, 4, 5 और 6 के तहत अपराध के मामले दर्ज किए गए थे। इससे पहले साइबराबाद और हैदराबाद कमिश्नरेट में 15 आयोजकों के खिलाफ 40 मामले दर्ज किए गए थे और ज्यादातर मामलों में आरोपी फरार थे। अभियुक्तों की पूछताछ और स्वीकारोक्ति के दौरान, यह देखा गया कि विभिन्न राज्यों से कई दलालों का मसौदा तैयार किया गया था। उन्होंने आयोजकों, आपूर्तिकर्ताओं, विज्ञापन निर्माताओं, वेबसाइट और कॉल सेंटर के लोगों जैसे विभिन्न व्हाट्सएप समूह बनाए और व्यवसाय के लिए एक दूसरे के साथ संवाद किया और बड़ी

संख्या में पीड़ितों को शानदार जीवन शैली, आसान पैसे और कुछ मामलों में नौकरी देने के बहाने इस पेशे में घसीटा गया। ज्यादातर मामलों में, लोकांटो, स्कोका, हैदराबाद एस्कॉर्ट्स, कॉल गर्ल्स इन हैदराबाद, लक्ज़री एस्कॉर्ट सर्विसेज जैसी वेबसाइटों से वेश्यावृत्ति का आयोजन किया गया था और व्हाट्सएप स्टेटस का उपयोग किया गया था। नियमित संचार के लिए उनका प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप है। आरोपी के काम करने का तरीका पहले यह था कि दलाल पीड़िता से संपर्क करेगा और आयोजकों के व्हाट्सएप ग्रुपों में उसकी तस्वीरें डालेगा और आयोजकों ने प्रोफाइल (पीड़ित की तस्वीरें) का चयन किया और पीड़ितों को होटल और फ्लाइट टिकट बुक किए। बाद में पीड़िता आती हैं और होटलों में ठहरती हैं। पीड़ितों से जानकारी, उनके फोन नंबर और विभिन्न अन्य स्रोतों से जानकारी एकत्र करने के बाद, एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने विशेष टीमों का गठन किया और आरोपियों को पकड़ा। 15 नवंबर 2022 को उन्होंने सलमान उर्फ विवेक और इरफान उर्फ विकास को सनसिटी से गिरफ्तार कर पूछताछ की और आयोजकों के बारे में जानकारी निकाली। 18 नवंबर, 2022 को अन्य आरोपियों को ट्रैक करना शुरू किया और सोमाजीगुडा में अदीम उर्फ अर्नव उर्फ अभय, समीर और हरविंदर कौर उर्फ सिमरन कौर उर्फ अनिका को गिरफ्तार किया। कुल पांच आयोजकों को गिरफ्तार किया गया। अब तक कर्नाटक, मुंबई, कोलकाता और दिल्ली से वेश्यावृत्ति की 790 पीड़िताएं शामिल थीं। आरोपी जाने-माने आयोजक हैं और माधापुर, रायदुर्गम, गच्चीबोवली, कुक्टापल्ली, केपीएचबी, मियापुर, सनतनगर, एसआर नगर, एबिड्स, बोवेनपल्ली पुलिस स्टेशनों से आईटीपी अधिनियम के मामलों में फरार हैं। वे साइबराबाद और हैदराबाद आयुक्तालयों में 707 तस्करी और वेश्यावृत्ति के मामलों के लिए जिम्मेदार हैं। पुलिस ने इनके पास से 34 स्मार्ट फोन और एक कीपैड फोन, तीन कार, लैपटॉप और 2.5 ग्राम एमडीएमए जब्त किया है।

पुलिस ने आरोपियों की हर चाल को कर दिया नाकाम दिया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश-विदेश की महिलाओं और लड़कियों को वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करने वाले की हर चाल पुलिस ने नाकाम कर दी। नाम बदलकर धिनौना खेल खेलने वालों के आखिकार पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। गिरफ्तार लोगों में हैदराबाद के मासाब टैंक का रहने वाला मोहम्मद आदिम उर्फ अर्नव, हैदराबाद शेखपेट का मोहम्मद समीर, सोमाजीगुड़ा की हरभिंदर कौर उर्फ सिमरन कौर, बेगमपेट का मोहम्मद सलमान खान उर्फ अहद खान, सनसिटी हैदराबादा का मो. अब्दुल करीम उर्फ इरफान, एसआर नगर का येरसानी जोगेश्वर राव उर्फ नानी, बालानगर का नदिमपल्ली साईबाबू गौड़ उर्फ लक्की, सनसिटी का शैलेन्द्र प्रसाद उर्फ सलीम, यूसूफगुड़ा मोहम्मद अफसर उर्फ साहिल, कुक्कटपल्ली का पसुपुलेटी गंगाधारी अनंतपुर एपी का मोहम्मद फैयाज उर्फ विनोद कुमार, कर्नाटक का विष्णु उर्फ शरणप्पा कर्नाटक का साईं सुधीर उर्फ साईं, हैदराबाद मेहदीपट्टनम् का ऋषि उर्फ मोहम्मद अब्दुल, अमीनपुर, संगारेड्डी का कोडी श्रीनिवास उर्फ राम कुमार, हैदराबाद के अलीसाम उर्फ अब्दुल रफीक खान, माधापुर का सर्बेश्वर राउत शामिल है।

साइबराबाद पुलिस ने पीड़ितों व महिलाओं से की अपील

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने निर्दोष पीड़ितों और लड़कियों से अपील की कि वे तस्करी और वेश्यावृत्ति के बहकावे में न आएं और वेश्यावृत्ति और आसानी से पैसे कमाने के तरीकों का मनोरंजन न करें। उन्होंने कहा कि कुछ एजेंट गरीब लड़कियों को नौकरी का झांसा देकर वेश्यावृत्ति के लिए भेजते हैं। ओयो और अन्य होटलों को सलाह दी गई कि वे आधार कार्ड और अन्य आईडी प्रूफ जैसे पते के विवरण को क्रॉस चेक करें और चेक-इन के दौरान एकल रहने वाले ग्राहकों के पूर्ववृत्त को सत्यापित करें और जो अन्य राज्यों से आ रहे हैं उन्हें सख्त निर्देश दें। इसके अलावा, लोगों को सलाह दी जाती है कि वे अपने भवन, फ्लैट या घर को किराए पर देने से पहले किरायेदार के पूर्ववृत्त को सत्यापित करें। एक बार परिसर किराए पर देने के बाद यदि किराए के परिसर में कोई अवैध गतिविधि पाई जाती है तो उसे जब्त कर लिया जाएगा।

अगर किसी को भी किसी भी अवैध गतिविधियों की जानकारी है तो वह स्थानीय पुलिस से संपर्क कर सकता है या डायल 100 को सूचित कर सकता है या साइबराबाद पुलिस आयुक्त व्हाट्सएप नंबर 9490617 444 पर संदेश भेज सकता है।

किसानों की मदद के लिए गेमिंग ऐप विकसित किया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीआरआईएसएटी ने एमआरआईडीए (कृषि के एकीकृत विकास के लिए संसाधनों का प्रबंधन) नाम से एक मोबाइल गेमिंग ऐप विकसित किया है। यह मिट्टी के कार्बन को बढ़ाने के लिए छोटे किसानों को जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों की रणनीति बनाने में मदद करता है जो अंततः उपज बढ़ाता है और लचीलापन बनाता है। महानिदेशक, आईसीआरआईएसएटी डॉ जैकलिन ह्यूजेस ने कहा कि, "हम उपयोगकर्ता के अनुकूल तकनीक लाने में जीआईजेड के साथ साझेदारी करके खुश हैं, जो न केवल किसानों को मृदा संरक्षण पर शिक्षित करता है, बल्कि जलवायु परिवर्तन की स्थिति में मृदा प्रबंधन प्रथाओं के प्रति किसानों के रवैये को भी पकड़ता है। नीति निर्माताओं और सरकारों को बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है," अंतर्राष्ट्रीय संगठन के वैज्ञानिकों की एक टीम ने ऐप विकसित करने के लिए महाराष्ट्र के पांच जिलों और ओडिशा के आठ जिलों में 2020 से 2022 तक एक मॉडलिंग अध्ययन किया, जो किसानों के बीच जलवायु-स्मार्ट कृषि प्रथाओं को अपनाने के लिए व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देता है। इसे जर्मन एजेंसी फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन द्वारा मंजूर की गई धनराशि से विकसित किया गया था ताकि कृषि प्रबंधन का एक व्यापक और कठोर मूल्यांकन किया जा सके ताकि कार्बन को अलग करने की उनकी क्षमता (वातावरण से वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड को पकड़ने, सुरक्षित करने और भंडारण की प्रक्रिया) का निर्धारण किया जा सके। अंग्रेजी के अलावा, वसुधैका सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से विकसित किया गया गेमिंग ऐप जल्द ही मराठी में भी उपलब्ध होगा। "गेम ऐप किसानों को चार प्रमुख तत्वों - उर्वरक, फसल चयन, बायोचार एप्लिकेशन और सिंचाई पर जागरूक करेगा। मौसम के आधार पर, वे अपना चयन कर सकते हैं और जैविक कार्बन और उपज उत्पादन का पता लगा सकते हैं। सिफारिशें उन्हें खेत पर बेहतर निर्णय लेने में मदद करेंगी।

अमेरिकी महावाणिज्य दूत ने महिला सुरक्षा विंग कार्यालय का दौरा किया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में संयुक्त राज्य अमेरिका के महावाणिज्यदूत जेनिफर ए लार्सन ने अपनी टीम के साथ महिला सुरक्षा विंग, तेलंगाना पुलिस का दौरा किया। अतिरिक्त डीजीपी स्वाति लकड़ा ने जेनिफर लार्सन और उनकी टीम को शी टीम्स सहित विभिन्न पहलों के बारे में बताया। महिलाओं की सुरक्षा के लिए तेलंगाना सरकार और तेलंगाना पुलिस के महिला सुरक्षा विंग द्वारा एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) और भरोसा का गठन किया गया। जेनिफर लार्सन, जो तेलंगाना पुलिस के अद्भुत काम से प्रभावित थीं, ने लकड़ीकापुल स्थित महिला सुरक्षा विंग कार्यालय की अपनी यात्रा से तस्वीरें साझा करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। जेनिफर लार्सन ने 14 सितंबर, 2022 को हैदराबाद में नए अमेरिकी महावाणिज्यदूत के रूप में नियुक्त होने से पहले भारत, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान और मालदीव मामलों के कार्यालय के निदेशक और कार्यवाहक डीएएस के रूप में कार्य किया है।

समाज में समानता लाने का एकमात्र तरीका शिक्षा : अरूण

दक्षिण मध्य रेलवे ने 66 वां महापरिनिर्वाण दिवस मनाया

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की पुण्यतिथि महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद मनाया। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों, ट्रेड यूनियन नेताओं और कर्मचारियों द्वारा बाबासाहेब को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री जैन ने कहा कि शिक्षा ही समाज में समानता लाने का एकमात्र तरीका है, जैसा कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने कहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर सदी के सबसे बड़े नेताओं में से एक हैं। उन्होंने परिवार के सबसे गरीब सदस्य से खुद को दुनिया के सबसे बड़े संविधान के निर्माता के रूप में

रूपांतरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने समाज में दबे लोगों के उत्थान के लिए बहुत योगदान दिया। भारत के लोग भारत रत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर हर दिन राष्ट्र को उनके सबसे बड़े उपहार के लिए, भारत के संविधान जो सभी को समानता, स्वतंत्रता और न्याय प्रदान करता है। उन्होंने भारत के सभी नागरिकों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी न कि समाज के किसी विशेष वर्ग के लिए। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, दमरे राजीव किशोर ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज में समानता और भाईचारे पर आधारित एक नई सामाजिक व्यवस्था का सपना देखा था। कार्यक्रम में अमित गोयल, अपर महाप्रबंधक, दमरे, प्रमुख विभागाध्यक्षों ने भी भाग लिया। अखिल भारतीय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति संघ, एससीआर ओबीसी एसोसिएशन, एससीआरएमयू और एससीआर कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने भी इस अवसर पर विचार व्यक्त किए।

मोबाइल छीनने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की गोपालपुरम् पुलिस ने लूट के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सुबह चिलकलगुडा एक्स रोड्स पर वाहन चेकिंग करते हुए खालिद उर्फ मल्ला डॉन, मोहम्मद महबूब पाशा, मोहम्मद अब्दुल हसन उर्फ काला जामुन और मोहम्मद खान उर्फ मोहम्मद चैन को पकड़ा। पूछताछ पर उन्होंने दो घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया। डीसीपी नार्थ जोन ने बताया कि पुलिस को बीते 23 नवंबर को एक शिकायत मिली कि एर आईटी कर्मचारी अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद वह अपने कार्यालय से घर जाने के लिए निकले। वह संगीत एक्स रोड, सिकंदराबाद में वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच एक सिल्वर रंग की स्विफ्ट डिजायर कार आई और उनके पास आकर रुकी। कार के चालक ने शिकायतकर्ता से पूछा कि वह किस स्थान पर जाना चाहता है और शिकायतकर्ता ने उसे बताया कि उसे तारनाका जाना है और उक्त व्यक्ति ने शिकायतकर्ता को कार के अंदर जाने के लिए कहा और उसने उससे कहा कि वह उसे तारनाका छोड़ देगा। शिकायतकर्ता तीन अन्य व्यक्तियों के साथ कार के अंदर बैठ गया, जो पहले से कार में पीछे की सीट पर बैठे थे। तीन लोगों में से एक ने उसे धक्का देकर चोट पहुंचाने की धमकी दी और मोबाइल छीनकर फरार हो गए।

डॉ.बीआर अंबेडकर के आदर्शों को लागू करने वाला एकमात्र राज्य : पोचारम

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्रियों, विधायकों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों ने मंगलवार को तेलंगाना भर में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 66वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष पोच्चारम श्रीनिवास रेड्डी ने राज्य विधानसभा परिसर में अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और राष्ट्र के लिए पूर्व की सेवाओं को याद किया। इस अवसर पर बोलते हुए, अध्यक्ष पोखराम श्रीनिवास रेड्डी ने निर्वाचित प्रतिनिधियों को सलाह दी कि वे डॉ.बी.आर. की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ काम करें। लोकतंत्र में पदों को पवित्र माना जाता है और जो लोग अलग-अलग पदों पर सत्ता का आनंद ले रहे हैं उन्हें अपना पूरा समय देश सेवा में समर्पित करना चाहिए। अध्यक्ष ने कहा कि डॉ बी आर अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि तभी दी जा सकती है जब उनके विचारों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) छोड़ने के आरोपों का खंडन किया और कहा कि वह मरने के लिए तैयार हैं लेकिन टीआरएस पार्टी और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के संघ को कभी नहीं छोड़ेंगे। मैं पिछले 47 वर्षों से एक सार्वजनिक नेता रहा हूं और विधायक, मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के साथ सत्ता का आनंद लिया है। अब, मुझे बहुत खुशी हो रही है क्योंकि तेलंगाना में विकास का फल मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सभी वर्गों के लोगों तक पहुंच रहा है।

सिंगरेणी कार्यालय के सामने बैल के पेशाब करने पर किसान पर जुर्माना

हैदराबाद, 6 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक विचित्र घटना में, तेलंगाना के भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में अधिकारियों ने राज्य के स्वामित्व वाली सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के कार्यालय के सामने एक बैल के पेशाब करने के बाद एक किसान पर100 रुपये का जुर्माना लगाया। किसान अपनी बैलगाड़ी के साथ कंपनी द्वारा अधिग्रहित अपनी जमीन का मुआवजा नहीं दिए जाने का विरोध कर रहा था। सीसीटीवी फुटेज में येल्लंदू में एससीसीएल महाप्रबंधक के कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने किसान अपनी बैलगाड़ी को रोकते हुए दिखाई दे रहा है। सुदेरलाल लोध के विरोध के दौरान एक बैल ने कार्यालय के सामने सड़क पर पेशाब कर दिया। एससीसीएल के एक अधिकारी

द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर येलंदू पुलिस ने सुंदरलाल और उसके परिवार के खिलाफ अपने मवेशियों को जीएम कार्यालय के सामने पेशाब करवाकर सार्वजनिक उपद्रव पैदा करने का मामला दर्ज किया। कंपनी के अधिकारी का आरोप है कि जब सुरक्षाकर्मियों ने किसान और उसके परिवार को रोका तो वे गाली-गलौज करने लगे और वहां से जाने से इनकार कर दिया। किसान के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 270 (घातक कार्य से जीवन के लिए खतरनाक बीमारी का संक्रमण फैलने की संभावना) के तहत मामला दर्ज किया गया और उसे अदालत में पेश किया गया, जिसने उस पर 100 रुपये का जुर्माना लगाया। किसान के खिलाफ मामला और जुर्माना लगाने की कड़ी आलोचना हुई। किसान ने कहा कि उसने बैल को पेशाब नहीं कराया। सुंदरलाल की बेटी मानसी ने भी अधिकारियों की कार्रवाई पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, "यह कैसे न्यायोचित है? नगर पालिका में लोग सार्वजनिक रूप से पेशाब करते हैं, लेकिन कोई उन पर जुर्माना नहीं लगाता है और यहां उन्होंने बैल के पेशाब करने पर जुर्माना लगाया है।" किसान का आरोप है कि उसकी जमीन कंपनी ने 2005 में अधिग्रहित कर ली थी, लेकिन उसे मुआवज़ा नहीं दिया गया। हालांकि, कंपनी ने दावा किया कि कानून के अनुसार सरकार के माध्यम से पट्टेदार या शीर्षक धारक को मुआवजे का भुगतान किया गया था। एससीसीएल के अधिकारियों का कहना है कि किसान की याचिका को भी अदालतों ने खारिज कर दिया था लेकिन वह परेशानी पैदा कर रहा था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

SHOP FOR SALE
20X25, GROUND FLOOR, GVMC PLAN APPROVAL, East Facing at BRTS Main Road, Nr. Ramatakies, Vizag. LOAN AVAILABLE.
9885823578

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.